बार बार चुनाव से विकास प्रभावित.. 02

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

कुब्रा ने शुरू की फर्जी... 11

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

वर्ष - 02, अंक - 141 | गाजियाबाद / सोमवार 24 अगस्त 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ -12, मूल्य - 04 रूपए

संक्षिप्त समाचार

चिराग की पार्टी के एमएलए अमित रानू के घर छापेमारी

- जमीन विवाद में भाई सोनू सिंह की संलिप्तता की जांच

मुजफ्फरपुर (एजेंसी)। मुजफ्फरपुर पुलिस ने जमीन विवाद में सीतामढ़ी के विधायक अमित कुमार रानू के घर पर छापेमारी की। तलाशी में पुलिस ने कई महत्वपूर्ण दस्तावेज और स्टांप पेपर जब्त किए हैं। पुलिस के अनुसार, विधायक के भाई सोनू सिंह की संलिप्तता सामने आई है। विधायक की भूमिका

की भी जांच की जा रही है और बैंक खातों की पड़ताल होगी। मुजफ्फरपुर के अहियापुर थाना क्षेत्र में जमीन विवाद और निर्माणाधीन मकानों की बाउंड्री तोड़ने के मामले में मुजफ्फरपुर पुलिस ने रविवार सुबह सीतामढ़ी के बेलसंड से विधायक अमित कुमार रानू के निजी आवास पर छापेमारी की। करीब चार घंटे चली तलाशी में पुलिस ने कई स्टांप पेपर, जमीन से जुड़े दस्तावेज और कंस्ट्रक्शन कंपनी से संबंधित कागजात जब्त किए हैं। पुलिस के अनुसार, पूरे मामले में विधायक के भाई सोनू सिंह की संलिप्तता सामने आई है, जबकि विधायक की भूमिका की भी जांच की जा रही है।

तीन बार तालाब खंगाला, पॉलीथिन मिली, अंडकोष नहीं

- हत्या कर नाबालिग के गुप्तांग का किया था सौदा, आरोपी के अकाउंट में 12 लाख का ट्रांजेक्शन

भोपाल (एजेंसी)। भोपाल के श्यामला हिल्स इलाके में 17 वर्षीय किशोर की हत्या के बाद उसके अंडकोष काटकर छोटे तालाब में फेंकने के मामले में पुलिस की जांच कई दिशाओं में आगे बढ़ रही है। पुलिस आरोपियों के बैंक

खातों, उनके बीच हुए वित्तीय लेन-देन और डिजिटल गतिविधियों की जांच कर रही है। जांच में मुख्य आरोपी जोहेब के खाते में हाल ही में 12 लाख रुपए क्रेडिट होने की सूचना सामने आई थी। हालांकि पुलिस की तस्दीक में खाते में 12 लाख रुपए जमा होने की पुष्टि नहीं हुई है। पुलिस अब सभी आरोपियों के बैंक खातों की लेन-देन हिस्ट्री खंगाल रही है। जांच का फोकस यह पता लगाने पर है कि वारदात से पहले या बाद में किसी बाहरी व्यक्ति से आरोपियों को रकम मिली थी या नहीं। इसके साथ ही मोबाइल फोन, कॉल डिटेल और सोशल मीडिया गतिविधियों की भी जांच की जा रही है।

2 क्रू मेंबर्स का रेस्क्यू, 22 सदस्य अब भी लापता

पारादीप से चीन जा रहा मालवाहक जहाज लापता

भुवनेश्वर (एजेंसी)। ओडिशा के पारादीप बंदरगाह से चीन के लिए रवाना हुआ मालवाहक जहाज एमवी ओशन विनर बंगाल की खाड़ी में लापता हो गया है। जहाज पर 24 विदेशी क्रू सदस्य सवार थे। अब तक दो लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया है, जबकि बाकी सदस्यों की तलाश जारी है। भारतीय नौसेना और तटरक्षक बल ने बड़े पैमाने पर खोज एवं बचाव अभियान शुरू किया है। लापता जहाज की तलाश के लिए भारतीय नौसेना ने आईएनएस वराद, आईएनएस अनमोल और आईएनएस विजित को अभियान में लगाया है। भारतीय तटरक्षक बल की पारादीप स्थित टीम भी अपने पोत के साथ समुद्र में तलाश कर रही है।

20 अगस्त की रात पारादीप से हुआ था रवाना

जानकारी के अनुसार, एमवी ओशन विनर 20 अगस्त की रात पारादीप बंदरगाह से चीन के लिए रवाना हुआ था। जहाज पर करीब 72 हजार मीट्रिक टन लौह अयस्क लदा था। म्यांमार के रास्ते चीन की ओर बढ़ने के दौरान जहाज से संपर्क टूट गया। बताया गया है कि पारादीप से करीब 220 समुद्री मील दूर पोर्ट ब्लेयर क्षेत्र के पास समुद्री सीमा में जहाज का पता नहीं चल पाया।

जहाज पर 20 चीनी समेत 24 विदेशी नागरिक

एमवी ओशन विनर पर कुल 24 विदेशी क्रू सदस्य सवार थे। इनमें 20 चीनी नागरिक, तीन म्यांमार के नागरिक और एक बांग्लादेशी नागरिक शामिल हैं। दो सदस्यों को बचाए जाने के बाद अब अन्य लोगों का पता लगाने के लिए अभियान तेज कर दिया गया है। केंद्रीय बंदरगाह, पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने भी जहाज के लापता होने पर सोशल मीडिया के माध्यम से चिंता जताई है।

एमपी-यूपी में जल प्रलय बारिश बन गई मुसीबत

नदियां उफनाईं, बांध ओवरफ्लो, घरों तक में घुसा पानी

नई दिल्ली (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में स्कूल से घर लौट रहे तीन बच्चे घोंघा नदी के तेज बहाव में बह गए। एक दिन बाद रविवार को तीनों बच्चों के शव बरामद कर लिए गए। छत्तीसगढ़ की तरह उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में भी कई जिलों में तेज बारिश हो रही है। यूपी में भी बारिश और नदियों का जलस्तर बढ़ने से 19 जिलों में बाढ़ जैसे हालात हैं। बाराबंकी में करीब 1,250 ग्रामीणों के लिए नाव ही आने-जाने का सहारा बनी हुई है।

लोगों को रोजमर्रा के काम करने में भी परेशानी हो रही है। मध्य प्रदेश के सीधी में शनिवार को 104 करोड़ लागत से 6 महीने पहले बनी सड़क का बड़ा हिस्सा बारिश में बह गया। नरसिंहपुर में रेतघाट पुल पानी में डूब गया है। सतना में बाइक समेत तीन लोग नाले में बह गए। इनमें दो लोग बच गए। तीसरा लापता है। पन्ना में एक डंपर बह गया।

प्रयागराज में सड़कों पर किया जा रहा अंतिम-संस्कार

यूपी में लगातार हो रही बारिश से नदियां उफान पर हैं। 19 जिले बाढ़ की चपेट में हैं। 92 गांवों में फसलें जलमग्न हो गई हैं। 26 गांव टापू में तब्दील हो चुके हैं। इन्हें दूसरे गांवों से जोड़ने वाली सड़कें डूब चुकी हैं। प्रभावित इलाकों में नावों और मोटर बोट के जरिए राहत सामग्री पहुंचाई जा रही है। झांसी में बेतवा नदी पर बना बांध सीजन में पहली बार ओवरफ्लो हो गया है। 140 साल पुराने पारीछा बांध के गेट भी खोल दिए गए हैं। बाराबंकी में सरयू नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है।

अब स्पेस में 'धाक' जमाने की तैयारी में भारत

पेट्रोल-पंप लगाने और दवाइयां बनाने की शुरू हो गई है तैयारी

पीएम से मिले स्पेस स्टार्टअप्स के फाउंडर्स ने बताए अपने प्लान

नई दिल्ली (एजेंसी)। अंतरिक्ष में पेट्रोल पंप, कचरा हटाने वाले रोबोट और हवा में तैरती दवाइयां। भारत का स्पेस सेक्टर अब फिल्मों में दिखने वाली टेक्नोलॉजी सच करने पर काम कर रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के 20 स्पेस स्टार्टअप्स फाउंडर्स से खास बातचीत की। पीएम ने भरोसा दिलाया कि सरकार उद्यमियों का हाथ कभी नहीं छोड़ेगी। रिस्क लेने वालों को पूरा सपोर्ट मिलेगा। ये बातचीत 21 अगस्त को की गई थी। लेकिन वीडियो आज 23 अगस्त को रिलीज किया गया है।

1 महीने में मिले 8 नए इंटरनेशनल कॉन्ट्रैक्ट्स- भारतीय स्टार्टअप्स ग्लोबल लेवल पर ग्राउंड स्टेशन नेटवर्क तैयार कर रहे हैं और सैटेलाइट इंजनों का एक्सपोर्ट करने के लिए तैयार हैं। यह इंजन सैटेलाइट्स को स्पेस में 5 से 15 सालों तक एक जगह से दूसरी जगह ले जाने में मदद करते हैं।

हर महीने रॉकेट लॉन्च करने का लक्ष्य

स्काईरूट ने पीएम मोदी को बताया कि 18 जुलाई को भारत के पहले प्राइवेट रॉकेट से सैटेलाइट्स को कामयाबी के साथ ऑर्बिट में स्थापित किया था। कंपनी ने अब तक 3 फैक्ट्रियां तैयार कर ली हैं, जिनमें हर महीने एक रॉकेट बनाने की क्षमता है। कंपनी की योजना हर महीने एक रॉकेट लॉन्च करने की है। इसके बाद का लक्ष्य हर हफ्ते एक और भविष्य में हर दिन कई रॉकेट लॉन्च करने का है।

अमेरिका-यूरोप छोड़कर भारत आ रहे इंजीनियर्स

स्पेस सेक्टर को प्राइवेट प्लेयर्स के लिए खोले जाने के बाद एक नया ग्लोबल ट्रेंड दिख रहा है। अमेरिका और यूरोप में काम करने वाले भारतीय इंजीनियर्स अब अपनी नौकरियां छोड़कर भारत लौट रहे हैं और देश के स्पेस स्टार्टअप्स से जुड़ रहे हैं। इस पर पीएम मोदी ने कहा कि भारत को एक ऐसा माहौल बनाना चाहिए कि पूरी दुनिया का टैलेंट स्पेस सेक्टर में करियर बनाने के लिए भारत का रुख करे। भारतीय टैलेंट पूल दुनिया के वैज्ञानिकों को अपनी तरफ खींचने वाले मैग्नेट की तरह काम कर सकता है।

बांग्लादेश में हिंदू परिवार के 4 लोगों की संदिग्ध मौत

- बंद घर से रिटायर्ड शिक्षक, पत्नी-बच्चों के शव मिले

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश के रंगपुर शहर में एक हिंदू परिवार के चार लोग संदिग्ध हालात में मृत मिले हैं। इनमें रिटायर्ड स्कूल शिक्षक, उनकी पत्नी, बेटी और बेटा शामिल हैं। चारों के शव शनिवार रात एक बंद घर से मिले। पुलिस, सीआईडी और डिटेक्टिव ब्रांच ने जांच शुरू कर दी है। मृतकों की पहचान गणपति चक्रवर्ती

(65), पत्नी प्रीतिलता चक्रवर्ती (50), बेटी आगमी चक्रवर्ती प्रार्थी (23) और बेटे प्रियम चक्रवर्ती (12) के रूप में हुई है। गणपति रंगपुर जिला स्कूल में शिक्षक थे और पिछले साल 31 दिसंबर को रिटायर हुए थे। रिटायरमेंट के बाद वे होम्योपैथी का काम भी कर रहे थे। परिजन के मुताबिक, प्रीतिलता की छोटी बहन पूजा ने उनसे गुरुवार दोपहर आखिरी बार बात की थी।

चारों के शव घर में अलग-अलग जगह मिले

रंगपुर मेट्रोपॉलिटन थाने के अधिकारी सुबीर चौधरी के मुताबिक, गणपति का शव छत पर, उनकी पत्नी और बेटी के शव सीढ़ियों के पास मिले। वहीं 12 साल के बेटे प्रियम का शव बिस्तर के नीचे मिला। परिजनों ने बताया कि उन्हें नहीं पता कि परिवार को किसने और क्यों निशाना बनाया। गणपति की भतीजी सोमा चक्रवर्ती ने कहा कि उनके चाचा का किसी से विवाद या दुश्मनी नहीं थी। परिवार ने दासपाड़ा में नया घर बनाया था और वहीं रह रहा था।

यूपी में सरकारी स्कूल के रसोइयों को तोहफा

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी के परिषदीय विद्यालयों में काम करने वाले रसोइयों को योगी सरकार ने बड़ा तोहफा दिया है। सभी रसोइयों और उनके परिजनों को 2 लाख रुपये की दुर्घटना बीमा सहायता का सुरक्षा कवच प्रदान किया गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने खुद मंच से 11 रसोइयों को सम्मानित करते हुए कैशलेस चिकित्सा कार्ड, बढ़े हुए मानदेय का चेक और परिधान किट सौंपी। बेसिक शिक्षा विभाग और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) के बीच हुए इस अनुबंध के तहत प्रदेश के सभी रसोइयों और उनके परिजनों को 2 लाख रुपये की दुर्घटना बीमा सहायता का सुरक्षा कवच प्रदान किया गया। कार्यक्रम के दौरान उपलब्धियों पर आधारित एक लघु फिल्म भी प्रदर्शित की गई।

बैल से 31 लाख की कार खिंचवाकर शोरूम पहुंचा मालिक

- बोला-5 महीने से आरसी नहीं बनी, मोगा में कंपनी स्टाफ चारा ढोने को बोल रहा था

मोगा (एजेंसी)। मोगा में शनिवार को 31 लाख रुपए से ज्यादा कीमत की नई इनोवा कार सड़क पर बैल से खिंचती नजर आई। कार मालिक दविंदरपाल सिंह ने अपनी गाड़ी पर चारा लादा और बैल के सहारे उसे आईजीएम टोयोटा शोरूम के सामने से जीटी रोड होते हुए शहर तक ले गए। दविंदरपाल का कहना है कि 5 महीने पहले गाड़ी खरीदने के बावजूद अब तक आरसी नहीं बनी है। कई बार कंपनी और एजेंसी से संपर्क करने के बाद भी समाधान नहीं हुआ तो उन्होंने इसी तरह विरोध जताया। उन्होंने बताया कि शिकायत करने के बाद कार एजेंसी ने 50 हजार रुपए ये कहकर और ले लिए कि कार कीमत बढ़ गई है और रजिस्ट्रेशन चार्ज अब ज्यादा लगेगा। इसके बाद भी कुछ नहीं हुआ तो उन्होंने कंपनी को फोन किया तो वहां से जवाब मिला कि जल्दी है तो तब तक इस पर चारा ढोना शुरू कर दो।

5 महीने पहले 31.30 लाख में बुक कराई थी इनोवा

दविंदरपाल सिंह के मुताबिक, उन्होंने करीब पांच महीने पहले ?31 लाख 30 हजार में इनोवा हाइक्रोस जेड एक्स बुक कराई थी। गाड़ी मिलने के 5 महीने बाद भी उसकी आरसी नहीं मिली। उन्होंने इसके लिए एजेंसी के कई चक्कर काटे। बाद में एजेंसी ने गाड़ी की कीमत बढ़ने की बात कहकर उनसे करीब 54 हजार और जमा कराए। इसके बावजूद गाड़ी का रजिस्ट्रेशन नहीं हो सका।

आरटीओ में बिल और रिकॉर्ड की राशि अलग निकली

दविंदरपाल के अनुसार, आरसी बनवाने के लिए चंडीगढ़ आरटीओ कार्यालय से संपर्क किया तो वहां बिलिंग राशि और आरटीओ रिकॉर्ड में दर्ज राशि में अंतर बताया गया। अधिकारियों ने कहा कि बिल में सुधार होने के बाद ही गाड़ी का रजिस्ट्रेशन संभव होगा। ग्राहक का आरोप है कि मोगा में बिलिंग की व्यवस्था नहीं होने के कारण बिल लुधियाना से बनाया जाता है और इसी वजह से समस्या बढ़ी। दविंदरपाल का आरोप है कि जब एजेंसी से बात की गई तो वो तालमटोल ही करते रहे। कई दिनों से बस शोरूम के चक्कर कटवाते रहे। यही नहीं, एक कर्मचारी ने उनसे यहां तक कह दिया कि अब गाड़ी पर 'चारा ही ढो लो'। इसी बात से नाराज होकर उन्होंने शनिवार को अपनी नई इनोवा पर चारा लादा और बैल से खिंचवाते हुए शोरूम के सामने प्रदर्शन किया। उनका कहना है कि पांच महीने बाद भी समस्या का समाधान नहीं हुआ।

झारखंड भर्ती घोटाले की जांच में हुए चौंकाने वाले खुलासे

ओएमआर में हेरफेर से लेकर इंटरव्यू तक करोड़ों की हुई उगाही!

रांची (एजेंसी)। झारखंड के चर्चित जेपीएससी और जेएसएससी भर्ती परीक्षा विवाद में सीआईडी और विशेष जांच दल (एसआईटी) की पड़ताल जैसे-जैसे आगे बढ़ रही है, सिंडिकेट के काम करने के संगठित और चौंकाने वाले तरीके उजागर हो रहे हैं। अब तक की जांच और मुख्य आरोपियों के बयान और उनसे चल रही लगातार पूछताछ से यह साफ हो गया है कि परीक्षाओं के विज्ञापन से लेकर अंतिम चयन और इंटरव्यू तक, हर स्तर पर सेटिंग की एक समानांतर व्यवस्था सक्रिय थी। सेटिंग के इस खेल में पिछले तीन वर्षों में करोड़ों रुपए की उगाही हुई है, जिसकी समानांतर जांच ईडी ने भी शुरू की है।

14वीं जेपीएससी में एक करोड़ का रेट तय!

सीआईडी ने शनिवार को अभय तिवारी को तीसरी बार तीन दिनों के लिए रिमांड पर लिया है। उसकी पत्नी सुषमा और भाई अक्षय तिवारी को भी आमने-सामने बिठाकर पूछताछ शुरू की गई है। आरोपियों के बयानों से यह खुलासा हुआ है कि भर्ती प्रक्रिया के अलग-अलग चरणों के लिए बाकायदा दरें तय थीं।

दिल्ली में स्वाइन फ्लू का प्रकोप, सरकार ने जारी की स्वास्थ्य एडवाइजरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय राजधानी में एच1एन1 (स्वाइन फ्लू) के बढ़ते मामलों के मद्देनजर दिल्ली सरकार ने नागरिकों के लिए एक विस्तृत स्वास्थ्य एडवाइजरी जारी की है। इस वर्ष अब तक 1,777 से अधिक एच1एन1 संक्रमणों सहित कुल 2,300 से अधिक इन्फ्लुएंजा-ए के मामले सामने आ चुके हैं, जिसके बाद प्रशासन ने लोगों से सतर्कता बरतने की अपील की है। एडवाइजरी में श्वसन संबंधी स्वच्छता अपनाने, भीड़भाड़ वाली जगहों से बचने और बुखार, खांसी, गले में खराश या सांस लेने में तकलीफ जैसे लक्षण दिखने पर तत्काल डॉक्टरी सलाह लेने का आग्रह किया गया है। लोगों को खांसते-छींकते समय मुंह ढकने, नियमित हाथ धोने, भीड़भाड़ में मास्क पहनने और बीमार लोगों से दूरी बनाए रखने की सलाह दी गई है। इसके साथ ही, आंखों-नाक को छूने से बचने, सार्वजनिक स्थानों पर न थूकने और पर्याप्त तरल पदार्थ लेने पर जोर दिया गया है। बिना डॉक्टरी सलाह के दवा लेने से बचने को भी कहा गया है। स्वास्थ्य विभाग ने इन्फ्लुएंजा से निपटने की पूरी तैयारी होने का दावा किया है, जिसमें अस्पतालों में पर्याप्त बिस्तर, दवाएं और मेडिकल उपकरण मौजूद हैं। 35 अस्पतालों को विशेष निगरानी में रखा गया है, जबकि एम्स और राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र को रेफरल प्रयोगशालाएं बनाया गया है। शुक्रवार तक दिल्ली में इन्फ्लुएंजा के कुल 2,602 मामले सामने आए हैं। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री ने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे. पी. नड्डा के साथ बैठक में तैयारियों की समीक्षा भी की।

गुजरात में नकली शराब से मौतों का सिलसिला, 15 की मौत

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात के भावनगर जिले में जहरीली नकली शराब पीने से मौतों का सिलसिला थम नहीं रहा है। ताजा रिपोर्टों के मुताबिक मृतकों की संख्या बढ़कर 15 हो गई है। शनिवार को इलाज के दौरान तीन और लोगों की मौत हुई। इनमें भावनगर के दो मरीज और सूरत में भर्ती एक सुरक्षा जवान भी शामिल है। इस मामले में जहरीली शराब में मेथनॉल मिलाए जाने की बात सामने आई है। शराब को एक लोकप्रिय विदेशी शराब ब्रांड की नकली बोतलों में भरकर बेचने का आरोप है। पुलिस ने अब तक 21 आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर 13 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गुजरात पुलिस ने मध्य प्रदेश से मुख्य आरोपी रईस को गिरफ्तार किया है। ताजा जानकारी के अनुसार 17 लोग अभी अस्पतालों में भर्ती हैं, जिनमें तीन की हालत गंभीर है। वह आईसीयू में उपचाररत हैं। वहीं 17 मरीजों को इलाज के बाद अस्पताल से छुट्टी दी जा चुकी है। पुलिस को आशंका है कि इस जहरीली शराब के निर्माण में इस्तेमाल कच्चा माल मध्य प्रदेश और अहमदाबाद से लाया गया था। जांच में पूरे नेटवर्क का पता लगाने का प्रयास जारी है।

दिल्ली पुलिस के जवानों को लोगों ने लाठी-डंडों से पीटा, मिर्ची पाउडर भी डाला

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस की कार्रवाई से नाराज कुछ लोगों ने जवानों पर लाठी-डंडों से अटैक कर दिया। आरोपियों ने मिर्च पाउडर भी जवानों पर फेंका। इस घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें स्पष्ट तौर पर देखा जा सकता है कि आरोपी किस तरह से कानून-व्यवस्था को अपने हाथों में लेते हुए पुलिस के जवानों पर निर्ममता से लाठियां बरसा रहे हैं। जानकारी के मुताबिक आउटर नॉर्थ जिले के भलस्वा डेयरी इलाके में ड्यूटी के दौरान पुलिसकर्मियों पर हमला करने का मामला सामने आया है। आरोप है कि बाइक को दस्तावेज नहीं होने के कारण पुलिस द्वारा जब्त किए जाने से नाराज कुछ लोगों ने पुलिसकर्मियों की आंखों में मिर्ची पाउडर फेंका और ईंट-पत्थर व लाठी-डंडों से हमला कर दिया। पुलिस ने मौके से एक किशोर को पकड़ है, जबकि अन्य आरोपी फरार हैं।

सीएम का पुतला फूंकने की कोशिश में पुलिस से झड़प, 15 बीजेपी कार्यकर्ता हिरासत में

गिरिडीह (एजेंसी)। झारखंड के गिरिडीह में सीएम हेमंत सोरेन का पुतला फूंकने की कोशिश करते समय बीजेपी कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच झड़प हो गई। इसके बाद बीजेपी के 15 कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया गया। बीजेपी की नगर इकाई के अध्यक्ष के नेतृत्व में पार्टी कार्यकर्ताओं ने सीएम का पुतला लेकर जुलूस निकाला था। बीजेपी कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि पुलिस ने उनसे पुतला छीन लिया, जिसके बाद झड़प हुई। गिरिडीह के अनुमंडल दंडाधिकारी ने बताया कि 15 बीजेपी के लोगों को हिरासत में लिया गया है। बाद में कई लोगों ने गिरफ्तारी दी। बाद में छोड़ दिया। बाद में कुछ कार्यकर्ताओं ने सीएम की तस्वीर वाला एक अन्य पुतला टावर चौक के पास फूंक दिया। इस बीच हजारीबाग जिले में सैकड़ों छात्रों ने पुलिस के कथित लाठीचार्ज के विरोध में 'मौन जुलूस' निकाला। प्रदर्शन के दौरान छात्रों ने पुलिसकर्मियों को गुलाब के फूल दिए। एक प्रदर्शनकारी ने कहा कि गुलाब देने का उद्देश्य यह संदेश देना था कि पुलिस लाठीचार्ज करे या पानी की बौछार मारे, फिर भी हमारा प्रदर्शन जारी रहेगा।

एक देश एक चुनाव की कवायद तेज, इसी आम चुनाव में होगा लागू?

एक चुनाव के लिए 2034 की डेडलाइन घटाकर 2029 करने की तैयारी

नई दिल्ली, एजेंसी। देशभर में लोकसभा और विधानसभा चुनाव साथ कराने को लेकर कवायद तेज हो गई है। एक रिपोर्ट के मुताबिक एक देश, एक चुनाव को लेकर बनाई गई संसद की संयुक्त समिति ने भी सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने इस बारे में सलाह लेनी शुरू कर दी है। रिपोर्ट में कहा गया है कि सरकार एक देश एक चुनाव के लिए 2034 की डेडलाइन को घटाकर 2029 ही करना चाहती है। यानी अगला लोकसभा चुनाव बिल्कुल अलग अंदाज में हो सकता है। इसके साथ ही विधानसभा के चुनाव भी करवाए जा सकते हैं। अगर ऐसा होता है तो एक साथ ही सभी राज्य की विधानसभाओं को भंग कर दिया जाएगा। इस महत्वाकांक्षी योजना का मुख्य उद्देश्य देश के चुनाव चक्र को सुव्यवस्थित करना, चुनावी खर्च को कम करना और बार-बार होने वाली आदर्श आचार संहिता के कारण विकास कार्यों में आने वाली बाधाओं को दूर करना है।

इस समय देश के 22 राज्यों में एनडीए की सरकार है। इनमें से 11 राज्यों में अगले दो सालों में विधानसभा का चुनाव होना है। चार ऐसे राज्य हैं जिनमें लोकसभा चुनाव के साथ ही चुनाव हो सकते हैं। इनमें आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम और ओडिशा का नाम शामिल है। 2024 में एक देश एक चुनाव को लेकर जो कमेटी बनाई गई थी उसका टारगेट यही था कि 2034 में साथ में चुनाव कराने को लेकर रणनीति तैयार की जाए। अब सरकार इस प्रयास में है कि इसके लिए ज्यादा इंतजार ना किया जाए और इसे जल्द से जल्द लागू किया जाए। इसका मतलब यह है कि देश की चुनावी प्रणाली में एक बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है, जिससे राजनीतिक परिदृश्य भी प्रभावित होगा।

संयुक्त संसदीय समिति पिछले दो साल से अपने काम में लगी है और इस शीत सत्र में संसद में रिपोर्ट जमा कर सकती है। संविधान का अनुच्छेद 174 2, बी राज्यपाल को विधानसभा भंग करने का अधिकार देता है। ऐसे में अगर एक साथ चुनाव करवाने होंगे तो जनवरी में ही राज्यों की विधानसभा भंग कर दी जाएगी। जिन राज्यों में एनडीए की सरकार है वहां यह आसान होगा, क्योंकि मंत्रिपरिषद की सलाह पर ही राज्यपाल विधानसभा भंग कर सकते हैं। यह प्रक्रिया कई राज्यों में संवैधानिक और राजनीतिक चुनौतियां भी पैदा कर सकती है, खासकर उन राज्यों में जहां सरकार का कार्यकाल अभी पूरा नहीं हुआ है।

संसद का शीतकालीन सत्र आमतौर पर नवंबर के आखिरी हफ्ते में शुरू होता है और क्रिसमस से पहले संपन्न हो जाता है। यह 41 सदस्यीय समिति एक देश, एक चुनाव व्यवस्था को लागू करने के लिए संविधान (129वां संशोधन) विधेयक, 2024 पर विचार-विमर्श कर रही है। समिति 2029 तक, लोकसभा, राज्य विधानसभाओं और स्थानीय निकायों के चुनाव एक साथ कराने के प्रस्ताव पर देश भर में परामर्श कर रही है। इस योजना के सफल क्रियान्वयन के लिए कई संवैधानिक संशोधनों और व्यापक राजनीतिक सहमति की आवश्यकता होगी। बीजेपी के कुछ मुख्यमंत्रियों ने पहले ही लोकसभा चुनाव के साथ ही विधानसभा के चुनाव कराने की इच्छा जाहिर की है। गोवा, हरियाणा और उत्तराखंड के मुख्यमंत्रियों ने इसका समर्थन किया है। इसके साथ ही दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने भी 1 जुलाई को कमेटी के साथ बैठक की थी। यह पहल देश में शासन और चुनावी प्रक्रिया को और अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस : दिग्गजों ने सराहना कर वैज्ञानिकों को दी बधाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के अवसर पर देश भर के केंद्रीय मंत्रियों और कई राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने भारत के वैज्ञानिकों को बधाई दी है। यह दिवस वर्ष 2023 में चंद्रयान-3 की ऐतिहासिक सफलता की स्मृति में मनाया जाता है, जिसने पूरी दुनिया को भारत की अंतरिक्ष क्षमता का परिचय कराया था। यह उपलब्धि हमारे वैज्ञानिकों के अथक परिश्रम और अदम्य संकल्प का परिणाम है, जिसने भारत को वैश्विक अंतरिक्ष शक्ति के रूप में स्थापित किया है। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने इस अवसर पर अपने संदेश में कहा, आज हम अंतरिक्ष में भारत की असाधारण यात्रा का सम्मान करते हैं, जिसमें शुरुआती मिशनों से लेकर चंद्रयान और उससे आगे के मिशन शामिल हैं। हमारे वैज्ञानिकों, इंजीनियरों और इनोवेटर्स की प्रतिभा, लगन और साहस को सलाम। उनकी उपलब्धियां हर युवा भारतीय में जिज्ञासा जगाएं और अगली पीढ़ी को नई सीमाओं को खोजने के लिए प्रेरित करें। उन्होंने भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम की प्रगति और भविष्य की संभावनाओं पर जोर दिया। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने कहा, भारत के समस्त वैज्ञानिकों को राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं। वर्ष 2023 में आज ही के दिन देश के महान वैज्ञानिकों ने अपनी उत्कृष्ट शोध-क्षमता, असाधारण कौशल और अथक परिश्रम से चंद्रमा पर सफलतापूर्वक चंद्रयान-3 की सॉफ्ट लैंडिंग कराकर अंतरिक्ष अनुसंधान के क्षेत्र में एक नया कीर्तिमान रचा था। उन्होंने आगे लिखा, आज राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के अवसर पर हम सभी वैज्ञानिकों और उनकी टीम का अभिनंदन करते हैं, जिन्होंने स्वदेशी के सामर्थ्य से भारत को वैश्विक पटल पर एक प्रमुख अंतरिक्ष शक्ति के रूप में स्थापित किया है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस की सभी वैज्ञानिकों और प्रदेशवासियों को बधाई देते हुए लिखा, यह दिवस चंद्रमा से लेकर अंतरिक्ष की अनंत संभावनाओं तक भारत की साहसिक उड़ान, वैज्ञानिक सामर्थ्य और नवाचार की अद्भुत यात्रा का उत्सव है। प्रधानमंत्री के यशस्वी नेतृत्व में विज्ञान, अनुसंधान और अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में निरंतर नए कीर्तिमान स्थापित करता नया भारत, विकसित भारत-आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को नई गति और वैश्विक पहचान प्रदान कर रहा है।

कांग्रेस हिंदू विरोधी नैरेटिव सेट करने की कोशिश कर रही: बीजेपी

-राहुल गांधी को धर्मग्रंथों को पॉलिटिकल नजरिए से नहीं देखना चाहिए

नई दिल्ली, एजेंसी। राहुल गांधी ने पुणे में मनु-स्मृति को लेकर कहा था कि उसमें महिलाओं के अपमान को लेकर श्लोक लिखा है। उन्होंने कहा था कि मनु-स्मृति में महिलाओं को जीवन के हर चरण में पुरुष रिश्तेदारों के अधीन रहने की बात कही गई है। इस मामले पर बीजेपी ने कहा कि कांग्रेस हिंदू विरोधी नैरेटिव सेट करने की कोशिश कर रही है। बीजेपी के अमित मालवीय ने एक्स पोस्ट के जरिए कहा कि कांग्रेस की आधिकारिक पोस्ट इस बात का एक और उदाहरण है कि वह हिंदू-विरोधी नैरेटिव बनाने के लिए हिंदू धर्मग्रंथों को अपनी सुविधा के मुताबिक पेश करती है। हिंदुओं को यह बताने से पहले कि हिंदू धर्म महिलाओं के बारे में क्या कहता है, राहुल गांधी को पहले पूरी मनुस्मृति पढ़नी चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर राहुल गांधी बहस करना चाहते हैं, तो उन्हें धर्मग्रंथों को ईमानदारी से पढ़ना चाहिए, न कि उन्हें पॉलिटिकल नजरिए से देखना चाहिए। भारत की सभ्यता को अंग्रेजी के चश्मे से संविधान समझने का दावा नहीं किया जा सकता। हिंदू धर्म को राहुल गांधी से सर्टिफिकेट की जरूरत नहीं है। वहीं निशिकांत दुबे ने एक्स पर लिखा- बहन प्रियंका गांधी आपसे ज्यादा समझदार हैं, अपनी गद्दी दे दीजिए। सिद्धांत और उपदेश अपने घर से नहीं, दूसरों पर लागू होता है।

इंद्रप्रस्थ सारस्वत ब्राह्मण समिति ने मनाया तीज महोत्सव, महिलाओं और बच्चों ने बढ़ चढ़कर लिया हिस्सा

नई दिल्ली (शिखर समाचार)। इंद्रप्रस्थ सारस्वत ब्राह्मण समिति की ओर से तीज महोत्सव का आयोजन हर्षोल्लास और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ किया गया। महोत्सव में महिलाओं और बच्चों ने विशेष रूप से बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं ने पारंपरिक परिधानों में सज-धजकर तीज पर्व की खुशियां साझा कीं, वहीं बच्चों ने भी विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भागीदारी की। आयोजन स्थल पर पूरे समय उत्सव जैसा माहौल बना रहा। समिति पदाधिकारियों ने कहा कि तीज भारतीय संस्कृति और परंपराओं से जुड़ा महत्वपूर्ण पर्व है। ऐसे आयोजनों का उद्देश्य समाज के लोगों को एक-दूसरे से जोड़ने के साथ नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक विरासत और पारंपरिक त्योहारों से परिचित कराना भी है। महिलाओं की विशेष भागीदारी ने कार्यक्रम को और आकर्षक बना दिया। बच्चों ने भी उत्साह के साथ आयोजन में भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। महोत्सव में सत्य प्रकाश सारस्वत, श्रीनिवास पचौरी, जगदीश प्रसाद सारस्वत, संतोष सारस्वत, रामप्रकारी सारस्वत, संजीव सारस्वत, दिनेश शर्मा, आनंद सारस्वत, जवाहरलाल सारस्वत, डॉ. श्याम बिहारी सारस्वत, रघुवीर सारस्वत, नरेंद्र देव सारस्वत, मुकेश शर्मा और मदन लाल सारस्वत सहित समिति से जुड़े अन्य लोग मौजूद रहे। आयोजकों ने कहा कि सामाजिक और सांस्कृतिक आयोजनों के माध्यम से समाज में आपसी भाईचारा मजबूत होता है तथा बच्चों को अपनी परंपराओं से जोड़ने का अवसर मिलता है। उत्साहपूर्ण सहभागिता के साथ तीज महोत्सव संपन्न हुआ।

गंगनहर में बह रहे युवक को आपदा राहत दल ने बचाया, परिजनों ने पुलिस की सतर्कता को सराहा

हरिद्वार (शिखर समाचार)। कलियर में चल रहे सालाना उर्स मेले के दौरान जायरीनों की सुरक्षा को लेकर हरिद्वार पुलिस और आपदा राहत दल लगातार सतर्कता बरत रहे हैं। रविवार को कलियर गंगनहर घाट पर तैनात आपदा राहत दल ने तेज बहाव में बह रहे एक युवक को समय रहते सकुशल बचा लिया। पुलिस की त्वरित कार्रवाई से युवक के परिजनों और स्थानीय लोगों ने राहत की सांस ली और टीम की सराहना की।

पुलिस के अनुसार 23 अगस्त को शाहजहांपुर, उत्तर प्रदेश निवासी 24 वर्षीय साहिल पुत्र फुरकान कलियर गंगनहर घाट पर स्नान कर रहा था। इसी दौरान वह नहर के तेज बहाव की चपेट में आकर बहने लगा। पास में मौजूद कुछ युवकों ने शोर मचाकर मदद के लिए आवाज लगाई। सूचना मिलते ही घाट पर तैनात 40वीं वाहिनी पीएसी के आपदा राहत दल ने तत्काल कार्रवाई करते हुए युवक को पानी से बाहर निकाल लिया। टीम ने युवक को सकुशल उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया। उर्स मेले के दौरान गंगनहर घाट पर श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए आपदा राहत दल की विशेष तैनाती की गई है। पुलिस की ओर से घाट पर लगातार लाउडस्पीकर के माध्यम से श्रद्धालुओं को सुरक्षा संबंधी निर्देश दिए जा रहे हैं। लोगों से रेलिंग पकड़कर स्नान करने, गहरे पानी में नहीं जाने और तेज बहाव को देखते हुए नहर पार करने का प्रयास नहीं करने की अपील की जा रही है। श्रद्धालुओं को किनारे पर ही स्नान करने और सावधानी बरतने की हिदायत दी जा रही है। आपदा राहत दल की तत्परता से युवक की जान बचने पर स्थानीय लोगों और परिजनों ने पुलिस टीम की कार्यशैली की प्रशंसा की। पुलिस ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि मेले के दौरान सुरक्षा निर्देशों का पालन करें और किसी भी जोखिम भरे स्थान पर जाने से बचें।

प्रेम प्रसंग में युवक की हत्या, पुलिस मुठभेड़ में एक आरोपी घायल, दो गिरफ्तार

हरिद्वार (शिखर समाचार)। रुड़की कोतवाली क्षेत्र के ढंडेरा में प्रेम प्रसंग को लेकर युवक की हत्या के मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस मुठभेड़ के दौरान जवाबी कार्रवाई में एक आरोपी गोली लगने से घायल हो गया, जबकि दो अन्य आरोपियों को घेराबंदी और तलाशी अभियान के दौरान गिरफ्तार किया गया। आरोपियों के कब्जे से तमंचा, कारतूस और बिना नंबर की मोटरसाइकिल बरामद की गई है।

पुलिस के अनुसार ढंडेरा निवासी एक व्यक्ति ने शिकायत देकर बताया था कि अज्ञात लोगों ने उसके बेटे की हत्या कर दी है। शिकायत के आधार पर रुड़की कोतवाली में मुकदमा अपराध संख्या 378/2026, धारा 103(1) और 109(1) बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज किया गया। जांच के दौरान पुलिस टीम को सूचना मिली कि हत्या के आरोपी मोटरसाइकिल से अपने कपड़े लेने आए हैं और नगला इमरती की ओर से राजमार्ग की तरफ जा रहे हैं।

पुलिस ने ढंडेरा गौतम फार्म हाउस के पास वाहनों की जांच शुरू की। संदिग्ध मोटरसाइकिल को रोकने का प्रयास किया गया तो उस पर सवार तीन युवक भागने लगे। पीछा करने पर एक आरोपी ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। कुछ दूरी पर मोटरसाइकिल छोड़कर आरोपी गन्ने के खेत की ओर भागे और वहां से भी पुलिस पर फायर किया। जवाबी कार्रवाई में सौरभ ताजपुरिया घायल हो गया, जबकि अर्पित सैनी और दीप यादव को घेराबंदी कर गिरफ्तार कर लिया गया।

पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि मृतक अमन का सौरभ की बहन से प्रेम प्रसंग था। पुलिस के अनुसार इसी रंजिश में आरोपियों ने शराब पीकर अमन की हत्या की योजना बनाई और ढंडेरा में उस पर फायरिंग की। गोली लगने से अमन की मौत हो गई, जबकि उसके साथ स्कूटी पर बैठा प्रशांत घायल हो गया।

पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 315 बोर का एक तमंचा, दो खोखे, एक जिंदा कारतूस और बिना नंबर की स्प्लेंडर मोटरसाइकिल बरामद की है।

बार बार चुनाव से विकास प्रभावित, एक साथ चुनाव से बचेगा समय और संसाधन : शिवराज

हरिद्वार (शिखर समाचार)। प्राचीन अवधूत मंडल आश्रम में रविवार को आयोजित संत समागम में केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान और उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने एक राष्ट्र-एक चुनाव को लेकर संत समाज से संवाद किया। शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि बार-बार होने वाले चुनाव देश की विकास गति और जनसेवा को प्रभावित कर रहे हैं। चुनाव प्रक्रिया में समय, धन और प्रशासनिक संसाधनों का बड़े पैमाने पर उपयोग होता है, जबकि इस दौरान प्रशासनिक मशीनरी के चुनावी दायित्वों में व्यस्त रहने से विकास कार्यों की गति प्रभावित होती है। उन्होंने संत समाज से इस विषय पर जनजागरण करने और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विचारों को जनता तक पहुंचाने का आग्रह किया।

शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ होने से सार्वजनिक धन और प्रशासनिक संसाधनों की बचत होगी तथा शासन को विकास और जनकल्याण के लिए अधिक समय मिलेगा। उन्होंने कहा कि देश पहले है और राजनीतिक दल बाद में। एक राष्ट्र-एक चुनाव किसी एक दल का विषय नहीं, बल्कि राष्ट्रीय हित से जुड़ा महत्वपूर्ण विषय है। उन्होंने संत समाज से अपने प्रवचनों के माध्यम से लोगों को इस विषय के प्रति जागरूक करने की अपील की।

केंद्रीय मंत्री ने वंदे मातरम के पूर्ण स्वरूप का समर्थन करते हुए इसे देशभक्ति और राष्ट्रीय एकता का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि देश की एकता और अखंडता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए तथा संत समाज को राष्ट्रभावना मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभानी चाहिए।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि एक राष्ट्र-एक चुनाव राजनीतिक नहीं, बल्कि राष्ट्रहित, सुशासन, जनकल्याण और संसाधनों के बेहतर उपयोग से जुड़ा राष्ट्रीय विषय है। बार-बार चुनाव होने से आचार संहिता लागू होने के साथ अधिकारी, शिक्षक, पुलिस और सुरक्षा बल चुनावी दायित्वों में लगाए जाते हैं, जिससे प्रशासनिक कार्य प्रभावित होते हैं। उन्होंने कहा कि एक साथ चुनाव से संसाधनों की बचत होने के साथ लोकतांत्रिक प्रक्रिया अधिक सुव्यवस्थित हो सकती है।

धामी ने कहा कि विकसित भारत-2047 के संकल्प को साकार करने के लिए विकास की निरंतर गति जरूरी है। शासन का अधिकतम समय रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य, आधारभूत ढांचे और जनकल्याण से जुड़े कार्यों में लगाया जाना चाहिए। उन्होंने संत-महात्माओं से इस विषय पर समाज का मार्गदर्शन करने का आग्रह किया।

कार्यक्रम का संचालन महामंडलेश्वर हरिचेतनानंद महाराज ने किया। इस अवसर पर विभिन्न अखाड़ों के संत-महात्मा, जनप्रतिनिधि और प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे।

गाजियाबाद में रसोइयों का सम्मान, मानदेय बढ़ने पर खुशी; वितरित किए गए कैशलेस चिकित्सा कार्ड

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। पीएम पोषण योजना के अंतर्गत कार्यरत रसोइयों के सम्मान एवं कैशलेस चिकित्सा कार्ड वितरण कार्यक्रम का आयोजन रविवार को विकास भवन स्थित दुर्गावती सभागार में किया गया। लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में आयोजित मुख्य कार्यक्रम का सजीव प्रसारण भी देखा गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक संजीव शर्मा रहे। इस दौरान रसोइयों के मानदेय में वृद्धि की घोषणा से उनमें खुशी का माहौल रहा।

विधायक संजीव शर्मा ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को आगे बढ़ने और विकास करने का अधिकार है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में विभिन्न वर्गों के कर्मचारियों के मानदेय में लगातार वृद्धि की जा रही है। उन्होंने कहा कि रसोइयों का मानदेय 2,000 रुपये से बढ़ाकर 3,000 रुपये प्रतिमाह किया गया है। यह निर्णय उनके योगदान और आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए महत्वपूर्ण है।

उन्होंने कहा कि विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को पौष्टिक एवं गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराने में रसोइयों की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। रसोइये प्रतिदिन बच्चों के भोजन की व्यवस्था में योगदान देकर पीएम पोषण योजना को सफल बनाने में अहम भूमिका निभा रहे हैं। विधायक ने कहा कि स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों के समय अचानक आने वाले खर्च से कई परिवारों पर आर्थिक बोझ पड़ता है। ऐसे में कैशलेस चिकित्सा कार्ड जरूरतमंदों के लिए काफी उपयोगी साबित होंगे। कार्यक्रम के दौरान रसोइयों को कैशलेस चिकित्सा कार्ड वितरित किए गए।

जनपद की अन्य तहसीलों में भी कार्यक्रम आयोजित किए गए। भोजपुर विधानसभा क्षेत्र में विधायक मंजू शिवाच तथा लोनी में विधायक नंदकिशोर गुर्जर की उपस्थिति में रसोइयों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में मुख्य विकास अधिकारी कुमार सौरभ, बेसिक शिक्षा अधिकारी ओपी यादव, अनुज त्यागी, टिंकू कंसल, डॉ. राकेश, रुचि त्यागी, विजय बघेल, सिंपल चौधरी और नरेश कुमार सहित अधिकारी एवं गणमान्य लोग मौजूद रहे। संचालन पूनम शर्मा ने किया।

पीएम पोषण योजना के रसोइयों का सम्मान, बांटे गए कैशलेस स्वास्थ्य कार्ड

हापुड़ (शिखर समाचार)। पीएम पोषण योजना के तहत परिषदीय विद्यालयों में बच्चों के लिए भोजन तैयार करने वाले रसोइयों के सम्मान और कैशलेस स्वास्थ्य कार्ड वितरण कार्यक्रम का आयोजन रविवार को किया गया। मुख्य कार्यक्रम कलेक्ट्रेट सभागार में हुआ, जबकि जिले की तीनों तहसीलों में भी कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस दौरान रसोइयों को उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया और स्वास्थ्य सुविधाओं से जुड़े कैशलेस कार्ड वितरित किए गए।

कार्यक्रम में जिलाधिकारी कविता मीना, मुख्य विकास अधिकारी श्रुति शर्मा और बेसिक शिक्षा अधिकारी दीपा भाटी मौजूद रहीं। मुख्य अतिथि भाजपा जिलाध्यक्ष कविता मादरे और जिला पंचायत अध्यक्ष रेखा हूण रहीं। जिला महामंत्री राहुल, सांसद प्रतिनिधि अशोक बबली और विनोद गुप्ता समेत अन्य अधिकारी और जनप्रतिनिधि

भी कार्यक्रम में मौजूद रहे।

अधिकारियों ने कहा कि विद्यालयों में बच्चों को पौष्टिक और गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराने में रसोइयों की महत्वपूर्ण भूमिका है। पीएम पोषण योजना को प्रभावी ढंग से संचालित करने में उनका योगदान अहम है। सरकार रसोइयों के सम्मान, सुविधा और स्वास्थ्य को प्राथमिकता दे रही है।

इस अवसर पर लखनऊ में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा रसोइयों के मानदेय में वृद्धि की घोषणा की जानकारी भी दी गई। मुख्यमंत्री ने रसोइयों का मासिक मानदेय दो हजार रुपये से बढ़ाकर तीन हजार रुपये करने तथा ड्रेस भत्ता पांच सौ रुपये से बढ़ाकर एक हजार रुपये करने की घोषणा की है। इससे जिले के रसोइयों में भी खुशी का माहौल रहा।

बीआरसी पर रसोइयों का सम्मान, मानदेय और स्वास्थ्य सुविधाओं की दी जानकारी

बुढ़ाना/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। कस्बे के ब्लॉक संसाधन केंद्र पर रविवार को पीएम पोषण योजना के अंतर्गत विद्यालयों में कार्यरत रसोइयों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष ठाकुर रामनाथ मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। उन्होंने कार्यक्रम का शुभारंभ किया और रसोइयों के योगदान की सराहना की। खंड शिक्षा अधिकारी किरण यादव ने रसोइयों को शासन की ओर से उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि रसोइयों के मानदेय में वृद्धि, स्वास्थ्य बीमा का लाभ और पोशाक के लिए दी जाने वाली धनराशि बढ़ाने जैसे प्रावधानों पर सरकार की ओर से कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने रसोइयों से योजना के तहत बच्चों को गुणवत्तापूर्ण और पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने में पूरी जिम्मेदारी के साथ कार्य करने का आह्वान किया। भाजपा नेता ठाकुर रामनाथ ने कहा कि विद्यालयों में बच्चों को पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने में रसोइया बहनों की महत्वपूर्ण भूमिका है। उनके प्रयासों से बच्चों के स्वास्थ्य और पोषण को मजबूती मिलती है। उन्होंने कहा कि सरकार रसोइयों के परिश्रम को ध्यान में रखते हुए उनके मानदेय, स्वास्थ्य बीमा और अन्य सुविधाओं को बेहतर बनाने की दिशा में कार्य कर रही है। उन्होंने इसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सबका साथ, सबका विकास के मूल मंत्र से जोड़ते हुए कहा कि सरकार समाज के सभी वर्गों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। कार्यक्रम का संचालन शिक्षामित्र विपिन कुमार ने किया। इस दौरान राजपुर छाजपुर उच्च प्राथमिक विद्यालय के प्रधानाध्यापक ब्रजपाल राठी, आमिर अहमद, विनोद सैनी, अक्षय कुमार, कपिल कुमार सहित शिक्षक और अन्य लोग मौजूद रहे।

सिहानी गेट में पुलिस मुठभेड़: दो टप्पेबाज पैर में गोली लगने से घायल, दो फरार

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। सिहानी गेट थाना क्षेत्र में स्वाट, सर्विलांस टीम नगर जोन और थाना सिहानी गेट पुलिस की संदिग्ध ऑटो सवार बदमाशों से मुठभेड़ हो गई। पुलिस ने उन्हें चेकिंग के दौरान रुकने का इशारा किया था लेकिन बदमाश ऑटो लेकर भागने लगे। कुछ दूर जाकर ऑटो छोड़कर भागते समय उन्होंने पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग कर दिया। जवाबी कार्रवाई में दो बदमाशों के पैर में गोली लग गई, जबकि दो आरोपी अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गए। पुलिस को सूचना मिली थी कि कुछ व्यक्ति तीन पहिया ऑटो में सवार होकर किसी वारदात को अंजाम देने के लिए निकले है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए स्वाट एवं सर्विलांस टीम नगर जोन तथा थाना सिहानी गेट पुलिस ने संदिग्ध वाहनों की चेकिंग शुरू कर दी। इसी दौरान एक संदिग्ध ऑटो आता दिखाई दिया। पुलिस टीम ने उसे रुकने का इशारा किया, लेकिन ऑटो सवारों ने वाहन रोकने के बजाय उसे वापस मोड़कर भागने का प्रयास किया।

पुलिस टीम ने पीछा किया तो आरोपी ऑटो छोड़कर पैदल भागने लगे। इसी दौरान उन्होंने पुलिसकर्मियों पर फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस ने आत्मरक्षार्थ जवाबी फायरिंग की, जिसमें दो आरोपियों के पैर में गोली लगी। घायल आरोपियों

की पहचान शाकिर और पवन के रूप में हुई। दोनों को तत्काल उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। वहीं दो अन्य आरोपी अंधेरे का फायदा उठाकर भागने में सफल रहे। फरार आरोपियों की तलाश में पुलिस टीमों द्वारा संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है। पूछताछ में घायल आरोपियों ने पूर्व में कई टप्पेबाजी की घटनाओं को अंजाम देने की बात स्वीकार किया। दोनों आरोपियों के खिलाफ पहले से भी आपराधिक इतिहास दर्ज है। अब उनके पुराने आपराधिक रिकॉर्ड और पूर्व में की गई वारदातों के संबंध में विस्तृत जानकारी जुटाई जा रही है। मुठभेड़ के बाद पुलिस ने मौके से दो अवैध तमंचे, जिंदा कारतूस और खोखा कारतूस बरामद किए है। इसके अलावा दो कान के टॉप्स तथा वारदात में इस्तेमाल किया जा रहा ऑटो भी पुलिस के कब्जे में लिए है। पुलिस बरामद सामान और आरोपियों के बयानों के आधार पर यह पता लगाने में जुटी है कि बरामद जेवरात किस घटना से संबंधित हैं।

सहायक पुलिस आयुक्त नन्दग्राम जियाउद्दीन अहमद ने बताया कि पुलिस टीम को संदिग्ध ऑटो सवार बदमाशों के संबंध में सूचना मिली थी। चेकिंग के दौरान बदमाशों ने पुलिस पर फायरिंग की, जिसके बाद आत्मरक्षार्थ की गई जवाबी कार्रवाई में दो आरोपी घायल हुए हैं। दोनों को उपचार के लिए अस्पताल भेज दिया गया है। फरार आरोपियों की तलाश जारी है और मामले में आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस अब घायल आरोपियों से पूछताछ के आधार पर टप्पेबाजी की अन्य घटनाओं का खुलासा करने और फरार दोनों साथियों तक पहुंचने के प्रयास में जुटी है। इनके आपराधिक नेटवर्क और पूर्व की वारदातों की भी जांच की जा रही है।

परिषदीय स्कूलों में बाहरी लोगों और यू-ट्यूबरों की एंट्री पर रोक

हापुड़ (शिखर समाचार)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश के बाद जिले के परिषदीय स्कूलों में बाहरी लोगों और यू-ट्यूबरों के अनधिकृत प्रवेश पर रोक लगा दी गई है। बेसिक शिक्षा अधिकारी दीपा भाटी ने सभी विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों को निर्देश जारी कर कहा है कि बिना अनुमति किसी भी बाहरी व्यक्ति को स्कूल परिसर में प्रवेश न दिया जाए। विद्यार्थियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए विद्यालय संचालन के दौरान मुख्य द्वार बंद रखने के निर्देश भी दिए गए हैं। बेसिक शिक्षा अधिकारी ने बताया कि कुछ बाहरी व्यक्ति और यू-ट्यूबर विद्यालयों में पहुंचकर शिक्षकों और विद्यार्थियों के फोटो तथा वीडियो बनाकर उन्हें सामाजिक माध्यमों पर प्रसारित कर रहे हैं। इससे विद्यालयों में पठन-पाठन प्रभावित होने के साथ शिक्षकों की गरिमा और विभाग की छवि पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि विद्यालयों के निरीक्षण के लिए ब्लॉक और जिला स्तर पर पहले से ही अधिकारियों की जिम्मेदारी निर्धारित है। इसलिए किसी बाहरी व्यक्ति को स्वयं निरीक्षण या वीडियो बनाने की अनुमति नहीं दी

जाएगी। आदेश में विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों को प्रवेश व्यवस्था पर विशेष निगरानी रखने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही विद्यार्थियों की सुरक्षा और शैक्षणिक वातावरण बनाए रखने के लिए अनधिकृत गतिविधियों को रोकने को कहा गया है। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्कूल-कॉलेजों के संबंध में गलत या भ्रामक वीडियो बनाकर माहौल बिगाड़ने वालों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने जिलाधिकारियों को भ्रामक वीडियो की जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने तथा विद्यालयों की वास्तविक स्थिति, मध्यान्ह भोजन, शौचालय और कक्षाओं की स्थलीय जांच कराने के निर्देश भी दिए हैं।

शामली के 1570 रसोइयों का बढ़ा मानदेय, कैशलेस चिकित्सा कार्ड का भी मिलेगा लाभ

शामली (शिखर समाचार)। पीएम पोषण योजना के अंतर्गत कार्यरत जिले के 1570 रसोइयों को प्रदेश सरकार ने बड़ी सौगात दी है। अब रसोइयों को तीन हजार रुपये प्रतिमाह मानदेय मिलेगा। इसके साथ ही उन्हें कैशलेस चिकित्सा कार्ड की सुविधा भी प्रदान की जाएगी। रविवार को सहारनपुर रोड स्थित राधा वाटिका में बेसिक शिक्षा विभाग की ओर से रसोइयों के सम्मान एवं कैशलेस चिकित्सा कार्ड वितरण समारोह का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ विधान परिषद सदस्य वीरेन्द्र सिंह, विधान परिषद सदस्य मोहित बेनीवाल, शामली विधायक प्रसन्न चौधरी, जिलाधिकारी आलोक यादव और मुख्य विकास अधिकारी ब्रजेन्द्र शुक्ल ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। इसके बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के राज्य स्तरीय कार्यक्रम का सजीव प्रसारण

दिखाया गया। उपस्थित जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और रसोइयों ने कार्यक्रम को देखा और सुना।

समारोह में जनप्रतिनिधियों ने रसोइयों को बढ़े हुए मानदेय के प्रतीकात्मक चेक और कैशलेस चिकित्सा कार्ड वितरित कर सम्मानित किया। मोहित बेनीवाल ने कहा कि सरकार की ओर से रसोइयों को दिए जा रहे लाभ उनके सम्मान और सशक्तीकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। उन्होंने रसोइयों से विद्यालयों में बच्चों को गुणवत्तापूर्ण और पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी पूरी निष्ठा से निभाने का आह्वान किया। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी संतोष कुमार ने बताया कि जिले के सभी 1570 रसोइयों को बढ़े हुए मानदेय और कैशलेस चिकित्सा कार्ड का लाभ मिलेगा। जिला मुख्यालय के साथ सभी तहसीलों में भी सम्मान समारोह आयोजित किए गए। कार्यक्रम का आयोजन जिला समन्वयक पीएम पोषण जितेंद्र कुमार और एसआरजी प्रवीण शर्मा ने किया। मंच संचालन अनुराग शर्मा ने किया।

शामली में अवैध शस्त्र तस्करी गिरोह का भंडाफोड़, 14 तमंचों के साथ तीन गिरफ्तार

शामली (शिखर समाचार)। एसओजी टीम और आदर्श मंडी थाना पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए अवैध शस्त्र तस्करी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ कर तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से 14 अवैध तमंचे बरामद किए हैं। इनमें 315 बोर के 10 और .32 बोर के चार तमंचे शामिल हैं। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस के अनुसार रविवार को विशेष अभियान के तहत गोहरनी पुल के नीचे रेलवे लाइन के पास संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की जांच की जा रही थी। इसी दौरान तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। पकड़े गए आरोपियों की पहचान जहानपुरा निवासी आरिस उर्फ बच्ची और साहिब तथा मंडावर निवासी बाबर उर्फ बवाना के रूप में हुई है।

पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने कथित रूप से बताया कि गिरोह का सरगना शोएब निवासी तितरवाड़ा है। आरोपियों के अनुसार शोएब कम कीमत पर अवैध हथियार उपलब्ध कराता था, जिन्हें गिरोह के सदस्य अलग-अलग स्थानों पर अधिक कीमत में बेचकर आर्थिक लाभ कमाते थे। पुलिस के मुताबिक शोएब पूर्व में अवैध तमंचा बनाने की फैक्टरी के मामले में जेल जा चुका है। पुलिस ने गिरोह के अन्य सदस्यों की गिरफ्तारी के लिए भी प्रयास तेज कर दिए हैं। कार्रवाई थानाध्यक्ष आदर्श मंडी ज्ञानेन्द्र सिंह, विशेष अभियान दल प्रभारी राहुल सिसौदिया और उनकी टीम ने की। पुलिस अधिकारियों के अनुसार अवैध हथियारों की तस्करी के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा।

रावली बैराज तटबंध सुरक्षित, सुरक्षात्मक कार्य अंतिम चरण में

बिजनौर (शिखर समाचार)। रावली बैराज तटबंध पर चल रहे सुरक्षात्मक कार्य अंतिम चरण में पहुंच गए हैं। सिंचाई विभाग के अधिकारियों के अनुसार गंगा नदी में पानी के प्रवाह में अब काफी कमी आई है और तटबंध को फिलहाल किसी प्रकार का खतरा नहीं है। इसके बावजूद एहतियात के तौर पर तटबंध को और अधिक मजबूत बनाने के लिए आवश्यक कार्य तेजी से कराए जा रहे हैं। मध्य गंगा खंड-5 के अधिकारियों ने बताया कि तटबंध की बुनियाद आधुनिक एसीबीएम तकनीक से तैयार की

गई है, जिसमें आर्टिकुलिंग कंक्रीट ब्लॉक मैट्रेस का उपयोग किया गया है। यह तकनीक तेज जल प्रवाह के दौरान होने वाले कटाव से तटबंध की सुरक्षा में प्रभावी मानी जाती है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि गंगा में पानी का प्रवाह दोबारा तेज होने की स्थिति में भी तटबंध को नुकसान की आशंका नहीं है। अधिकारियों ने सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों पर तटबंध को नुकसान पहुंचने संबंधी चल रही अफवाहों का खंडन किया है। उन्होंने बताया कि तटबंध के सामने नदी की धारा के दूसरी ओर कुछ स्थानों पर गाद जमा होने से पानी का बहाव तटबंध की ओर बढ़ा है। इसी जल प्रवाह को नियंत्रित करने के लिए सुरक्षात्मक कार्य कराए जा रहे हैं। विभागीय अधिकारियों के अनुसार तटबंध का निर्माण बेहद मजबूती के साथ किया गया है। मौजूदा कार्यों की उच्च अधिकारियों द्वारा जांच भी की जा चुकी है, जिसमें स्थिति सामान्य और नियंत्रण में पाई गई। विभाग ने लोगों से अपुष्ट सूचनाओं पर विश्वास न करने और अफवाहों से बचने की अपील की है।

जमाखोरी पर प्रशासन की नजर, चीनी और फल सब्जी कारोबारियों के प्रतिष्ठानों की जांच

नगीना/बिजनौर (शिखर समाचार)। बाजार में जमाखोरी रोकने और आवश्यक वस्तुओं की कीमतों पर नियंत्रण बनाए रखने के लिए प्रशासन ने अभियान तेज कर दिया है। उप जिलाधिकारी प्रिंस कुमार ने राजस्व, पूर्ति और खाद्य विभाग की संयुक्त टीम के साथ नगर के चार प्रमुख चीनी थोक विक्रेताओं के प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण किया। कार्रवाई से थोक व्यापारियों में हड़कंप मचा रहा। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने गोदामों में रखी चीनी के स्टॉक की जांच कर उसका मिलान स्टॉक रजिस्टर से किया। इसके साथ ही चीनी की खरीद से संबंधित बिल,

बिक्री दर और उपलब्ध अभिलेखों की भी जांच की गई। टीम ने मौके पर मौजूद ग्राहकों से बातचीत कर बिक्री दरों का सत्यापन किया। उप जिलाधिकारी ने बताया कि चारों प्रतिष्ठानों पर स्टॉक और अभिलेखों का मिलान किया गया, जिसमें फिलहाल कोई अनियमितता नहीं मिली। उन्होंने व्यापारियों को सरकार द्वारा निर्धारित स्टॉक सीमा का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए। साथ ही कृत्रिम कमी पैदा कर बाजार में कीमतें बढ़ाने की कोशिश नहीं करने की चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि उपभोक्ताओं को आवश्यक वस्तुएं निर्धारित और उचित दरों पर उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता है। चीनी कारोबारियों के प्रतिष्ठानों की जांच के बाद उप जिलाधिकारी के नेतृत्व में टीम नवीन मंडी समिति पहुंची। यहां फल एवं सब्जियों के थोक विक्रेताओं के प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया। अधिकारियों ने आढ़तियों और व्यापारियों से बाजार की आवक, उपलब्ध स्टॉक और वर्तमान कीमतों की जानकारी ली। उप जिलाधिकारी ने कहा कि त्योहारों के साथ सामान्य दिनों में भी उपभोक्ताओं को उचित दाम पर सामान मिलना चाहिए। जमाखोरी, कालाबाजारी या मनमानी कीमत वसूली की शिकायत मिलने पर संबंधित के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

बुढ़ाना में सपा सांसद राजीव राय का कार्यकर्ताओं ने किया जोरदार स्वागत

बुढ़ाना/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। घोसी लोकसभा क्षेत्र से समाजवादी पार्टी के सांसद राजीव राय रविवार को नगर पंचायत अध्यक्ष के पति सुबोध त्यागी के आवास पर पहुंचे, जहां सपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने उनका जोरदार स्वागत किया। स्वागत समारोह के दौरान अखिल भारतीय स्वर्णकार संघ के प्रदेश सचिव रवि वर्मा ने अपने हाथों से बनाई गई तस्वीर भेंट कर सांसद को सम्मानित किया। सपा नेता सुबोध त्यागी, अभिनव त्यागी सहित अन्य कार्यकर्ताओं ने फूलमाला पहनाकर उनका स्वागत किया। इस अवसर पर रवि वर्मा ने कहा कि उत्तर प्रदेश में होने वाले आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर जनता बदलाव का मन बना चुकी है। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान सरकार की नीतियों से समाज का हर वर्ग परेशान है और लोग अब मजबूत एवं विकास को प्राथमिकता देने वाले विकल्प की तलाश में हैं। सांसद राजीव राय ने कार्यकर्ताओं से संगठन को मजबूत करने और आम लोगों से लगातार संवाद बनाए रखने पर चर्चा की। उन्होंने स्थानीय कार्यकर्ताओं से क्षेत्र की समस्याओं और राजनीतिक गतिविधियों की जानकारी भी ली। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने क्षेत्र से जुड़े विभिन्न मुद्दों को सांसद के समक्ष रखा। स्वागत कार्यक्रम में स्थानीय सपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता, गणमान्य लोग और समर्थक मौजूद रहे। कार्यकर्ताओं ने सांसद के साथ आगामी राजनीतिक गतिविधियों को लेकर भी विचार-विमर्श किया।

अवैध पैथोलॉजी लैबों पर स्वास्थ्य विभाग का शिकंजा, निशांत लैब को दो दिन में दस्तावेज देने के निर्देश

हापुड़ (शिखर समाचार)। जिले में मानकों के विपरीत संचालित पैथोलॉजी लैबों के खिलाफ स्वास्थ्य विभाग ने अभियान तेज कर दिया है। इसी क्रम में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने पक्का बाग स्थित निशांत पैथोलॉजी लैब पर अचानक छापेमारी की। जांच के दौरान लैब संचालक आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका। विभाग ने कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए दो दिन के भीतर सभी जरूरी कागजात प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। दस्तावेज नहीं मिलने पर लैब को सील करने की चेतावनी दी गई है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. किशोर कुमार आहूजा ने बताया कि जांच टीम ने लैब में पहुंचकर पंजीकरण, लाइसेंस, पैथोलॉजिस्ट की शैक्षणिक योग्यता और निर्धारित मानकों से संबंधित दस्तावेज मांगे। संचालक मौके पर कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका। इसके बाद विभाग की ओर से कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि लैब संचालक को दो दिन का समय दिया गया है। निर्धारित अवधि में दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए गए अथवा जवाब संतोषजनक नहीं मिला तो लैब को सील करने की कार्रवाई की जाएगी। इसके साथ ही नियमानुसार प्राथमिकी दर्ज कराने की कार्रवाई भी की जा सकती है। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के अनुसार जिले में ऐसी अन्य प्रयोगशालाओं की भी जांच की जा रही है, ताकि बिना आवश्यक पंजीकरण और योग्य विशेषज्ञों के संचालित केंद्रों पर कार्रवाई की जा सके। विभाग का कहना है कि मरीजों की जांच और स्वास्थ्य से जुड़े मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही या नियमों की अनदेखी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

उस्ताद कमाल साबरी ने सारंगी से मोहा मन

लखनऊ , एजेंसी। सीएमएस अलीगंज प्रथम कैंपस की ओर से आयोजित चार दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सांस्कृतिक ओलंपियाड सेलेस्टा इंटरनेशनल-2026 का उद्घाटन शनिवार को सीएमएस कानपुर रोड ऑडिटोरियम में हुआ। मुख्य अतिथि उस्ताद कमाल साबरी ने दीप प्रज्वलित कर समारोह का शुभारंभ किया। सारंगी और शास्त्रीय संगीत के वैश्विक राजदूत साबरी ने सारंगी की धुनें प्रस्तुत कीं। उन्होंने वंदे मातरम और अवध के गीतों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। साबरी ने सीएमएस के इस आयोजन की सराहना की। थाईलैंड, श्रीलंका, बांग्लादेश और भारत के करीब 500 छात्र व टीम लीडर इसमें भाग ले रहे हैं। नामीबिया, केन्या और म्यांमार से संगीत विशेषज्ञ भी उपस्थित हैं। यह ओलंपियाड 22 से 25 अगस्त तक चलेगा।

फर्जी आयात ऑर्डर से एक लाख करोड़ रुपये विदेश भेजे, आईटी जांच में देशव्यापी नेटवर्क का खुलासा

आगरा , एजेंसी। आयकर विभाग की जांच में फर्जी आयात ऑर्डर के जरिये 1.02 लाख करोड़ रुपये विदेश भेजने का खुलासा हुआ है। आगरा समेत कई शहरों में पांच दिनों तक 36 चार्टर्ड अकाउंटेंट और सीमावर्ती जिलों व राज्यों में स्थित 117 इकाइयों समेत 394 संदिग्ध संस्थाओं की जांच शनिवार को पूरी हो गई। इसमें शेल कंपनियों के जरिये रकम भेजने की जानकारी सामने आई। साथ ही कारोबारियों, ट्रस्ट और शेल कंपनियों का नेटवर्क सामने आया ।जिन फर्मों के खातों से रकम भेजी गई, उनमें से अधिकांश ने आयकर रिटर्न दाखिल ही नहीं किया था। बेहद कम टर्नओवर भी दिखाया था। फर्जी पतों पर चल रही इन कंपनियों ने सॉफ्टवेयर आयात, लॉजिस्टिक्स, कंसल्टिंग व फ्रेट पेमेंट जैसे कारण बताकर पैसा बाहर भेजा। आगरा के ताजगंज निवासी सीए की ओर से जारी प्रमाणपत्रों और विदेशी लेन-देन से जुड़े दस्तावेज की विस्तृत जांच की जा रही है। नोएडा, जयपुर, उदयपुर व मुंबई में कई संस्थाओं की पहचान की गई, जिन्होंने हांगकांग व सिंगापुर की शेल कंपनियों में करोड़ों की रकम भेजी। विभाग की शुरुआती जांच में फर्जी धर्मार्थ ट्रस्टों के एक बड़े नेटवर्क का पर्दाफाश हुआ था।

झूलेलाल मंदिरों में विशेष पूजन, अर्पित किया 56 भोग

लखनऊ , एजेंसी। लखनऊ। सिंधी समाज के इष्टदेव भगवान झूलेलाल के चालीहा महोत्सव की रौनक शहर में बढ़ने लगी है। इसी क्रम में इंदिरानगर स्थित झूलेलाल भवन में मटकी उत्सव श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। महिलाओं ने पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ आयोजन में हिस्सा लिया। सिमरन बजाज, कोमल लखमानी, नीलम खत्री, बरखा मंध्यान, सोनी मेघानी और वाणी कालानी समेत कई महिलाओं ने सक्रिय भागीदारी की। शनिवार को राजाजीपुरम स्थित झूलेलाल मंदिर में भगवान झूलेलाल का विशेष पूजन कर 56 भोग का प्रसाद अर्पित किया गया। निशा वलेछा, भावना सुमाणी, मेघना जेसवानी, हर्षी वाधवानी, सुनीता रमानी, चित्रा वलेचा, हर्षा जेसवानी और रत्ना जेसवानी ने आयोजन में सहयोग किया। अंश, प्रकाश गोदवानी, संजय गुरनानी, दीपक गवानी, गुलाब आहूजा, शिव लालवानी, बल्लू खुराना और दिलीप बलेचा भी मौजूद रहे। सक्खर सिंध पंचायत अध्यक्ष संजय जेसवानी ने बताया कि 25 अगस्त को बाहिराणा साहिब बनाकर ज्योत प्रज्वलित की जाएगी और झूलेलाल वाटिका में विसर्जन होगा। इसी दिन उत्तर प्रदेश सिंधी अकादमी के कार्यक्रम में मुंबई से संजू भगत एंड पार्टी भजनों की प्रस्तुति देगी।

24 घंटे तक भूखे रहे जिला अस्पताल में भर्ती मरीज

अलीगढ़ , एजेंसी। दाल और सब्जी के नमूने फेल होने के बाद मलखान सिंह जिला अस्पताल की रसोई शुक्रवार शाम को बंद करा दी गई थी। जिससे यहां भर्ती मरीजों को रात खाना नहीं मिला, उन्हें भूखे ही रहना पड़ा। शनिवार की सुबह नाश्ता भी नहीं मिला। दोपहर बाद बमुश्किल खाने का इंतजाम हो सका। मरीज और उनके तीमारदार 24 घंटे तक भूखे रहे। मरीजों और उनके तीमारदारों का आरोप है कि रात में खाना नहीं मिलने की कोई जानकारी नहीं दी गई, अन्यथा वे अपनी व्यवस्था तो कर लेते। शनिवार दोपहर दो बजे के बाद खाना दिया गया। गौर हो कि खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने बीती पांच फरवरी को मलखान सिंह जिला अस्पताल में मरीजों को दिए जाने वाली अरहर की दाल और आलू पालक की सब्जी का नमूना जांच के लिए भेजा था। जांच में यह नमूने दो बार फेल हो गए। इस पर कार्रवाई करते हुए खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने शुक्रवार शाम जिला अस्पताल की रसोई बंद करा दी। जिला अस्पताल में वर्तमान में लगभग 115 मरीज भर्ती हैं। जिनको सुबह शाम नाश्ता और दो बार खाना देने की व्यवस्था है। एक भर्ती मरीज के साथ एक तीमारदार को भी खाना दिया जाता है। नाश्ते में दालिया और ब्रेड दी जाती है। खाने में दाल, सब्जी, चार रोटी और चावल दिया जाता है। शनिवार दोपहर मरीजों के लिए मोहनलाल गौतम महिला चिकित्सालय में खाना देने वाली फर्म पूजा ट्रेडर्स से खाना मंगवाया गया, जिसमें मसूर की दाल, आलू मटर की सब्जी, रोटी थी, चावल नहीं था।

शहर में कुत्तों की संख्या कम होने के बजाय लगातार बढ़ रही

डेढ़ करोड़ खर्च फिर भी कुत्तों-बंदरों का आतंक

बरेली , एजेंसी। पांच साल में कुत्तों के बधियाकरण और टीकाकरण पर नगर निगम ने डेढ़ करोड़ रुपये खर्च कर दिए, पर शहरवासियों को इनके आतंक से निजात नहीं मिल सकी। शहर में कुत्तों की संख्या कम होने के बजाय लगातार बढ़ रही है। इसकी मुख्य वजह एनिमल बर्थ कंट्रोल (एबीसी) सेंटर का संचालन नहीं होना है। निगम के पास नंदोसी गांव स्थित कान्हा उपवन शेल्टर होम ही एकमात्र विकल्प है। वहां एक दिन में पांच-छह कुत्तों का ही बधियाकरण-टीकाकरण हो पाता है।

कुत्तों की संख्या को नियंत्रित करने और रेबीज की रोकथाम के लिए केंद्र सरकार की ओर से वर्ष 2023 में बनाए गए एनिमल बर्थ कंट्रोल रूल्स बनाए गए थे। इसके तहत निकायों को कुत्तों के बधियाकरण और टीकाकरण कर उन्हें वापस उसी स्थान पर छोड़ना अनिवार्य किया गया है। आम जनता को जागरूक करने के लिए लगातार बैठकें करने का भी प्रावधान है, लेकिन नगर निगम की ओर से इस दिशा में कोई प्रयास नहीं किए जा रहे हैं।

कुत्तों के अलावा शहर में बंदरों ने भी आतंक मचा रखा है। सिविल लाइंस, राजेंद्रनगर, आवास विकास कॉलोनी, प्रेमनगर, डीडीपुरम, शास्त्रीनगर, सुभाषनगर और सीबीगंज समेत अन्य इलाकों में लोगों ने अपने घरों के अगले हिस्से को लोहे के जाल से कवर करवा लिया है, ताकि बंदर घरों में न घुस सकें।

सीबीगंज में वन क्षेत्र अधिक होने के कारण वहां बंदरों का आतंक चरम पर है। बंदरों के काटने की कई घटनाएं सामने आ चुकी हैं, लेकिन जिम्मेदार अनजान बने बैठे हैं। परेशान नागरिकों ने घरों के बाहर लंगूर के कट-आउट (तस्वीर) तक लगवा लिए, लेकिन बंदरों के आतंक में कोई कमी नहीं आई।

नाम मात्र का बधियाकरण : शहर में करीब 56 हजार कुत्ते हैं। इसके सापेक्ष बधियाकरण की गति काफी सुस्त है। नगर निगम से प्राप्त आंकड़ों के मुताबिक, वर्ष 2023-24 में 1757 मेल व 946 फीमेल डॉग का बधियाकरण किया गया। वर्ष 2024-25 में क्रमवार 1226-782, 2025-26 में 1885-1049 व वर्ष 2026-27 में 15 अगस्त तक 1192-510 कुत्तों का बधियाकरण किया गया। मेल के बजाय फीमेल डॉग का बधियाकरण ज्यादा प्रभावी हो सकता है, लेकिन निगम इस मामले में लगातार पिछड़ रहा है। वैसे भी 56 हजार कुत्तों में से हजार-दो हजार कुत्तों के बधियाकरण से उनकी तादाद पर नियंत्रण मुमकिन नहीं। बधियाकरण की यह सुस्ती कायम रही तो आने वाले दिनों में शहर में कुत्तों का आंकड़ा एक लाख के पार पहुंच सकता है।

एक-दूसरे पर डालते रहे जिम्मेदारी : पहले बंदरों को पकड़ने की जिम्मेदारी वन विभाग के पास थी, लेकिन नए शासनादेश के तहत अब यह जिम्मेदारी नगर निगम को दे दी गई है। अब निगम नए सिरे से टेंडर प्रक्रिया अपनाते हुए बंदरों को पकड़ने के लिए एजेंसी का चयन करेगा। अब तक बंदरों को पकड़ने के मामले में दोनों विभाग एक-दूसरे पर ठीकरा फोड़ते रहे हैं।

टेंडर प्रकिया अंतिम चरण में है, एक सितंबर से कुत्तों व बंदरों को पकड़ने का अभियान शुरू हो जाएगा। इसके बाद लोगों को राहत मिलेगी।

– **डॉ. हरपाल सिंह,** पशु कल्याण अधिकारी

खाली यूजी सीटों पर बीबीएयू में दाखिले का आखिरी मौका

लखनऊ , एजेंसी। स्नातक में दाखिले से वंचित रह गए अभ्यर्थियों के लिए बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय (बीबीएयू) ने एक और मौका दिया है। सत्र 2026-27 की खाली यूजी सीटों पर विश्वविद्यालय 27 अगस्त से स्पॉट काउंसिलिंग शुरू करेगा। प्रवेश प्रक्रिया दो चरणों में होगी। पहले चरण में केवल सीयूईटी अभ्यर्थियों को मौका मिलेगा, जबकि एक सितंबर से शुरू होने वाले दूसरे चरण में सीयूईटी के साथ नॉन-सीयूईटी अभ्यर्थी भी दाखिले के लिए आवेदन कर सकेंगे। नए सत्र की कक्षाएं 10 सितंबर से शुरू होंगी। 27 अगस्त को सुबह 10 से शाम छह बजे तक संबंधित विभागों में अभ्यर्थियों की व्यक्तिगत उपस्थिति, रिपोर्टिंग और दस्तावेज सत्यापन होगा। 28 अगस्त को मेरिट सूची जारी करने के साथ फीस चालान जनरेट किया जाएगा। 30 अगस्त तक फीस जमा कर अंतिम प्रवेश लेना होगा। इसके बाद 31 अगस्त को बची हुई सीटों का ब्योरा विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर जारी किया जाएगा। एक से सात सितंबर तक सीयूईटी और नॉन-सीयूईटी दोनों श्रेणियों के अभ्यर्थियों के लिए ऑनलाइन पंजीकरण होगा। आठ सितंबर को दस्तावेज सत्यापन, नौ सितंबर को मेरिट सूची का प्रकाशन और 10 सितंबर को फीस जमा करने की अंतिम तिथि होगी। इसी दिन से कक्षाएं भी शुरू होंगी।

अमेठी सैटेलाइट सेंटर के स्नातक पाठ्यक्रमों की रिक्त सीटों की काउंसलिंग लखनऊ परिसर स्थित ओएसडी अमेठी सेंटर कार्यालय में होगी। पहले से प्रवेश ले चुके छात्रों को आने की जरूरत नहीं है। हालांकि, फीस जमा न कर समय विस्तार का आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों को भौतिक रूप से उपस्थित होना होगा। अभ्यर्थियों को 10वीं-12वीं की मार्कशीट व प्रमाणपत्र, माइग्रेशन, चरित्र प्रमाणपत्र, जाति, आय, ईडब्ल्यूएस प्रमाणपत्र और फोटो पहचान पत्र की स्व-प्रमाणित फोटोकॉपी का एक सेट लाना होगा। विश्वविद्यालय ने स्पष्ट किया है कि केवल काउंसलिंग में शामिल होने से प्रवेश सुनिश्चित नहीं होगा। दाखिला मेरिट और उपलब्ध सीटों के आधार पर ही मिलेगा।

लैंडिंग के दौरान इंडिगो विमान का पिछला हिस्सा रनवे से टकराया, सभी यात्री सुरक्षित

गोरखपुर, एजेंसी। एयरपोर्ट पर 19 अगस्त को लैंडिंग के दौरान इंडिगो की दिल्ली-गोरखपुर उड़ान 6ई-2381 के विमान का पिछला हिस्सा जमीन से टकरा गया। घटना के बाद विमान को तत्काल गो-अराउंड कराया गया। यानी पायलट ने लैंडिंग रोककर विमान को दोबारा हवा में चक्कर लगाने के लिए भेजा। इसके बाद विमान ने सुरक्षित रूप से एयरपोर्ट पर लैंडिंग की। घटना के बाद से विमान को अस्थायी तौर पर सेवा से हट दिया गया है।

हादसे के समय विमान में सवार सभी 178 यात्री और क्रू सदस्य सुरक्षित रहे। लैंडिंग के बाद विमान की तकनीकी जांच की गई, जिसमें एपीयू इनलेट के पास खरोंच के निशान पाए गए। घटना की जानकारी डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन (डीजीसीए) को दी गई। इसके बाद डीजीसीए की जांच टीम ने गोरखपुर एयरपोर्ट पहुंचकर विमान का निरीक्षण किया। सुरक्षा के मद्देनजर विमान की मरम्मत कराई जा रही है। सभी तकनीकी जांच और मरम्मत पूरी होने के बाद ही विमान को दोबारा उड़ान की अनुमति मिलेगी। इस घटना का असर दूसरी उड़ान पर भी पड़ा। गोरखपुर से दिल्ली जाने वाली इंडिगो की 6ई-5013 उड़ान करीब पांच घंटे की देरी से रवाना हुई।

निदेशक विमानपत्तन संजय कुमार ने बताया कि विलंब के दौरान यात्रियों को स्नैक्स एवं भोजन उपलब्ध कराया गया। साथ ही उनकी सुविधा के अनुसार वैकल्पिक यात्रा विकल्प एवं नियमानुसार पूर्ण रिफंड की सुविधा भी प्रदान की गई थी।

20 मिनट बाद दोबारा लैंडिंग : एयरपोर्ट सूत्रों के अनुसार, गो-अराउंड के बाद विमान करीब 15 से 20 मिनट तक हवा में उड़ता रहा। एयर ट्रैफिक कंट्रोल से दोबारा क्लीयरेंस मिलने के बाद विमान की सुरक्षित लैंडिंग कराई गई। गो-अराउंड की वजह से कुछ यात्री घबरा गए थे। हालांकि, क्रू सदस्यों ने उनसे शांत रहने की अपील की।

ये होता है गो-अराउंड : गो-अराउंड वह प्रक्रिया है जिसमें विमान लैंडिंग के लिए नीचे आने के बाद पायलट लैंडिंग रोककर विमान को दोबारा ऊपर ले जाता है। ऐसा तब किया जाता है जब रनवे पर कोई बाधा हो, मौसम खराब हो, दृश्यता कम हो, विमान सही ऊंचाई या दिशा में न हो या लैंडिंग सुरक्षित न लगे। कभी-कभी एयर ट्रैफिक कंट्रोल भी गो-अराउंड का निर्देश देता है। यह विमान में खराबी का संकेत जरूरी नहीं है बल्कि यात्रियों और विमान की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अपनाई जाने वाली सामान्य प्रक्रिया है।

इटावा में वायरल से दो मासूमों की मौत और आठ बीमार, पीएचसी में नहीं डॉक्टर, झोलाछाप निशाने पर

इटावा, एजेंसी। गढ़ाकासदा गांव में वायरल से दो मासूमों की मौत हो गई। आठ बच्चे बीमार हैं। एक बच्चा शहर के निजी अस्पताल में आईसीयू में भर्ती है। बृहस्पतिवार और शुक्रवार को हुई इन मौतों के बाद आननफानन पहुंची स्वास्थ्य विभाग की टीम ने पांच बीमार बच्चों के नमूने लिए। इन बच्चों की डेंगू, टायफाइड और मलेरिया की रिपोर्ट निगेटिव है। ग्रामीणों का कहना है कि गांव में पीएचसी पर डॉक्टर की तैनाती न होने से उन्हें झोलाछाप से इलाज कराना पड़ा।

गढ़ाकासदा के महेंद्र दोहरे ने बताया कि उनका बेटा छात्र सतेंद्र दोहरे (13) तीन दिन से बीमार था। बृहस्पतिवार रात उसे उल्टी और दस्त हुए। इसके कुछ देर बाद ही उसकी मौत हो गई।

इसी तरह तीन दिन से बीमार चल रही मुकेश सिंह की बेटी गुनगुन (12) की भी शुक्रवार दोपहर हालत बिगड़ गई। परिजन उसे उपचार के लिए बाबरपुर, औरैया के निजी डॉक्टर के पास ले गए। यहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। वहीं, अरविंद का पुत्र आशिक (8) का शहर के निजी अस्पताल में आईसीयू में भर्ती है।

यह बच्चे बीमार

कक्षा दो के कुनाल पुत्र मुकेश कठेरिया, मीनाक्षी पुत्री मुकेश, अरविंद की कक्षा सात की प्रिंसी और शिवानी, अरविंद की ही बेटी कक्षा आठ की काजल, कक्षा दो के आर्यन पुत्र श्रीकृष्ण दोहरे, प्रेम सिंह का डेढ़ साल का राघव भी बीमार है।

दो बच्चों की बीमारी से मौत की सूचना मिली है। डॉक्टरों की टीम से गांव की निगरानी कराई जा रही है।

– **रोहित कुमार मौर्य,** एसडीएम, चकरनगर

जिन बच्चों की मौत हुई है। वे पहले से बीमार थे। परिजन ने पहले सूचना नहीं दी थी। परिजन दोनों बच्चों का झोलाछाप से इलाज करा रहे थे। मैंने गांव में शिविर लगाकर जांच की है। सभी बीमार लोगों को दवाइयां दी हैं। गांव की निगरानी की जा रही है।

– **डॉ. महेश पाल**, अधीक्षक, सीएचसी राजपुर

4093 यात्री पकड़े, 36.24 लाख जुर्माना वसूला

अलीगढ़ , एजेंसी। अलीगढ़ स्टेशन और ट्रेनों में एक से 20 अगस्त तक टिकट चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान 4093 यात्रियों को प्रभारित कर 36.24 लाख रुपये से अधिक का जुर्माना वसूला गया।

उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज मंडल के जनसंपर्क अधिकारी अमित कुमार सिंह ने बताया कि अभियान के दौरान बिना टिकट, अनियमित टिकट पर यात्रा, अनबुक्ड लगेज, धूम्रपान और गंदगी फैलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई की गई। अलीगढ़ में 1960 यात्री बिना टिकट यात्रा करते मिले, जिनसे 20.58 लाख रुपये जुर्माना वसूला गया।

उन्होंने बताया कि 1860 यात्री अनियमित टिकट के साथ यात्रा करते पकड़े गए, जिनसे 13.58 लाख रुपये वसूले गए। इसके अलावा अनबुक्ड लगेज के नौ मामलों में 2940 रुपये और धूम्रपान व गंदगी फैलाने के 264 मामलों में 2.04 लाख रुपये से अधिक का जुर्माना लगाया गया।

चीनी के स्टॉक रजिस्टर तलब, 57 व्यापारियों को नोटिस जारी

आगरा , एजेंसी। त्योहारी सीजन में चीनी की मिठास महंगी करने वाले जमाखोरों पर शनिवार से शिकंजा कसना शुरू हो गया है। अब कोई भी डीलर, रिटेलर या थोक व्यापारी किसी भी स्थान पर 4,000 क्विंटल से अधिक चीनी स्टॉक नहीं रख सकेगा। जिला खाद्य एवं विपणन विभाग ने नोटिस जारी कर 57 चीनी व्यापारियों से स्टॉक रजिस्टर तलब किए हैं।

खाद्य एवं रसद विभाग के आयुक्त रणवीर प्रसाद के आदेश पर जिला स्तर पर विपणन और आपूर्ति विभाग की टीम बनाई गई है। जिला खाद्य विपणन अधिकारी नंद किशोर ने बताया कि नए आदेश के तहत कोई भी व्यापारी स्टॉक प्राप्ति की तारीख से 30 दिन से अधिक का भंडारण नहीं करेगा। 30 नवंबर तक यह पाबंदी लागू रहेगी।

डीएम मनीष बंसल ने कहा कि निरीक्षण के दौरान गोदाम के वास्तविक स्टॉक और पोर्टल पर घोषित आंकड़ों में अंतर मिलने पर कड़ी कानूनी कार्रवाई होगी। सार्वजनिक वितरण प्रणाली के स्टॉक को इस दायरे से बाहर रखा गया है।

2178 मीट्रिक टन स्टॉक घोषित : जिले में 57 चीनी कारोबारियों ने 2178 मीट्रिक टन स्टॉक घोषित किया। चीनी का थोक भाव 6,200 रुपये प्रति क्विंटल है। संयुक्त टीम घोषित स्टॉक का गोदामों में जाकर सत्यापन करेगी। गड़बड़ी मिलने पर प्राथमिकी दर्ज कराई जा सकती है।

यूपी व ओडिशा की साझा विरासत खोलेगी रोजगार और निवेश की राह, बढ़ेगा पर्यटन

वाराणसी, एजेंसी। बड़ालालपुर स्थित पंडित दीनदयाल हस्तकला संकुल में तीन दिवसीय ओडिशा परब का शनिवार को शुभारंभ हुआ। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, ओडिशा के उपमुख्यमंत्रियों कनक वर्धन सिंह देव एवं प्रवती परीदा और यूपी के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने फीता काटकर प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। ओडिशा पर्यटन विभाग और फिक्की के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस महोत्सव का उद्देश्य दोनों राज्यों के सांस्कृतिक एवं पर्यटन संबंधों को नई ऊंचाई देना है।

उद्घाटन सत्र के दौरान 125 से अधिक कलाकारों ने अपनी मनमोहक प्रस्तुतियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। लोकनृत्यों में गोटीपुआ, संबलपुरी, पशु मुखौटा और पाइका नृत्य की प्रस्तुति ने खूब वाहवाही बटोरी। शौर्य गाथा पर आधारित पाइका नृत्य ने खुर्दा की अखाड़ा परंपरा और ऐतिहासिक युद्धकला का सजीव चित्रण किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि ओडिशा परब दो राज्यों के बीच पर्यटन सहयोग के नए अध्याय की शुरुआत है। पर्यटन को नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए ओडिशा सरकार को न्योता देते हुए उन्होंने कहा कि भविष्य में ओडिशा सरकार को यूपी में पर्यटन परियोजनाओं के लिए भूमि की जरूरत हुई तो प्रदेश सरकार हरसंभव सहयोग करेगी।

उन्होंने कहा कि काशी और पुरी, अयोध्या और कोणार्क जैसे आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक केंद्र दोनों राज्यों की साझा विरासत और पर्यटन संभावनाओं को दर्शाते हैं। उत्तर प्रदेश की आध्यात्मिकता, विरासत, लोक संस्कृति और खानपान तथा ओडिशा की समुद्री विरासत, प्रकृति, मंदिर, जनजातीय संस्कृति, हस्तशिल्प और हथकरघा एक-दूसरे के पूरक हैं। ऐसे में दोनों राज्य मिलकर नए पर्यटन सर्किट, संयुक्त प्रचार अभियान, ट्रैवल ट्रेड मीट और बी2बी संवाद को आगे बढ़ा सकते हैं।

पर्यटकों को मिलेगा दो राज्यों का एक अनुभव : जयवीर सिंह ने कहा कि हमारा प्रयास होना चाहिए कि उत्तर प्रदेश आने वाला पर्यटक ओडिशा के पर्यटन स्थलों से परिचित हो और ओडिशा आने वाला पर्यटक उत्तर प्रदेश की आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत का अनुभव करे। इससे दोनों राज्यों के बीच पर्यटकों की आवाजाही बढ़ेगी और होटल, हॉस्पिटैलिटी, परिवहन, हस्तशिल्प, खानपान तथा स्थानीय कारोबार से जुड़े लोगों के लिए रोजगार और आय के नए अवसर पैदा होंगे। पर्यटन को विजन-2047 और वन ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी से जोड़कर आगे बढ़ाया जा रहा है। पर्यटन अब केवल घूमने-फिरने तक सीमित नहीं, बल्कि स्थानीय रोजगार, निवेश, हस्तशिल्प और अर्थव्यवस्था को गति देने का महत्वपूर्ण माध्यम बन रहा है।

उपमुख्यमंत्री और पर्यटन मंत्री ने महिला से बंधवाई राखी : टीएफसी सेंटर में आयोजित महोत्सव में 32 स्टॉलों पर ओडिशा की कला, संस्कृति और उत्पादों की प्रदर्शनी लगी है। विश्वविख्यात पट्टचित्र, ताड़पत्र नक्काशी, धोकरा कला, कटक की चांदी की तारकशी, कोटपैड परिधान तथा पीतल, कांसा और जूट से बने उत्पाद भी लोगों को लुभा रहे हैं। खानपान के 10 स्टॉलों में ओडिशा के प्रसिद्ध पीठा, आलूदम, बाजरा से बने व्यंजन और कोरापुट की मशहूर ऑर्गेनिक कॉफी भी लोगों को पसंद आ रही है।

ओडिशा के उपमुख्यमंत्रियों कनक वर्धन सिंह देव एवं प्रवती परीदा, उपमुख्यमंत्री केशव मौर्य और पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने महोत्सव में लगे स्टॉलों का निरीक्षण कर उद्यमियों का उत्साहवर्धन किया। केशव मौर्य एवं जयवीर सिंह ने एक महिला से राखी बंधवाई और उन्हें 1000-1000 रुपये दिए।

तथ्यात्मक रूप से ध्यान देने योग्य : 'ओडिसी, गोटीपुआ, संबलपुरी, घूमरा, ढेमसा और पाइका अखाड़ा' मुख्य रूप से नृत्य/लोककला परंपराएं हैं, उत्पाद नहीं। इसलिए उन्हें प्रदर्शनी में लगे उत्पादों की सूची से हटाकर 'ओडिशा की कला और संस्कृति' के रूप में रखना बेहतर है।

केशव मौर्य ने 'मुगलों के सभी चिन्ह हटाने' और 'काशी विश्वनाथ मंदिर के पास भव्य मंदिर निर्माण' संबंधी जो बयान दिया है, उसे उपलब्ध वीडियो/रिकॉर्डिंग या आधिकारिक बयान से शब्दशः मिलान कर लेना चाहिए।

मूल वाक्य में 1000 रुपये की राशि दोनों को कुल मिलाकर दी गई थी या 1000-1000 रुपये, यह स्पष्ट नहीं था। ऊपर '1000-1000 रुपये' किया गया है, इसे तथ्य के अनुसार ठीक कर लें।

गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय में मिशन शक्तिसैट का शुभारंभ, 108 देशों की छात्राएं लेंगी अंतरिक्ष तकनीक का प्रशिक्षण

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के 19वें स्थापना दिवस और राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के अवसर पर रविवार को विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री एवं विश्वविद्यालय के कुलाधिपति योगी आदित्यनाथ ने वर्चुअल माध्यम से अंतरराष्ट्रीय मिशन शक्तिसैट का शुभारंभ किया। यह कार्यक्रम 23 से 31 अगस्त तक आयोजित किया जाएगा। भारत सहित 108 देशों की छात्राओं की सहभागिता से मिशन को अंतरराष्ट्रीय स्वरूप मिला है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विश्वविद्यालय परिवार को स्थापना दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल डिग्री प्राप्त करना नहीं, बल्कि ज्ञान के साथ चरित्र, प्रतिभा के साथ संवेदनशीलता और सफलता के साथ सामाजिक उत्तरदायित्व विकसित करना है। उन्होंने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता, जैव प्रौद्योगिकी, क्वांटम तकनीक और अंतरिक्ष तकनीक तेजी से दुनिया को बदल रही हैं। ऐसे समय में विश्वविद्यालयों को युवाओं को भविष्य के लिए तैयार करने के साथ उनमें नवाचार और राष्ट्र निर्माण की भावना विकसित करनी होगी।

मुख्यमंत्री ने युवाओं से राष्ट्र प्रथम की भावना के साथ कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि विकसित भारत-2047 का निर्माण आज का युवा करेगा। गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के अगले दशक को वैश्विक उत्कृष्टता का दशक बनाने का विश्वास जताते हुए उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय ज्ञान, आधुनिक विज्ञान और मानवीय मूल्यों के संगम का वैश्विक उदाहरण बन सकता है। विशिष्ट अतिथि नंद गोपाल गुप्ता ने मिशन शक्तिसैट को छात्राओं के लिए महत्वपूर्ण अवसर बताते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम विज्ञान, तकनीक, नेतृत्व और नवाचार के क्षेत्र में युवाओं की क्षमता को बढ़ाते हैं। कुलपति प्रो. राणा प्रताप सिंह ने कहा कि 108 देशों की छात्राओं का एक मंच पर आना विज्ञान और अंतरिक्ष तकनीक की वैश्विक शक्ति को दशार्ता है। मिशन के अंतर्गत छात्राओं को अंतरिक्ष विज्ञान, उपग्रह निर्माण, पेलोड, इलेक्ट्रॉनिक्स और प्रणाली अभियंत्रण का प्रशिक्षण दिया जाएगा। उन्हें उपग्रह की परिकल्पना, डिजाइन, विकास और परीक्षण से लेकर अंतरिक्ष में तैनाती तक की प्रक्रिया की जानकारी दी जाएगी। कार्यक्रम में भारत के प्रथम अंतरिक्ष यात्री विंग कमांडर राकेश शर्मा ने भी वर्चुअल माध्यम से सहभागिता कर छात्राओं को शुभकामनाएं दीं। समारोह में उत्कृष्ट शोध, पेटेंट और पुस्तकों के प्रकाशन के लिए विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों को सम्मानित किया गया तथा विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी हुईं।

कुपोषित बच्चों और नवजातों के उपचार में लापरवाही पर डीएम नाराज, कांधला अधीक्षक को फटकार

शामली (शिखर समाचार)। कलेक्ट्रेट सभागार में शनिवार को जिलाधिकारी आलोक यादव की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में स्वास्थ्य विभाग की ओर से संचालित विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों की बिंदुवार समीक्षा की गई। अपेक्षित प्रगति नहीं मिलने पर जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को तत्काल सुधार के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और पात्र लाभार्थियों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाए।

जिला कार्यक्रम प्रबंधक आशुतोष कुमार श्रीवास्तव ने विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों की प्रगति का प्रस्तुतीकरण किया। जिलाधिकारी ने जिला अस्पताल स्थित पोषण पुनर्वास केंद्र की समीक्षा करते हुए अधिक से अधिक कुपोषित बच्चों को भर्ती कराकर उनका समुचित उपचार और पोषण संबंधी देखभाल कराने के

निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कुपोषित बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार के लिए उनकी नियमित निगरानी और उपचार जरूरी है।

नवजात शिशु गहन चिकित्सा इकाई में उपचार की स्थिति की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने आवश्यकता पड़ने पर अतिरिक्त बिस्तरों की व्यवस्था करने को कहा। चिकित्सकों की कमी को देखते हुए बेहोशी विशेषज्ञों की उपलब्धता पर भी चर्चा की गई। उन्होंने आवश्यकतानुसार फोन पर उपलब्ध सेवा के माध्यम से बेहोशी विशेषज्ञों को सूचीबद्ध कराने के निर्देश दिए। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कांधला के चिकित्सा अधीक्षक द्वारा विभागीय बिंदुओं पर संतोषजनक जानकारी नहीं दिए जाने पर जिलाधिकारी ने कड़ी नाराजगी जताई और मुख्य चिकित्सा अधिकारी को आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी बृजेन्द्र शुक्ल, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. तृतीय कुमार सक्सेना, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अतुल बंसल, जिला सूचना अधिकारी डॉ. करन चौधरी सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

लायंस क्लब शामली सिनर्जी की नई टीम ने संभाला कार्यभार, जरूरतमंद विद्यालय को भेंट की 15 स्कूल डेस्क

शामली (शिखर समाचार)। दिल्ली रोड स्थित स्वर्णतारा बैंक्वेट हॉल में लायंस क्लब शामली सिनर्जी का स्थापना एवं शपथ ग्रहण समारोह हर्षोल्लास और गरिमामय वातावरण में आयोजित किया गया। समारोह में क्लब की नई टीम ने विधिवत कार्यभार संभाला। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि लायन एमजेएफ आदित्य गुप्ता, लायंस क्लब जिला 321-सी1 के गवर्नर रहे। नगर पालिका परिषद शामली के अध्यक्ष अरविंद संगल ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई।

समारोह में अमन शर्मा ने अध्यक्ष, वैभव गुप्ता ने सचिव और प्रियंक गोयल ने कोषाध्यक्ष पद की शपथ ग्रहण की। पूर्व अध्यक्ष डॉ. अजय वर्मा और पूर्व सचिव रुचिर सिंघल ने नई टीम को कार्यभार सौंपते हुए शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम का संचालन भारत सिंघल, तुषार धवन और सिद्धार्थ गर्ग ने किया। इस अवसर पर क्लब की ओर से विभिन्न सेवा कार्यों और सामाजिक परियोजनाओं का भी शुभारंभ किया गया। जरूरतमंद विद्यालय को 15 स्कूल डेस्क भेंट की गईं। इसके अलावा क्लब के विशेष छायाचित्र फिल्टर और वाहनों पर लगाने के लिए विशेष स्टिकर का शुभारंभ किया गया। क्लब पदाधिकारियों ने कहा कि नई टीम जरूरतमंद लोगों तक अधिक से अधिक सहायता पहुंचाने तथा सामाजिक सेवा कार्यों का विस्तार करने के लिए निरंतर प्रयास करेगी। समारोह में मोहित कांबोज, शिवम विश्वकर्मा, डॉ. भुवनेश कौशिक, अधिवक्ता संस्कार गर्ग, चार्टर्ड लेखाकार हिमांशु सिंघल, अनंत गुप्ता, वर्धन जैन, पारस जैन और शुभम सिंघल सहित क्लब के अनेक सदस्य मौजूद रहे। अंत में नवनियुक्त अध्यक्ष अमन शर्मा ने सभी अतिथियों और सदस्यों का आभार व्यक्त किया।

भविष्य की सवारी की ओर बढ़ा गाजियाबाद, महिंद्रा बीई 6 का हुआ शुभारंभ

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के स्वच्छ ऊर्जा, आत्मनिर्भर भारत और विद्युत परिवहन के विजन को आगे बढ़ाते हुए रविवार को शिव महिंद्रा शोरूम में भाजपा गाजियाबाद महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल ने महिंद्रा की आधुनिक इलेक्ट्रिक एसयूवी बीई 6 का शुभारंभ किया। इस अवसर पर करण शर्मा सहित शोरूम के प्रतिनिधि और वाहन प्रेमी मौजूद रहे। शोरूम प्रबंधक सौरव खन्ना ने मयंक गोयल को वाहन की आधुनिक तकनीक, सुविधाओं और प्रदर्शन से जुड़ी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बीई 6 को भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है। इसकी बताई गई दूरी क्षमता लगभग 500 से 600 किलोमीटर तक है, जिसके चलते इसे लंबी दूरी के सफर के लिए भी उपयोगी विकल्प बताया गया।

उन्होंने बताया कि वाहन को घरेलू विद्युत चार्जिंग व्यवस्था से भी चार्ज किया जा सकता है। इससे पेट्रोल और डीजल पर होने वाले पारंपरिक ईंधन खर्च में बचत संभव है। बढ़ती ईंधन लागत और विदेशी तेल पर निर्भरता कम करने में विद्युत वाहन महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। मयंक गोयल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी देश को वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों और स्वच्छ परिवहन की दिशा में आगे बढ़ाने का प्रयास कर रहे हैं। आज विद्युत वाहन केवल नई तकनीक नहीं, बल्कि ऊर्जा आत्मनिर्भरता और पर्यावरण संरक्षण की आवश्यकता बन चुके हैं। पेट्रोल-डीजल के लिए विदेशी तेल पर निर्भरता कम करना अर्थव्यवस्था, पर्यावरण और ऊर्जा सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि महिंद्रा बीई 6 जैसे आधुनिक विद्युत वाहन इस बदलाव को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। आने वाले समय में विद्युत परिवहन स्वच्छ हवा, कम ईंधन निर्भरता और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। इस दौरान करण शर्मा, सौरव खन्ना सहित शिव महिंद्रा शोरूम के प्रतिनिधि और वाहन प्रेमी उपस्थित रहे।

इलेक्ट्रॉनिक चिप और रिमोट से सरिया चोरी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़, 4 गिरफ्तार

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। स्वाट टीम अपराध शाखा और थाना कविनगर पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में कंप्यूटरीकृत धर्मकांटे में इलेक्ट्रॉनिक चिप लगाकर रिमोट की मदद से सरिया चोरी करने वाले गिरोह का पदार्फाश किया गया है। पुलिस ने गिरोह के चार सक्रिय सदस्यों को गिरफ्तार करते हुए उनके कब्जे से चोरी का सरिया लदा ट्रक और 41780 किलोग्राम सरिया बरामद किया है। यह लंबे समय से इस तरह की चोरी की घटनाओं को अंजाम दे रहे थे। पुलिस को सूचना मिली थी कि कुछ शातिर बदमाश कंप्यूटरीकृत धर्मकांटे में इलेक्ट्रॉनिक चिप लगाकर रिमोट की सहायता से सरिया चोरी कर रहे हैं। सूचना के आधार पर स्वाट टीम अपराध शाखा और थाना कविनगर पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों के कब्जे से चोरी का सरिया लदा ट्रक संख्या बरामद किया गया। ट्रक में 41780 टन चोरी का सरिया लदा

हुआ था।

पूछताछ में आरोपियों ने पुलिस को बताया कि चोरी किया गया सरिया बागपत में उतारा जाना था। आरोपी वहां बने एक गोदाम में चोरी का माल उतारते थे। पूछताछ में सामने आया कि इस पूरे खेल में बुलंदशहर निवासी राजकुमार उर्फ राजू गाजियाबाद के शास्त्रीनगर निवासी लोकेश शर्मा उर्फ दिवाकर और डासना निवासी आफताब की भूमिका है। इनके कहने पर चोरी का सरिया उद्योग कुंज स्थित धर्मकांटे के बराबर बने गोदाम में उतारा जाता था। उन्होंने एक वाहन से माल उतारने के बाद राजकुमार उर्फ राजू, आफताब और दिवाकर दूसरे वाहन को मौके पर भेजते थे। इस वाहन में चोरी किया गया सरिया लोड कर उनके ठिकानों तक पहुंचाया जाता था। इस काम से गिरोह के सदस्य मोटा मुनाफा कमाते थे और मजदूरों को उनकी रोजाना की मजदूरी से अधिक रकम दी जाती थी। इसी लालच में वह काफी समय से सरिया चोरी की वारदातों में शामिल थे। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मुशर्रफ पुत्र अनवर, आसमा पुत्र रिफाकत, ईमरान पुत्र एजाज अली और प्रशांत पुत्र शैलेंद्र कुमार के रूप में हुई है। आफताब और राजकुमार उर्फ राजू पहले भी सरिया चोरी के मामलों में जेल जा चुके हैं। आरोपियों ने अपने कई अन्य साथियों के नाम भी पुलिस को बताए हैं। पुलिस अब इन लोगों की भूमिका की जांच कर रही है और उनकी गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं। सहायक पुलिस आयुक्त कविनगर सिद्धार्थ गौतम ने बताया कि क्षेत्र में किसी भी अनैतिक गतिविधि को नहीं चलने दिया जाएगा। पुलिस को जैसे ही इनकी सूचना मिली थी तो तुरंत कार्यवाही की गई है। वही संबंध में जो भी लोग जुड़े हुआ है, उन्हें भी जल्दी गिरफ्तार किया जाएगा।

किसान हितों पर चर्चा, सरकार की योजनाओं को किसानों तक पहुंचाने पर जोर

मुरादनगर (शिखर समाचार)। मुरादनगर स्थित राज पैलेस में भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष देवेंद्र चौधरी के प्रथम आगमन पर किसान चौपाल का आयोजन किया गया। महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल के नेतृत्व में आयोजित चौपाल में प्रदेश अध्यक्ष का भव्य स्वागत किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र के बड़ी संख्या में किसान, जनप्रतिनिधि और भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

किसान चौपाल को संबोधित करते हुए देवेंद्र चौधरी ने कहा कि भारत किसानों का देश है और किसान को अन्नदाता कहा जाता है। किसान केवल अन्न का उत्पादन ही नहीं करता, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था और खाद्य सुरक्षा को मजबूत करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 के बाद केंद्र सरकार ने किसानों के कल्याण के लिए अनेक योजनाएं संचालित की हैं। किसान सम्मान निधि, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, मृदा स्वास्थ्य कार्ड, किसान ऋण कार्ड और धन-धान्य कृषि योजना के माध्यम से किसानों को लाभ पहुंचाया जा रहा है।

क्षेत्रीय विधायक अजीत पाल त्यागी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की किसान हितैषी योजनाओं का किसानों को लाभ मिल रहा है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार ने भी किसानों के लिए बिजली,

सड़क और पानी जैसी मूलभूत सुविधाओं को बेहतर बनाने का काम किया है। बेहतर सुविधाओं से किसानों को कृषि कार्यों को आगे बढ़ाने में मदद मिल रही है।

महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल ने किसान चौपाल में पहुंचे किसानों का स्वागत और अभिनंदन करते हुए भाजपा सरकार की किसान कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि किसानों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए संगठन लगातार कार्य कर रहा है।

कार्यक्रम में पूर्व विधायक कृष्ण वीर सिरोही, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष मानसिंह गोस्वामी, पूर्व जिलाध्यक्ष अरविंद भारतीय, मंडल अध्यक्ष विपिन चौधरी, गौरव चोपड़ा, पंकज भारद्वाज, दिनेश प्रधान, मुकेश त्यागी, मनवीर चौधरी, अमित रंजन, नीरज शर्मा सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता और किसान मौजूद रहे।

गौरव त्यागी हत्याकांड में 25 हजार का इनामी छठा आरोपी गिरफ्तार

हापुड़ (शिखर समाचार)। हापुड़ देहात क्षेत्र में दिनदहाड़े हुए गवाह गौरव त्यागी हत्याकांड में पुलिस ने 25 हजार रुपये के इनामी छठे आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। आरोपी जसवंत पुत्र जगवीर को पुलिस ने उसके घर से दबोचा। इस गिरफ्तारी के बाद मामले में नामजद सात आरोपियों में से छह पुलिस की गिरफ्त में आ चुके हैं। बाबूगढ़ थाना क्षेत्र के मोहम्मदपुर आजमपुर निवासी गौरव त्यागी की हत्या के मामले में पुलिस पहले ही पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है। फरार चल रहे जसवंत पर पुलिस ने 25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया था। पुलिस ने आरोपी की गिरफ्तारी के बाद उसे न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। उधर, हत्याकांड को लेकर शनिवार को ग्रामीणों ने महापंचायत आयोजित की। महापंचायत के बाद ग्रामीणों ने अपर जिलाधिकारी संदीप कुमार को सात सूत्रीय ज्ञापन सौंपकर पीड़ित परिवार के लिए एक करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता समेत कई मांगें उठाईं। ग्रामीणों ने आरोपियों के घरों पर बुलडोजर कार्रवाई कराने, पीड़ित परिवार को पुलिस सुरक्षा देने, मृतक की पत्नी को शस्त्र लाइसेंस उपलब्ध कराने और दोनों बच्चों की निशुल्क शिक्षा की व्यवस्था करने की मांग की। ग्रामीणों ने प्रशासन को चेतावनी दी कि यदि सोमवार तक उनकी मांगों पर कार्रवाई नहीं हुई तो राजमार्ग जाम कर आंदोलन किया जाएगा। पुलिस का कहना है कि मामले में फरार सातवें आरोपी की तलाश जारी है और उसकी गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है।

ऑपरेशन तलाश में बहादुरगढ़ पुलिस ने दो वारंटी दबोचे

गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार)। अपराध की रोकथाम और वांछित एवं वारंटी आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे ह्यऑपरेशन तलाशह्ल अभियान के तहत बहादुरगढ़ पुलिस ने दो वारंटियों को उनके घर से गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान कस्बा व थाना बहादुरगढ़ निवासी कलुवा पुत्र बुन्दू और सुल्तान पुत्र कलुवा के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार दोनों आरोपी वाद संख्या 33/2026 से संबंधित मामले में वांछित चल रहे थे। उनके खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 420, 379, 504 और 506 के तहत मामला दर्ज है। पुलिस टीम ने अभियान के दौरान आरोपियों की जानकारी जुटाकर उनके ठिकानों पर दबिश दी और दोनों को उनके घर से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले में अपराध नियंत्रण और लंबित मामलों में वांछित आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए अभियान लगातार जारी है। पुलिस की ओर से वारंटियों और वांछित आरोपियों की धरपकड़ के लिए संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है। अधिकारियों ने कहा कि कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए ऐसे अभियान आगे भी जारी रहेंगे। गिरफ्तार दोनों आरोपियों के खिलाफ आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस ने लोगों से भी अपील की है कि किसी आपराधिक गतिविधि या वांछित व्यक्ति के संबंध में जानकारी होने पर तत्काल पुलिस को सूचित करें।

चीनी की कीमतों पर प्रशासन की नजर, चार डीलरों के यहां स्टॉक की जांच

मोदीनगर (शिखर समाचार)। प्रदेश में चीनी की बढ़ती कीमतों को लेकर मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद प्रशासन ने जांच अभियान तेज कर दिया है। इसी क्रम में रविवार को उप जिलाधिकारी कोमल पवार ने विपणन निरीक्षक के साथ मोदीनगर में चार चीनी डीलरों के प्रतिष्ठानों पर पहुंचकर चीनी के भंडार की जांच की। प्रशासनिक अधिकारियों ने डीलरों के पास उपलब्ध चीनी की मात्रा और भंडारण की स्थिति की जानकारी जुटाई। जांच के दौरान अधिकारियों ने यह भी देखा कि डीलरों के पास पर्याप्त मात्रा में चीनी उपलब्ध है या नहीं तथा उनके द्वारा निर्धारित क्षमता के अनुरूप ही भंडारण किया गया है या नहीं। प्रशासन की कार्रवाई से चीनी कारोबारियों में भी हलचल रही। उप जिलाधिकारी ने नगर के सभी चीनी डीलरों को अपनी चीनी की उपलब्धता और भंडारण क्षमता की जानकारी घोषित करने के निर्देश दिए हैं, ताकि बाजार में चीनी की उपलब्धता की स्थिति स्पष्ट रह सके। उप जिलाधिकारी कोमल पवार ने कहा कि चीनी की कीमतों में अनावश्यक बढ़ोतरी, जमाखोरी अथवा कालाबाजारी की शिकायत मिलने पर प्रशासन द्वारा कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी कारोबारी को अनुचित तरीके से मुनाफाखोरी करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। प्रशासन की ओर से डीलरों को चेतावनी दी गई है कि कालाबाजारी किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। प्रशासन ने चीनी की उपलब्धता और कीमतों पर निगरानी बनाए रखने की बात कही है। अधिकारियों के अनुसार बाजार में आवश्यक वस्तु की आपूर्ति सामान्य बनाए रखना और उपभोक्ताओं को उचित कीमत पर चीनी उपलब्ध कराना प्राथमिकता है।

बेगमाबाद में साईं बाबा की मूर्ति खंडित करने का आरोप, कार्रवाई की मांग को लेकर कोतवाली पहुंचे लोग

मोदीनगर (शिखर समाचार)। बेगमाबाद गांव स्थित एक धार्मिक स्थल में स्थापित साईं बाबा की मूर्ति को खंडित किए जाने का मामला सामने आने के बाद लोगों में रोष व्याप्त हो गया। घटना से नाराज लोग एकत्र होकर कोतवाली पहुंचे और आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। लोगों ने पुलिस से मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों का पता लगाकर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की। बताया गया है कि बेगमाबाद गांव में एक धार्मिक स्थल पर साईं बाबा की मूर्ति स्थापित है। लोगों के अनुसार पिछले तीन दिनों के दौरान असामाजिक तत्वों ने कथित रूप से धीरे-धीरे मूर्ति को क्षतिग्रस्त कर दिया। जब लोगों को इसकी जानकारी हुई तो उन्होंने मामले को लेकर आक्रोश जताया और पुलिस से शिकायत की। घटना के बाद धार्मिक स्थल के आसपास लोगों की भीड़ जुट गई। धार्मिक स्थल की समिति के प्रबंधक सुधीर मित्तल ने कहा कि मूर्ति को खंडित करने वाले दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए, ताकि भविष्य में इस तरह की घटना दोबारा न हो। उन्होंने पुलिस से मामले का शीघ्र खुलासा करने की मांग की। मामले की जानकारी मिलने पर पुलिस ने लोगों को जांच के बाद उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया। सहायक पुलिस आयुक्त भास्कर वर्मा ने कहा कि प्रकरण की जांच कराई जाएगी। जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। पुलिस ने लोगों से शांति बनाए रखने की अपील भी की है।

राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

आवश्यकता है

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गाजियाबाद से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक समाचार पत्र को आवश्यकता है दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद व पश्चिमी उत्तर प्रदेश के प्रत्येक जिले और तहसीलों में संवाददाताओं और विज्ञापन प्रतिनिधियों की आकर्षक कमीशन, आवेदन पत्र के साथ मिले या संपर्क करें:-

राष्ट्रीय शिखर संपादकीय सिटी कार्यालय :-
64 नवयुग मार्केट,फर्स्ट फ्लोर, गाजियाबाद।
rashtriyashikhar@gmail.com

संपादकीय

अंतरिक्ष की उड़ान अब भारत की नई आर्थिक ताकत बनने का समय

भारत ने अंतरिक्ष को लंबे समय तक विज्ञान, अनुसंधान और राष्ट्रीय गौरव के क्षेत्र के रूप में देखा, लेकिन अब तस्वीर तेजी से बदल रही है। 23 अगस्त 2026 को राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अंतरिक्ष क्षेत्र के स्टार्टअप्स के संस्थापकों और मुख्य कार्याधिकारियों के साथ हुई बातचीत इसी बदलती तस्वीर का महत्वपूर्ण संकेत है। प्रधानमंत्री ने देश के उभरते निजी अंतरिक्ष तंत्र की ऊर्जा और महत्वाकांक्षा की सराहना करते हुए अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के व्यापक इस्तेमाल, नवाचार, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और वैश्विक स्तर पर भारतीय कंपनियों के विस्तार पर जोर दिया। यह मुलाकात केवल कुछ उद्यमियों के साथ संवाद नहीं है, बल्कि उस बदलाव की स्वीकारोक्ति है जिसमें भारत का अंतरिक्ष कार्यक्रम सरकारी प्रयोगशालाओं से निकलकर निजी उद्योग, युवा प्रतिभा और बाजार आधारित नवाचार की ओर बढ़ रहा है।

आज का राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस अपने आप में भारत की वैज्ञानिक यात्रा का स्मरण कराता है। 23 अगस्त 2023 को चंद्रयान-3 ने चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुवीय क्षेत्र में सफल सॉफ्ट लैंडिंग कर इतिहास रचा था। उसी उपलब्धि की स्मृति में राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस की शुरूआत हुई। तीन वर्ष बाद यह दिन केवल चंद्र विजय का उत्सव नहीं रह गया है, बल्कि भारत की अगली अंतरिक्ष छलांग का संकल्प लेने का अवसर बन गया है। इस बार सबसे महत्वपूर्ण संदेश यह है कि भारत को केवल अंतरिक्ष मिशन संचालित करने वाला देश नहीं, बल्कि अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था को आकार देने वाला वैश्विक केंद्र बनना है।

इस परिवर्तन का सबसे बड़ा आधार निजी क्षेत्र का बढ़ता प्रवेश है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार भारत में पंजीकृत अंतरिक्ष स्टार्टअप्स की संख्या 2014 में जहां लगभग एक थी, वहीं अगस्त 2026 तक यह संख्या करीब 440 पहुंच गई है। देश की अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था का वर्तमान आकार लगभग नौ अरब डॉलर आंका जा रहा है और अगले दशक में इसके 40 से 45 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। निजी अंतरिक्ष क्षेत्र में निवेश भी तेजी से बढ़ा है और मार्च 2026 तक यह करीब 618.5 मिलियन डॉलर तक पहुंच चुका था। ये आंकड़े बताते हैं कि अंतरिक्ष अब केवल सरकारी बजट का विषय नहीं रहा, बल्कि पूंजी, रोजगार, उद्यमिता और वैश्विक कारोबार का नया क्षेत्र बन रहा है। सबसे महत्वपूर्ण बदलाव यह है कि भारतीय स्टार्टअप अब केवल रॉकेट बनाने की दौड़ में शामिल नहीं हैं। उपग्रह निर्माण, अंतरिक्ष आधारित संचार, पृथ्वी अवलोकन, अंतरिक्ष मलबे की निगरानी, अंतरिक्ष स्थितिजन्य जागरूकता, प्रक्षेपण सेवाओं और अंतरिक्ष आंकड़ों के विश्लेषण जैसे अनेक क्षेत्रों में भारतीय कंपनियां नई तकनीक विकसित कर रही हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता इस पूरे बदलाव को और गति दे सकती है। उपग्रहों से आने वाले विशाल आंकड़ों का विश्लेषण करके खेती, मौसम, आपदा प्रबंधन, शहरी नियोजन, रक्षा, पर्यावरण संरक्षण और परिवहन जैसे क्षेत्रों में बेहतर निर्णय लिए जा सकते हैं। प्रधानमंत्री ने भी अंतरिक्ष तकनीक के इस्तेमाल को कृषि, पशुपालन, डेयरी और पर्यावरण जैसे क्षेत्रों तक व्यापक बनाने पर जोर दिया है।

~ मौलिक चिंतन ~

सांप्रदायिकता किसी भी देश को बाहर से नहीं, अंदर से तोड़ती है।

~~~~~~~~~

©

विनय संकोची

चीनी की मिठास पर महंगाई की कड़वाहट, आखिर क्यों बढ़ रहे हैं इसके दाम?

सुनील कुमार महला

देश में चीनी की कीमतों में इन दिनों काफी बढ़ोत्तरी देखने को मिल रही है और चीनी के प्रति किलो के दाम 60 रुपए प्रति किलो या इससे ज्यादा तक पहुंच गये हैं। इस क्रम में यहां यह कहना गलत नहीं होगा कि चीनी की कीमतों में अचानक हुई बढ़ोतरी चिंता का विषय जरूर है, लेकिन फिलहाल स्थिति बहुत गंभीर नहीं है।इस संबंध में यहां पर पाठकों को बताता चलूं कि त्योहारी सीजन को देखते हुए सरकार ने 31 अक्तूबर तक 10 लाख टन कच्ची चीनी के शुल्क-मुक्त आयात की अनुमति दी है। इससे बाजार में चीनी की उपलब्धता बढ़ेगी और कीमतों को नियंत्रित करने में मदद मिलेगी। अच्छी बात यह भी है कि सरकार ने जमाखोरी और कालाबाजारी रोकने के लिए भंडारण सीमा भी सख्त की है।

आखिर क्यों बढ़ रही चीनी की कीमतें:- यहां पर यह सवाल जरूर उठता है कि जब देश में चीनी की कमी नहीं है, तो कीमतें इतनी तेजी से क्यों बढ़ रही हैं। इसके पीछे गन्ने के उत्पादन में कमी, गन्ने का अधिक हिस्सा इथेनॉल बनाने में इस्तेमाल होना या गन्ने की खेती का पर्याप्त विस्तार न होना जैसे कारण हो सकते हैं। वास्तव में देश में चीनी उत्पादन में कमी,खराब मौसम और कम बारिश,त्योहारी सीजन में मांग बढ़ना,भंडार में कमी और जमाखोरी की आशंका,वैश्विक बाजार में आपूर्ति का दबाव तथा गन्ने से इथेनॉल बनाने की नीति को भी चीनी कीमतों की चर्चा में प्रमुखता मिली है, जिसके कारण चीनी की कीमतों में बढ़ोतरी हुई है। हालांकि केंद्र सरकार ने स्पष्ट किया है कि मौजूदा कीमत वृद्धि का मुख्य कारण इथेनॉल के लिए चीनी का डायवर्जन नहीं है।

गाड़ियों में इथेनॉल का इस्तेमाल भी एक कारण ? पाठक जानते होंगे कि हमारे देश में गाड़ियों में इथेनॉल का इस्तेमाल मुख्यतः पेट्रोल में मिलाकर किया जा रहा है। इसे इथेनॉल ब्लेंडेड पेट्रोल (ईबीपी) कहा जाता है। हमारे देश में स्थिति की बात करें तो ई-20 पेट्रोल यानी 20% इथेनॉल तथा 80% पेट्रोल अब भारत में पेट्रोल का प्रमुख मानक मिश्रण है। जानकारी के अनुसार वर्ष 2025-26 में औसत इथेनॉल मिश्रण लगभग 20% तक पहुंच गया है।अप्रैल 2026 से बीएस-श्क वाहनों के लिए ई-20 उत्सर्जन मानकों को पूरा करना अनिवार्य किया गया है। वास्तव में, इथेनॉल मिश्रण का उद्देश्य कच्चे तेल के आयात पर निर्भरता कम करना, विदेशी मुद्रा बचाना, किसानों के लिए अतिरिक्त बाजार उपलब्ध कराना और कार्बन उत्सर्जन घटाना है। सरकार के अनुसार ईबीपी कार्यक्रम से अब तक लगभग ?1.97 लाख करोड़ की विदेशी मुद्रा बचत हुई है। संक्षेप में कहें तो हमारे देश भारत पेट्रोल वाहनों को धीरे-धीरे इथेनॉल आधारित ईंधन की ओर ले जा रहा है। आज की स्थिति में ई-20 सामान्य पेट्रोल व्यवस्था का हिस्सा है। ऐसे में कृषि और पेट्रोलियम मंत्रालय को मिलकर इन पहलुओं की समीक्षा जरूर करनी चाहिए। इथेनॉल की बढ़ती मांग को देखते हुए गन्ने का उत्पादन भी बढ़ाना जरूरी है, ताकि चीनी और इथेनॉल दोनों की जरूरत पूरी हो सके और किसानों को भी बेहतर लाभ मिले।

हमारे देश में चीनी उत्पादन:- बहरहाल, यहां पाठकों को बताता चलूं कि भारत दुनिया के प्रमुख चीनी उत्पादक देशों में है। 2025-26 चीनी सत्र में भारत का चीनी उत्पादन लगभग 306 लाख टन (3.06 करोड़ टन) रहने का अनुमान है, जो शुरूआती अनुमान से करीब 11 प्रतिशत कम है। उत्पादन में कमी का असर घरेलू बाजार में चीनी की उपलब्धता और कीमतों पर पड़ा है। इस बीच, इथेनॉल उत्पादन के लिए भी गन्ने से प्राप्त चीनी का एक हिस्सा इस्तेमाल किया जाता है और हाल फिलहाल कमी को देखते हुए सरकार ने घरेलू आपूर्ति बनाए रखने के लिए, जैसा कि ऊपर भी इस आलेख में चर्चा कर चुका हूं कि, शुल्क-मुक्त चीनी आयात की अनुमति भी दी है।

उक्त संदर्भ में यहां पर यह भी उल्लेखनीय है कि देश में गेहूं, चावल, सब्जी, फल और दूध जैसे कई खाद्य पदार्थों के उत्पादन में आत्मनिर्भरता बढ़ी है। लेकिन दाल और खाद्य तेल के मामले में अभी भी आयात पर निर्भरता है। दालों की बढ़ती मांग और खाद्य तेल की लगभग आधी जरूरत ही देश में पूरी होना चिंता का विषय है। इसलिए सरकार को केवल मौजूदा महंगाई नियंत्रित करने पर ही नहीं, बल्कि इन आवश्यक खाद्य पदार्थों का उत्पादन बढ़ाने पर भी ध्यान देना चाहिए।

अंत में कुल मिलाकर यही कहूंगा कि चीनी का मौजूदा संकट बहुत बड़ा नहीं है, लेकिन सरकार को समय रहते सतर्क रहना होगा। जमाखोरी और कालाबाजारी पर कड़ी नजर के साथ अफवाहों को रोकना भी जरूरी है, क्योंकि कई बार अफवाहों के कारण भी बाजार में अनावश्यक महंगाई बढ़ जाती है। साथ ही, लोगों को भी जरूरत के मुताबिक ही खरीदारी और खपत करनी चाहिए। इस संबंध में चीनी के विकल्पों को भी तलाश किया जाना चाहिए। वास्तव में, गुड़,शहद,खजूर या खजूर का पेस्ट (मिठाइयों, शेक, बेकिंग और लड्डू आदि में उपयोगी),नारियल/पाम शुगर तथा फलों की प्राकृतिक मिठास (केला, खजूर, सेब आदि का इस्तेमाल) इसके विकल्प हो सकते हैं।

(लेखक फ्रीलांस राइटर, कॉलमिस्ट व युवा साहित्यकार हैं)

यौन शोषण और ब्लेकमेलिंग का अड्डा बन रहे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म

मनोज कुमार अग्रवाल

सोशल मीडिया का अत्यधिक और अनियंत्रित उपयोग कई किशोरियों और युवतियों के मानसिक स्वास्थ्य, आत्म-सम्मान और वास्तविक जीवन को नकारात्मक रूप से प्रभावित कर रहा है, हालांकि इसे पूरी पीढ़ी की बबार्दी कहना अतिशयोक्ति हो सकता है। डिजिटल प्लेटफॉर्म पर मिलने वाली कृत्रिम चमक और तुलना की संस्कृति गंभीर मानसिक दबाव पैदा कर रही है।सोशल मीडिया पर अजनबी लोगों से दोस्ती करने के बाद कई बार लड़कियां ऑनलाइन धोखाधड़ी, ब्लैकमेलिंग और साइबर अपराध का शिकार हो जाती हैं। लोग झूठी पहचान बनाकर भरोसा जीतते हैं और बाद में निजी जानकारी का गलत इस्तेमाल करते हैं। इससे मानसिक तनाव और सामाजिक नुकसान होता है।धोखेबाज असली नाम या तस्वीर छिपाकर गलत पहचान बनाते हैं। निजी तस्वीरें या वीडियो हासिल करके पैसों की मांग करना। महंगे उपहार या विदेश भेजने के नाम पर पैसे ऐंठना। प्यार और शादी का झूठा वादा करके भरोसा तोड़ना।

पिछले कुछ वर्षों के दौरान फेसबुक, इंस्टाग्राम और स्नैपचैट जैसे सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर चंद युवक-युवतियों द्वारा आपस में दोस्ती करने का रुझान बढ़ गया है जिसे ऑनलाइन फ्रैंडशिप कहा जाता है। इनके जरिए युवक दोस्ती के नाम पर अपनी ऑनलाइन फ्रैंड्स को धोखा देने, उनका यौन शोषण करने और ब्लैकमेल करके पैसे वसूलने में भी संकोच नहीं करते जिससे उनकी चाल में फंसने वाली युवतियों की जिंदगियां तबाह हो रही हैं। हाल ही में सुर्खियों में रही कुछ वारदातों का जायजा करिए।

6 जनवरी को पालघर (महाराष्ट्र) में एक 17 वर्षीय नाबालिग लड़की को इंस्टाग्राम पर प्रेम जाल में फंसा कर अगवा करने, महीनों तक उसका यौन शोषण करने तथा घटना का वीडियो बनाकर उसे वायरल करने की धमकी देकर उसे ब्लैकमेल करने के आरोप में पुलिस ने एक युवक के विरुद्ध केस दर्ज किया।12 जनवरी को पाली (राजस्थान) की एक नाबालिगा से सोशल

मीडिया के जरिए दोस्ती करने के बाद एक युवक उसे दिल्ली ले आया और किराए के मकान में रखकर उसका कई बार शोषण किया। जब लड़की ने उससे शादी करने के लिए कहा तो उसे पीटा गया। पुलिस ने नाबालिगा की शिकायत पर आरोपी के विरुद्ध पोक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज किया।

5 मई को सीकर (राजस्थान) में एक महिला ने अपने ऑनलाइन फ्रेंड पर शादी का झूठा वादा कर उससे बलात्कार करने और उसे जान से मारने की धमकी देने के आरोप में पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई।20 जून को बेंगलुरु (कर्नाटक) में पुलिस ने एक व्यक्ति को एक महिला से ऑनलाइन दोस्ती करके उसे किराए पर कमरा दिलाने के बहाने एक लॉज में ले जाकर उससे बलात्कार करने के आरोप में गिरफ्तार किया।23 जून को बुराड़ी (दिल्ली) में एक महिला ने अपने ऑनलाइन फ्रेंड के विरुद्ध रील बनाने के बहाने उसे एक होटल में बुला कर उससे बलात्कार करने और घटना का वीडियो बना कर उसे ब्लैकमेल करने के आरोप में पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई । 16 जुलाई को कोलकाता (पश्चिम बंगाल) में एक महिला ने अपने ऑनलाइन फ्रेंड पर उसे डरा-धमका कर उससे बलात्कार करने के आरोप में पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई।

5 अगस्त को बुलंदशहर (उत्तर प्रदेश) में एक युवती ने राजस्थान के एक युवक के विरुद्ध उसके साथ इंस्टाग्राम के जरिए दोस्ती करने के बाद उसे नशीली पेस्ट्री खिलाकर बेहोश करके उसके साथ बलात्कार करने और घटना का अश्लील वीडियो बना कर ब्लैकमेल करके लाखों रुपए वसूलने के आरोप में पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई।

6 अगस्त को नागपुर (महाराष्ट्र) में इंस्टाग्राम पर दोस्ती के बाद एक नाबालिगा को बंधक बना कर अपने पास रखने और उसका यौन उत्पीड़न करने के आरोप में पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार किया।

6 अगस्त को ही ग्वालियर (मध्य प्रदेश) में एक युवती ने इंस्टाग्राम पर बने दोस्त के विरुद्ध उसे नौकरी दिलाने के बहाने मुरैना के एक होटल में ले जाकर उससे बलात्कार करने के आरोप में शिकायत दर्ज करवाई।

12 अगस्त को सूरत (गुजरात) में पुलिस ने एक युवक को एक महिला से सोशल मीडिया पर दोस्ती करने के बाद डरा-धमका कर उससे कई बार बलात्कार करने और उसका वीडियो सार्वजनिक करने की धमकी देकर 36 तोले सोना व नकदी वसूल करने के आरोप में गिरफ्तार किया।

और अब 16 अगस्त को नई दिल्ली में एक मेकअप आर्टिस्ट महिला को उसके ऑनलाइन फ्रेंड द्वारा काम दिलाने और शादी का झांसा देकर नशीला पदार्थ पिलाकर बलात्कार करने का मामला सामने आया है। उक्त घटनाओं से स्पष्ट है कि जवानी के जोश में सोशल मीडिया के जरिए युवकों से दोस्ती करना किस कदर खतरनाक हो सकता है। अतः महिलाओं को सावधानी बरतने की जरूरत है।सोशल मीडिया के जरिए ऑनलाइन रिश्तों में फंसकर कई युवतियां भावनात्मक, आर्थिक और शारीरिक शोषण का शिकार हो रही हैं। फर्जी पहचान, धोखेबाजी और ब्लैकमेलिंग के मामलों में तेजी से बढ़ोतरी हुई है, जिससे कई बार पीड़िताओं की निजी जिंदगी और मानसिक स्थिति पूरी तरह तबाह हो जाती है।सोशल मीडिया पर किसी भी अजनबी की फ्रेंड रिक्वेस्ट स्वीकार न करें।व्यक्तिगत जानकारी सुरक्षित रखेंः अपना फोन नंबर, पता या वित्तीय विवरण ऑनलाइन साझा न करें।अगर बात करें भी, तो सामने वाले की सच्चाई की पूरी जांच करें।तुरंत शिकायत करेंः किसी भी तरह की धमकी मिलने पर तुरंत परिवार को बताएं और राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर शिकायत दर्ज करें।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

जेन अल्फा:स्कूल सुधार से लोकतांत्रिक चेतना तक

राज कुमार सिन्हा

सरकारी शिक्षा की बदहाली के खिलाफ सड़कों पर उतरती नई पीढ़ी सिर्फ सुविधाएं नहीं, जवाबदेही मांग रही है। भारत में एक नई पीढ़ी धीरे-धीरे अपने सामाजिक और राजनीतिक तेवर का परिचय दे रही है। यह जेन अल्फा जिसने मोबाइल, इंटरनेट, वीडियो और सोशल मीडिया की दुनिया में आंखें खोली है। अभी यह पीढ़ी मतदान की उम्र में नहीं पहुंची है, लेकिन लोकतंत्र की भाषा सीखने के लिए उसे अठारह वर्ष का इंतजार नहीं है।

भारत की सरकारी शिक्षा व्यवस्था की बदहाली का कोई एक अकेला कारण नहीं है, बल्कि इसके पीछे अपर्याप्त बजट आवंटन, बुनियादी ढांचे की कमी और जवाबदेही का अभाव है।स्कूलों में नियमित शिक्षकों के पद खाली पड़े हैं और जो शिक्षक हैं, उनका शिक्षण स्तर व प्रशिक्षण आधुनिक समय के अनुकूल नहीं है।शिक्षा प्रणाली कौशल विकास या व्यावहारिक ज्ञान के बजाय केवल परीक्षा में अंक लाने और रटने पर जोर देती है। सरकारी शिक्षा की बदहाली के खिलाफ सड़कों पर उतरती नई पीढ़ी सिर्फ सुविधाएं नहीं, जवाबदेही मांग रही है। भारत में एक नई पीढ़ी धीरे-धीरे अपने सामाजिक और राजनीतिक तेवर का परिचय दे रही है। यह जेन अल्फा जिसने मोबाइल, इंटरनेट, वीडियो और सोशल मीडिया की दुनिया में आंखें खोली है। अभी यह पीढ़ी मतदान की उम्र में नहीं पहुंची है, लेकिन लोकतंत्र की भाषा सीखने के लिए उसे अठारह वर्ष का इंतजार नहीं है। जुलाई और अगस्त 2026 में उत्तर प्रदेश से लेकर बिहार, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और राजस्थान तक सरकारी तथा सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों के बच्चों के आंदोलनों की जो श्रृंखला दिखाई दी है, वह इसी बदलाव का संकेत है। इन आंदोलनों की मांगें किसी राजनीतिक दल के घोषणापत्र से नहीं निकली है। वे बेहद बुनियादी हैं, शिक्षक चाहिए, पंखे चाहिए, साफ पानी चाहिए, शौचालय चाहिए, अच्छा भोजन चाहिए, सड़क चाहिए और सुरक्षित स्कूल चाहिए। लेकिन इन छोटी दिखाई देने वाली मांगों के भीतर भारतीय शिक्षा व्यवस्था की एक बहुत बड़ी विफलता छिपी हुई है। लखनऊ के जय प्रकाश नारायण सर्वोदय बालिका विद्यालय की छात्राओं का हालिया आंदोलन इस बदलते माहौल का सबसे ताजा उदाहरण है। करीब 250 छात्राएं भारी बारिश के बीच स्कूल से बाहर निकलीं और सड़क पर उतरकर यातायात रोक दिया। उनकी शिकायतों में शिक्षकों की कमी और बुनियादी सुविधाओं का अभाव प्रमुख था। रिपोर्टों के अनुसार विज्ञान विषयों में शिक्षकों की कमी ने उनकी पढ़ाई को प्रभावित किया है। यह घटना अकेली नहीं है। कुछ दिन पहले इसी क्षेत्र में स्कूली बच्चों के विरोध और सड़क जाम की घटनाएं सामने आ चुकी थी। यानी बच्चों ने यह संदेश दे दिया है कि स्कूल के भीतर शिकायत की सुनवाई नहीं होती तो वे स्कूल के बाहर अपनी आवाज सुनाएंगे। यह आवाज अब एक जिले या एक राज्य तक सीमित नहीं है। उत्तर प्रदेश के फतेहपुर जिले के किशनपुर स्थित सर्वोदय इंटर कॉलेज में लगभग 1500 विद्यार्थियों ने कई घंटे धरना दिया। उनकी मांगों में साफ पीने का पानी, काम करने वाले पंखे, स्वच्छ शौचालय, फर्नीचर, पुस्तकालय और अन्य बुनियादी सुविधाएं शामिल थी। प्रशासन को छात्रों के प्रतिनिधिमंडल से बातचीत करनी पड़ी और कई मांगों पर कार्रवाई का आश्वासन देना पड़ा। हमीरपुर में बच्चे स्कूल तक पहुंचने के लिए पक्की सड़क की मांग को लेकर तिरंगा लेकर जिला मुख्यालय तक पहुंचे। कीचड़ और दलदल से गुजरकर स्कूल पहुंचना उनकी रोजमर्रा की समस्या थी। बिहार के गया जिले में बच्चों ने खराब मध्याह्न भोजन,

जिसमें कीड़े मिलने की शिकायत भी सामने आई, खराब पानी, गंदे शौचालय, पंखों और फर्नीचर की कमी के खिलाफ लगभग चार किलोमीटर मार्च किया।मध्य प्रदेश में भी यह लहर दिखाई दे रही है। छिंदवाड़ा के तामिया स्थित एकलव्य आवासीय विद्यालय के विद्यार्थियों ने मेस के भोजन की गुणवत्ता को लेकर बारिश में सड़क पर बैठकर विरोध किया। उनकी शिकायतों में भोजन में कीड़े मिलने और स्वास्थ्य तथा खेल सुविधाओं की कमी जैसे मुद्दे शामिल थे।

उज्जैन में कई सरकारी स्कूलों की छात्राओं ने स्कूलों को शहर से दूर स्थानांतरित करने की योजना के खिलाफ कलेक्टर कार्यालय का घेराव किया। छात्राओं का तर्क था कि दूर जाने से यात्रा का समय और खर्च बढ़ेगा तथा गरीब परिवारों की लड़कियों की पढ़ाई छूट सकती है। बच्चीयों के दबाव में कलेक्टर ने स्कूल स्थानांतरित करने के निर्णय को रोक दिया है। सिरोंज में छात्राओं के विरोध के बाद रियायती बस किराया 10 रुपये से बढ़ाकर 25 रुपये करने का फैसला वापस लेना पड़ा। महाराष्ट्र में भी शिक्षक अनुपस्थिति, शौचालय और पानी जैसे सवालों पर विद्यार्थियों के विरोध सामने आए हैं। यानी अलग-अलग राज्यों में बच्चे अलग-अलग स्कूलों में हैं, लेकिन उनकी शिकायतों की भाषा लगभग एक जैसी है। असल में ये आंदोलन सरकारी शिक्षा व्यवस्था के उस मॉडल पर सवाल उठा रहा है, जिसमें स्कूल का भवन तो बना दिया जाता है, लेकिन शिक्षक नहीं होते, शौचालय बना दिया जाता है लेकिन पानी नहीं होता, छात्रावास बना दिया जाता है लेकिन भोजन की गुणवत्ता और स्वास्थ्य सुविधाओं की निगरानी नहीं होती, सड़क का बजट स्वीकृत हो जाता है लेकिन बच्चे बारिश में कीचड़ से गुजरते रहते हैं। उनके लिए शिक्षा केवल किताब और परीक्षा नहीं है। शिक्षा का अर्थ है, कक्षा में शिक्षक, पीने का पानी, शौचालय, भोजन, बिजली, सुरक्षा, परिवहन और सम्मान। यही कारण है कि इन आंदोलनों में सबसे मुखर आवाज लड़कियों की दिखाई दे रही है। वे शिक्षा के साथ-साथ सुरक्षा और आवागमन के सवाल को भी सीधे जोड़ रही हैं। जेन जी से जेन अल्फा तक आंदोलन की तकनीक बदल रही है। अब इसका असर स्कूली बच्चों के आंदोलनों में दिखाई दे रहा है। बच्चा दूसरे जिले में हुए आंदोलन को देखता है और समझता है, 'अगर वहां के बच्चों ने अपनी मांग मनवाई है, तो हम भी अपनी आवाज उठा सकते हैं।' यही वह मनोवैज्ञानिक बदलाव है जो आने वाले वर्षों में महत्वपूर्ण साबित हो सकता है। जेन अल्फा की सबसे बड़ी ताकत उसकी डिजिटल पहुंच है। ट्विटर, इंस्टाग्राम और यूट्यूब जैसे लोकप्रिय एप्लिकेशन 21वीं सदी के युवा कार्यकर्ताओं के लिए नवीनतम उपकरण बन गए हैं। पिछली पीढ़ी में किसी सरकारी स्कूल की खराब स्थिति की शिकायत प्रधानाचार्य, शिक्षक, पंचायत या स्थानीय जनप्रतिनिधि तक सीमित रह जाती थी। शिकायत के बाद फाइल चलती थी और कई बार मामला वहीं समाप्त हो जाता था। आज बच्चे स्कूल के टूटे पंखे, गंदे शौचालय, खराब भोजन, कीचड़ भरे रास्ते या पानी की समस्या का वीडियो बना सकते हैं। फिर वही वीडियो कुछ घंटों में हजारों लोगों तक पहुंच सकता है। इससे स्थानीय समस्या सार्वजनिक जवाबदेही का विषय बन जाती है। यह परिवर्तन महत्वपूर्ण है क्योंकि सोशल मीडिया ने बच्चों को सिर्फ दर्शक नहीं रखा है, उसने उन्हें दस्तावेज बनाने वाला नागरिक बना दिया है। अभी इसे देशव्यापी, एकीकृत और औपचारिक जेन अल्फा को राष्ट्रीय आंदोलन कहना उचित नहीं होगा। यह साफ तौर पर कोई राजनीतिक आंदोलन नहीं है और इस आंदोलन का कोई 'नेता' नहीं है। अगर इस आंदोलन का नेतृत्व भी 'नेताओं' द्वारा किया जा रहा होता, तो यह उस मुकाम पर नहीं जा पाता, जहां तक पहुंच गया है। लेकिन इतिहास में बड़े आंदोलन हमेशा किसी एक दिन में राष्ट्रीय संगठन बनकर पैदा नहीं होते। वे पहले छोटे-छोटे स्थानीय असंतोषों से जन्म लेते हैं।आज लखनऊ में शिक्षक की मांग है।स्कूली बच्चों की इन सभी मांगों को एक सूत्र में बांध दें तो एक बड़ा सवाल सामने आता है कि 'सरकार हमारे लिए कैसी शिक्षा व्यवस्था बना रही है?' यही सवाल इस स्थानीय लहर को राष्ट्रीय मुद्दे में बदल सकता है।आज जेन अल्फा के अधिकांश बच्चे वोट नहीं देंगे। लेकिन यही बच्चे अगले कुछ वर्षों में पहली बार मतदाता बनने वाले हैं। इसलिए राजनीतिक दलों को इस पीढ़ी को केवल 'बच्चे' समझने की भूल नहीं करनी चाहिए। यह वह पीढ़ी है जो अपने माता-पिता से अधिक डिजिटल जानकारी रखती है। यह वीडियो देखती है, तुलना करती है, सवाल पूछती है और प्रशासनिक कार्रवाई को सार्वजनिक रूप से दर्ज करती है।आज जो बच्चा स्कूल के पंखे के लिए सड़क पर बैठ रहा है। कल वही युवा पूछेगा कि मेरे गांव में अस्पताल क्यों नहीं है? मेरे गांव में पानी क्यों नहीं है? मेरे क्षेत्र में सड़क का काम वर्षों से अधूरा क्यों है? सरकार के बजट का पैसा आखिर गया कहां? यानी आज की स्कूल स्तरीय मांगें कल की लोकतांत्रिक और राजनीतिक चेतना का आधार बन सकती है। राजनीतिक दल यदि इस पीढ़ी की आवाज को केवल चुनावी नारे के रूप में इस्तेमाल करेंगे तो शायद यह पीढ़ी उसे भी स्वीकार नहीं करेगी। इसका सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि इस आंदोलन का नेतृत्व हमेशा पारंपरिक राजनीतिक नेता नहीं करेंगे। बच्चे स्वयं मुद्दा उठाएंगे, वीडियो बनाएंगे, समूह बनाएंगे, प्रशासन को ज्ञापन देंगे और जरूरत पड़ने पर सड़क पर बैठेंगे। इन घटनाओं को केवल कानून-व्यवस्था की समस्या मानकर पुलिस भेज देना सबसे आसान रास्ता है। लेकिन इससे समस्या खत्म नहीं होगी। सरकारों को यह समझना होगा कि सड़क पर बैठा बच्चा वास्तव में सरकारी स्कूल की रिपोर्ट कार्ड लेकर बैठा है। हर आंदोलन को दबाने के बजाय प्रत्येक जिले में स्कूलों की सार्वजनिक सोशल ऑडिट व्यवस्था विकसित की जा सकती है। स्कूलों में शिक्षक पदों की स्थिति, भोजन की गुणवत्ता, पानी, शौचालय, बिजली, छात्रावास और परिवहन जैसी सुविधाओं का वास्तविक समय में सार्वजनिक डैशबोर्ड बनाया जा सकता है। छात्रों की शिकायतों के लिए स्वतंत्र और समयबद्ध शिकायत प्रणाली होनी चाहिए। सबसे महत्वपूर्ण बच्चों की आवाज को 'अनुशासनहीनता' मानने के बजाय लोकतांत्रिक भागीदारी के रूप में देखा जाना चाहिए। यह डिजिटल लामबंदी और सोशल मीडिया के जरिए पारंपरिक राजनीतिक दलों के नियंत्रण से मुक्त होकर स्वतः स्फूर्त रूप से उभर रहे हैं, जो सत्ता और शासन के खिलाफ नए राजनीतिक समीकरण खड़े कर रहे हैं। यह आंदोलन अभी छोटा है, बिखरा हुआ है और स्थानीय है, लेकिन इसके सवाल राष्ट्रीय हैं। राष्ट्रीय सवाल जब एक पीढ़ी की सामूहिक चेतना बन जाते हैं, तो राजनीति को अंततः बदलना ही पड़ता है।
~~~~~~~~~

नागेश्वर ज्योतिर्लिंग महत्व व इतिहास

भारत के 12 ज्योतिर्लिंगों में से 10वां ज्योतिर्लिंग नागेश्वर ज्योतिर्लिंग है। यह ज्योतिर्लिंग भारत के गुजरात राज्य में है, और गुजरात राज्य के द्वारिकापुरी से 17 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। भारत के द्वारिकापुरी में नागेश्वर ज्योतिर्लिंग के परिसर में भगवान शिव की एक बड़ी ही मनमोहक ध्यान मुद्रा में विशाल प्रतिमा बनाई गई है जिसकी वजह से मंदिर 3 किलोमीटर की दूरी से ही दिखाई देने लगता है। भगवान शिव जी की यह मूर्ति 80 फीट ऊंची तथा इसकी चौड़ाई 25 फीट है। तथा इसका मुख्य द्वार अत्यंत साधारण और सुंदर है।

ऐसा माना जाता है की नागेश्वर अर्थात की नागों का ईश्वर नागों का देवता वासुकी जी भगवान शिव जी के गले में कुंडली मार कर बैठे रहते है । इस मन्दिर मैं स्थापित ज्योतिर्लिंग का दर्शन करने वालों के लिए भगवान शिव जी की बहुत महिमा है। कहा जाता है कि इस मंदिर में विष से संबंधित सभी रोग से मुक्ति प्राप्त हो जाती है। भगवान शिवजी के 12 ज्योतिर्लिंगों में स्थापित श्री विश्वनाथ का यह दसवां ज्योतिर्लिंग माना गया है।

भगवान शिव जी के इन मंदिरों को ज्योतिर्लिंग कहा जाता है, क्योंकि इन स्थानों पर भगवान शिव जी अपने भक्तों की श्रद्धा पूर्वक पूजन से प्रसन् होकर स्वयं उत्पन्न हुए थे। धार्मिक ग्रंथों के लेखों में कहा गया है कि इस पवित्र ज्योतिर्लिंग के श्रद्धा पूर्वक दर्शन करने से पापों से मुक्ति प्राप्त होती है। हिंदुओं का यह प्राचीन एवं प्रमुख मंदिर केवल भगवान शिव जी को समर्पित है। जिसमें शिवजी की श्रद्धा पूर्वक पूजा आराधना नागेश्वर के रूप में की जाती है। इस ज्योतिर्लिंग को रूद्र संहिता में दारकावने नागेश के नाम से भी जाना जाता है।

नागेश्वर ज्योतिर्लिंग की धार्मिक मान्यताएं

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार भगवान शिव को नागों के देवता के रूप में जाना जाता है। नागेश्वर का संपूर्ण अर्थ नागों का ईश्वर है। पौराणिक कथाओं में इस ज्योतिर्लिंग के दर्शन की कथा एक बड़ी विशाल महिमा बताई गई है। इस ज्योतिर्लिंग की भी विभिन्न रोचक कहानियां है जिसे सभी श्रद्धा पूर्वक सुनते हैं। कहा जाता है कि महात्माओं की कथा को श्रद्धापूर्वक सुनने से जीवन में किए गए सभी पापों से मुक्ति मिलती है। यह मंदिर सुबह 5.00 बजे आरती के साथ खुलता है, किंतु भक्तों के लिए यह मंदिर 6.00 बजे खुलता है। मंदिर के पुजारियों द्वारा कई विधियों द्वारा शिवजी की श्रद्धा पूर्वक पूजा तथा अभिषेक किए जाते हैं। भगवान शिव जी के द्वार पर आने वाले श्रद्धालुओं के लिए शाम 4.00 बजे श्रृंगार दर्शन होते हैं, तत्पश्चात गर्भ गृह में प्रवेश करने पर प्रतिबंध होता है। यहां पर पुजारियों द्वारा भगवान शिव जी की शाम की आरती सांय 7.00 बजे की जाती है तथा भक्तों के दर्शन का समय रात्रि 9.00 बजे समाप्त हो जाता है। भगवान शिव जी के त्यौहार और विषेश शुभ अवसर पर यह मंदिर अधिक समय तक खुला रहता है।

नागेश्वर ज्योतिर्लिंग का निर्माण कार्य

भगवान शिव जी के इस दसवीं ज्योतिर्लिंग का निर्माण कार्य अत्यंत अद्भुत तथा सौंदर्यकरण विधि से करवाया गया है। नागेश्वर मंदिर के मुख्य गर्भ गृह के निचले स्तर पर भगवान शिव जी के इस ज्योतिर्लिंग को स्थापित किया गया है। इस ज्योतिर्लिंग के ऊपर भगवान शिव जी का एक चांदी का बड़ा नाग स्थापित किया गया है। इतना ही नहीं इस अद्भुत ज्योतिर्लिंग के पीछे ही माता पार्वती की प्रतिमा की स्थापना भी की गई है। इस ज्योतिर्लिंग का मंदिर अत्यंत अद्भुत सौंदर्य पूर्वक तरीके से बनाया गया है। कहा जाता है, कि जिन श्रद्धालुओं को ज्योतिर्लिंग का अभिषेक करना है वहां के पुजारियों से अनुरोध करके सफेद धोती पहनकर अभिषेक करवाते हैं।

देश में कहां-कहां हैं शिव की विशाल प्रतिमाएं

श्रावण के महीने अगर आप घर बैठे ही भगवान शिव जी के दर्शन करना चाहते हैं तो यहां अवश्य पढ़ें भारतभर में स्थापित भोलेनाथ के 11 विशालकाय प्रतिमाओं के बारे में खास जानकारी।

शिव प्रतिमा (श्री नाथ द्वारा)
ऊंचाई- 351 फुट

राजस्थान में उदयपुर से करीब 50 किलोमीटर की दूरी पर 351 फुट ऊंची बन रही यह प्रतिमा श्री नाथ द्वारा के गणेश टेकरी में स्थित है। इस शिव प्रतिमा के दर्शन आप 20 किमी की दूरी से ही कर सकते हैं।

शिव मूर्ति, मुरुदेश्वरा (कर्नाटक, भारत)
ऊंचाई लगभग 123 फुट

विश्व की दूसरे नंबर की शिव मूर्ति अरब सागर के तट पर स्थित है। इस संपूर्ण क्षेत्र को मुरुदेश्वरा कहते हैं। बैठक मुद्रा में मुरुदेश्वर मंदिर के बाहर स्थापित शिव की इस मूर्ति की ऊंचाई 37 मीटर अर्थात लगभग 123 फुट है। मुरुदेश्वर दक्षिण भारत के कर्नाटक राज्य में उत्तर कन्नड़ जिले के भटकल तहसील में अरब सागर के तट पर स्थित एक कस्बा है। कंदुका पहाड़ी पर तीन ओर से पानी से घिरा यह मुरुदेश्वर मंदिर भगवान शिव को समर्पित है। यहां भगवान शिव का आत्मलिंग स्थापित है जिसका संबंध रामायण काल से है। मान्यता के अनुसार अमरता पाने हेतु रावण जब शिवजी को प्रसन्न करके उनका आत्मलिंग अपने साथ लंका ले जा रहा था तब रास्ते में इस स्थान पर आत्मलिंग को धरती पर रख दिए जाने के कारण स्थापित हो गया था।

हर की पौड़ी, हरिद्वार (उत्तराखंड, भारत)
ऊंचाई लगभग 100 फुट

यह मूर्ति हरिद्वार स्थित गंगा नदी के तट पर हर की पौड़ी के पास स्थापित की गई है। यह मूर्ति खड़ी मुद्रा में है जबकि हरिद्वार के पास ऋषिकेश की मूर्ति बैठक मुद्रा में है। बताया जाता है कि बाढ़ के कारण ऋषिकेश की मूर्ति पानी में बह गई। हर की पौड़ी भारत के सबसे पवित्र घाटों में एक है। कहा जाता है कि यह घाट विक्रमादित्य ने अपने भाई भतृहरि की याद में बनवाया था। यहीं पर हर शाम हजारों दीपकों के साथ गंगा की आरती की जाती है। हर की पौड़ी के पीछे के बलवा पर्वत की चोटी पर मनसादेवी का मंदिर बना है। मंदिर तक जाने के लिए पैदल रास्ता है। मंदिर जाने के लिए रोप-वे भी है।

शिवगिरि महादेव, बीजापुर शिवपुर (कर्नाटक)
ऊंचाई लगभग 85 फुट

शिवगिरि महादेव की यह विशालकाय मूर्ति लगभग 85 फुट ऊंची है, जो बीजापुर जिले के शिवपुर स्थान पर सन् 2006 में स्थापित की गई थी। शिव की यह बैठी हुई प्रतिमा 2011 में स्थापित की गई है।

कैलाशनाथ महादेव, सांगा, जिला भक्तापुर (नेपाल)
ऊंचाई लगभग 143 फुट

विश्व में शिव की सबसे ऊंची मूर्ति नेपाल के चित्तपोल सांगा जिला भक्तापुर में स्थित है। खड़ी मुद्रा में इस मूर्ति का निर्माण कार्य 2004 में शुरू हुआ था और 2010 में यह मूर्ति बनकर तैयार हुई और 21 जून 2011 को इस मूर्ति का अनावरण किया गया। इस मूर्ति को धनराज जैन परिवार ने लगभग 11 करोड़ की लागत से बनवाया था। श्री मनुराम वर्मा और नरेश कुमार वर्मा मूर्तिकार थे। इस मंदिर की विशालता को देखना बहुत अद्भुत है।

नागेश्वर महादेव दारुकावन (गुजरात)
ऊंचाई 82 फुट

12 ज्योतिर्लिंगों में से गुजरात में 2 ज्योतिर्लिंग हैं- एक सोमनाथ महादेव और दूसरे नागेश्वर महादेव। यह मंदिर पहले बहुत छोटा था लेकिन बाद में इस मंदिर को भव्य रूप दिया टी सीरिज के निर्माता गुलशन कुमार ने। मंदिर प्रांगण के बाहर भगवान शिव की विशालकाय मूर्ति भूतल से 82 फुट ऊंची और चौड़ाई में 25 फुट चौड़ी है। इतनी ही ऊंचाई लिए एक मूर्ति मध्यप्रदेश के ओंकारेश्वर में भी स्थापित है। ओंकारेश्वर में 12 ज्योतिर्लिंगों में से 1 लिंग है, यहीं पर ममलेश्वर महादेव का मंदिर भी है।

कचनार महादेव, जबलपुर (मध्यप्रदेश)
ऊंचाई 76 फुट

मध्यप्रदेश के जबलपुर जिले के कचनार शहर में शिव मंदिर के पास स्थापित इस मूर्ति की ऊंचाई 76 फुट है। यहीं पर 12 ही ज्योतिर्लिंगों की प्रतिकृतियां बनाई गई हैं। जबलपुर भेड़ाघाट वॉटर फाल, 64 योगिनी मंदिर और कान्हा नेशनल पार्क के लिए प्रसिद्ध है।

कैम्प फोर्ट शिव मूर्ति, एयरपोर्ट रोड, बेंगलुरु (कर्नाटक)
ऊंचाई 65 फुट

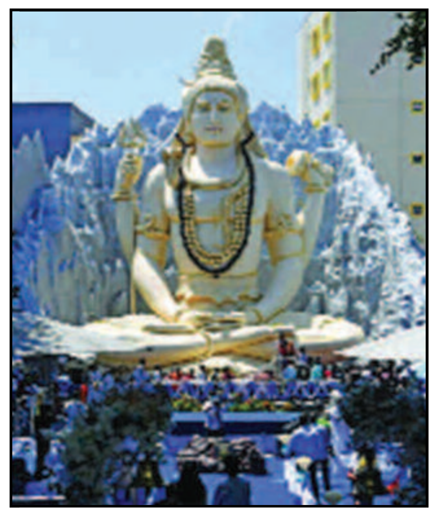

65 फुट ऊंची इस मूर्ति की स्थापना 1995 में हुई थी। इस मूर्ति में भगवान शिव पद्मासन की अवस्था में विराजमान हैं। इस मूर्ति की पृष्ठभूमि में कैलाश पर्वत, भगवान शिव का निवास स्थल तथा प्रवाहित हो रही गंगा नदी है।

बेलीश्वर महादेव, भंजनगर, जिला गंजम (ओडिशा)
ऊंचाई 61 फुट

भारतीय राज्य ओडिशा के भंजनगर में स्थित चंद्रशेखर महादेव मंदिर के पास स्थापित इस मूर्ति की ऊंचाई लगभग 61 फुट है। 6 मार्च 2013 को इस मूर्ति का अनावरण किया गया था।

नामची शिव प्रतिमा (सिक्किम)
ऊंचाई- लगभग 108 फुट

नामची शहर में पहाड़ी पर विराजित शिव प्रतिमा चारधाम यानी बद्रीनाथ, रामेश्वरम, द्वारका और पुरी के मंदिरों के प्रतिरूप में रूप में देखने को मिलती है। यहां बनी शिव की मूर्ति 108 फुट ऊंची है। इसे सिद्धेश्वर धाम तथा किरातेश्वर महादेव के नाम से जाना जाता है। यह सिक्किम के गंगटोक से 92 किलोमीटर की दूरी पर है तथा इस मंदिर में 12 ज्योतिर्लिंगों को भी दर्शाया गया है।

मंगल महादेव, हरियाणा
ऊंचाई- 101 फुट

हरियाणा में मंगल महादेव की विशाल प्रतिमा है। यह दिल्ली से जिसकी ऊंचाई करीब 101 फुट है। शिवरात्रि के साथ ही आम दिनों में भी यहां भक्तों की उतनी ही भीड़ देखने को मिलती है।

सोने में रिकॉर्ड तोड़ उछाल, एक सप्ताह में 7,960 रुपए तक महंगा हुआ सोना

- दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1.63 लाख प्रति 10 ग्राम के पार, मुंबई में भी कीमतें 1.63 लाख से अधिक

नई दिल्ली ।

पिछले एक सप्ताह में देश भर में सोने की कीमतों में अप्रत्याशित वृद्धि दर्ज की गई है। 24 कैरेट सोने की कीमत में प्रति 10 ग्राम में भारी उछाल आया है, जबकि अन्य कैरेट के सोने में भी उल्लेखनीय बढ़ोतरी देखी गई है। यह तेजी वैश्विक और घरेलू दोनों बाजारों में सोने की मांग में वृद्धि का परिणाम है। देश के कई शहरों में पिछले एक सप्ताह के दौरान सोने की कीमतों में जोरदार तेजी देखी गई है। 24 कैरेट वाले सोने की कीमत में प्रति 10 ग्राम 7,960 रुपये तक का इजाफा हुआ है। इसी अवधि में, 22 कैरेट गोल्ड 7,300 रुपये और 18 कैरेट सोने की कीमत में 5,970 रुपये प्रति 10 ग्राम की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। रे विवार को राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट वाले सोने की कीमत 1.63 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम के पार हो चुकी है। मुंबई में भी इसकी कीमत 1,63,090 रुपये प्रति 10 ग्राम रही। अंतरराष्ट्रीय बाजार में हाजिर सोना 4,600.91 डॉलर प्रति औंस के आसपास कारोबार कर रहा है, जो वैश्विक स्तर पर कीमतों में मजबूती का संकेत देता है। आंकड़ों के अनुसार 16 अगस्त को जहां 24 कैरेट सोना 1,55,280 रुपये प्रति 10 ग्राम था, वहीं 23 अगस्त को यह 1,63,240 रुपये पर पहुंच गया। इसी तरह 22 कैरेट सोना 1,42,350 रुपये से बढ़कर 1,49,650 रुपये और 18 कैरेट सोना 1,16,500 रुपये से बढ़कर 1,22,470 रुपये हो गया है। यह उछाल निवेशकों के लिए सोने को एक सुरक्षित निवेश विकल्प के रूप में दर्शाता है।

शीर्ष 10 में से 4 कंपनियों का मार्केट कैप 87,960 करोड़ घटा

भारती एयरटेल को सर्वाधिक 28,052 करोड़ का नुकसान; एलआईसी और रिलायंस में बढ़त

मुंबई ।

स्थानीय शेयर बाजार में बीते सप्ताह जारी नरमी के बीच शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से चार के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में सामूहिक रूप से 87,960.29 करोड़ रुपये की गिरावट दर्ज की गई, जिसमें दूरसंचार दिग्गज भारती एयरटेल को सर्वाधिक नुकसान उठाना पड़ा है। बीते सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 468.42 अंक यानी 0.60 प्रतिशत नीचे आया, वहीं एनएसई निफ्टी में भी 114 अंक की गिरावट रही। इस बाजार गिरावट का सबसे बड़ा शिकार भारती एयरटेल रही, जिसका बाजार पूंजीकरण 28,052.96 करोड़ रुपये घट गया। इसके अलावा, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का मूल्यांकन 22,070.34 करोड़ रुपये कम हुआ, जबकि भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के मार्केट कैप में 20,861.20 करोड़ रुपये और हिंदुस्तान यूनिलीवर की बाजार हैसियत में 16,975.79 करोड़ रुपये की कमी आई। हालांकि इस नकारात्मक रुख के उलट छह कंपनियों ने अपने बाजार पूंजीकरण में वृद्धि दर्ज की। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) का बाजार पूंजीकरण 12,650 करोड़ रुपये बढ़कर 5,35,980.31 करोड़ रुपये हो गया। वहीं, रिलायंस इंडस्ट्रीज ने 8,119.53 करोड़ रुपये की बढ़त हासिल कर अपना शीर्ष स्थान बरकरार रखा। लार्सन एंड टुब्रो के मार्केट कैप में 3,487.83 करोड़ रुपये, बजाज फाइनेंस में 3,424.28 करोड़ रुपये, आईसीआईसीआई बैंक में 752.47 करोड़ रुपये और एचडीएफसी बैंक में 356.95 करोड़ रुपये की वृद्धि दर्ज की गई। बाजार पूंजीकरण के लिहाज से रिलायंस इंडस्ट्रीज अभी भी देश की सबसे मूल्यवान कंपनी बनी हुई है।

कच्चे तेल में उछाल, भारत में ईंधन की कीमतें स्थिर

ब्रेंट क्र ड 94.39 प्रति बैरल, पेट्रोल और डीजल के दाम स्थिर

नई दिल्ली । अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं, ब्रेंट क्रूड रे विवार को 0.65 फीसदी की तेजी के साथ 94.39 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया है। हालांकि, भारतीय उपभोक्ताओं के लिए राहत की बात यह है कि देश में पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की कीमतों में फिलहाल कोई बढ़ोतरी नहीं हुई है। राजधानी दिल्ली में रे विवार को पेट्रोल 102.12 रुपये प्रति लीटर और डीजल 95.20 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर बना हुआ है। नोएडा में पेट्रोल 102.12 रुपये और डीजल 95.56 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है। गुरुग्राम में पेट्रोल 102.97 रुपये और डीजल 95.64 रुपये प्रति लीटर पर है। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में पेट्रोल 114.57 रुपये और डीजल 99.64 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है।

वैश्विक कारकों से तय होगी शेयर बाजार की चाल

ईरान-अमेरिका संघर्ष और पश्चिम एशिया में अनिश्चितता भी वैश्विक बाजारों को प्रभावित करेगी

मुंबई।

पिछले सप्ताह प्रमुख सूचकांकों में गिरावट झेलने के बाद भारतीय शेयर बाजार आगामी सप्ताह में वैश्विक कारकों से प्रभावित रहेगा। निवेशकों की नजर खास तौर पर पश्चिम एशिया के भू-राजनीतिक तनाव और कच्चे तेल की कीमतों पर रहेगी।

ईरान और अमेरिका के बीच 60 दिन की अस्थायी युद्ध विराम अवधि समाप्त होने और कोई नया समझौता न होने से अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम एक बार फिर 90 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर पहुंच गए हैं। आगामी सप्ताह भारतीय शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव के बीच सीमित दायरे में कारोबार देखने को मिल सकता है।

बाजार की चाल मुख्यतः वैश्विक संकेतों, पश्चिम एशिया के तनाव, कच्चे तेल की कीमतों और अमेरिकी बॉन्ड यील्ड पर निर्भर करेगी। ईरान-अमेरिका संघर्ष और पश्चिम एशिया में अनिश्चितता वैश्विक बाजारों को प्रभावित करेगी।

ब्रेंट क्रूड की ऊंची कीमतें भारतीय अर्थव्यवस्था और बाजार पर दबाव बना रही हैं। अमेरिकी बाजारों का मिला-जुला रुख और बॉन्ड यील्ड में उतार-चढ़ाव निवेशकों को सतर्क रखेंगे।

चुनिंदा मिडकैप, स्मॉलकैप,

डिफेंस या बैंकिंग शेयरों में खरीदारी का रुझान दिख सकता है। निफ्टी और सेंसेक्स के एक निश्चित दायरे में रहने की उम्मीद है, इसलिए आक्रामक लॉन्ग पोजीशन लेते समय स्टॉप-लॉस का कड़ाई से पालन करें। ऊपरी स्तरों पर मुनाफावसूली की संभावना है, अतः केवल गुणवत्ता वाले शेयरों में ही निवेश करें।

अगले हफ्ते 50 से अधिक कंपनियां निवेशकों को बांटेंगी मुनाफा

एक शेयर पर 60 रुपए तक कमाने का मौका

नई दिल्ली।

आने वाला सप्ताह शेयर बाजार में निवेशकों के लिए लाभांश (डिविडेंड) से कमाई का एक खास अवसर लेकर आ रहा है। 24 से 28 अगस्त के बीच कई प्रमुख कंपनियां अपने शेयरों को एक्स-डिविडेंड करेंगी, जिससे निवेशकों को इन लाभांश का लाभ उठाने के लिए सही रणनीति अपनानी होगी। यह अवधि उन निवेशकों के लिए अहम है जो लाभांश से होने वाली आय में दिलचस्पी रखते हैं। इस विशेष सूची में जिलेट इंडिया, दीपक फर्टिलाइजर्स, पावर फाइनेंस कॉरपोरेशन (पीएफसी), प्रॉक्टर एंड गैंबल हेल्थ, मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज ऑफ इंडिया, एनबीसीसी, पॉली मेडिक्योर और वर्धमान टेक्सटाइल्स जैसी प्रमुख कंपनियां शामिल हैं। इन कंपनियों ने अपने निवेशकों के लिए 0.05 से लेकर 60 रुपए प्रति शेयर तक के लाभांश की घोषणा की है। लाभांश का लाभ उठाने के लिए निवेशकों को एक्स-डिविडेंड डेट और रिकॉर्ड डेट्स को समझना अत्यंत आवश्यक है। मार्केट एक्सपर्ट्स के अनुसार, इन निर्धारित तारीखों के बाद खरीदे गए शेयरों पर आमतौर पर मौजूदा लाभांश का अधिकार नहीं मिलता। निवेशकों को केवल उच्च लाभांश राशि को देखकर ही निवेश नहीं करना चाहिए।

एसबीआई का कारोबार 2030 तक 200 लाख करोड़ पहुंचने का अनुमान

बैंक चेयरमैन ने मौजूदा वृद्धि दर और अर्थव्यवस्था के प्रदर्शन से जोड़ा अनुमान

नई दिल्ली।

देश के सबसे बड़े ऋणदाता भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) का कुल कारोबार वर्ष 2030 तक 200 लाख करोड़ रुपए के विशाल आंकड़े को छू सकता है। बैंक के चेयरमैन सीएस. शेट्टी ने यह अनुमान मौजूदा वृद्धि दर और भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूत गति के आधार पर व्यक्त किया है, जो बैंक के 75वें स्थापना दिवस के करीब एक बड़ी उपलब्धि होगी। चेयरमैन शेट्टी ने एक साक्षात्कार में बताया कि यदि भारतीय अर्थव्यवस्था 7-8 प्रतिशत की दर से बढ़ती है, तो एसबीआई के बही-खाते में सालाना 11-12 प्रतिशत की वृद्धि हो सकती है, जिससे बैंक का कारोबार लगभग हर छह साल में दोगुना हो जाएगा। जून 2023 के अंत में एसबीआई का कुल कारोबार 110.01 लाख करोड़ रुपए था। उन्होंने स्पष्ट किया कि 200 लाख करोड़ रुपए का आंकड़ा कोई औपचारिक लक्ष्य नहीं, बल्कि मौजूदा रुझानों पर आधारित एक संभावित स्तर है। एसबीआई ने अपने 'दृष्टिकोण 2030' के तहत ग्राहकों, कर्मचारियों, शेयरधारकों तथा सरकार और नियामकों को प्राथमिकता दी है। बैंक कृषि, सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम (एमएसएमई) और ग्रामीण अर्थव्यवस्था जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों को समर्थन देने के साथ-साथ बचत जुटाने में भी अग्रणी भूमिका निभाएगा। पूंजी के मोर्चे पर, बैंक साझा इक्विटी टियर-1 (सीईटी1) अनुपात लगभग 12 प्रतिशत और पूंजी पर्याप्तता अनुपात (सीआरएआर) लगभग 15 प्रतिशत बनाए रखने का लक्ष्य रखता है।

त्योहारों से पहले खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव सस्ते आयातित मजबूत, महंगे देसी नरम

- घरेलू तेल 20-24 रुपए प्रति किलो महंगे होने से मांग प्रभावित, आयातित तेलों की धूम

नई दिल्ली ।

आगामी त्योहारों के मद्देनजर बीते सप्ताह खाद्य तेल बाजार में मिला-जुला रुख देखने को मिला। देशी तेलों के मुकाबले 20-24 रुपए प्रति किलो सस्ता होने के कारण सोयाबीन तेल, कच्चे पामतेल (सीपीओ) और पामोलीन जैसे आयातित खाद्य तेलों के दाम मजबूत हुए। वहीं ऊंचे दाम के चलते घरेलू सरसों तेल-तिलहन और सोयाबीन तिलहन में गिरावट दर्ज की गई।

बाजार सूत्रों के अनुसार देशी तेलों की तुलना में सस्ता होने से आगामी त्योहारों में मांग बढ़ने के कारण आयातित सोयाबीन तेल, सीपीओ और पामोलीन के दाम मजबूत रहे। विदेश में मजबूती के बावजूद आयातक इन्हें लागत से नीचे बेच रहे हैं, जिससे इनकी औद्योगिक मांग बढ़ी है। दूसरी ओर ऊंचे दाम के चलते लिवाली प्रभावित रहने से सरसों तेल-तिलहन के दाम मामूली रूप से गिरे। सोयाबीन संयंत्रों द्वारा खरीद मूल्य घटाए जाने से सोयाबीन तिलहन में भी गिरावट आई। मूंगफली तेल-तिलहन के दाम ऊंचे भाव पर कमजोर मांग के बीच स्थिर बने रहे। बिनौला तेल की उपलब्धता कम होने और ब्रांडेड कंपनियों की औद्योगिक मांग बढ़ने से इसके दाम में सुधार देखा गया। सूत्रों ने बताया कि बीते सप्ताह सरसों दाना 50 रुपये की गिरावट के साथ 8,250-8,300 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। इसी प्रकार सरसों तेल दादरी 50 रुपये की गिरावट के साथ 16,700 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल भी क्रमशः 5-5 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 2,720-2,820 रुपये और 2,720-2,870 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाना और सोयाबीन लूज का थोक भाव क्रमशः 125-125 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 6,775-6,825 रुपये और 6,625-6,725 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

दूसरी ओर, दिल्ली में सोयाबीन तेल 125 रुपये के सुधार के साथ 15,800 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन इंदौर तेल 125 रुपये के सुधार के साथ 15,650 रुपये और सोयाबीन डीगम तेल 200 रुपये के सुधार के साथ 12,200 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। बीते सप्ताह मूंगफली तिलहन का दाम 7,350-7,925 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 17,000 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल 2,680-2,980 रुपये प्रति टिन पर स्थिर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सीपीओ तेल का दाम भी 250 रुपये के सुधार के साथ 13,950 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

पामोलीन दिल्ली 275 रुपये के सुधार के साथ 15,850 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल 275 रुपये के सुधार के साथ 14,600 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। ब्रांडेड कंपनियों की औद्योगिक मांग बढ़ने और उपलब्धता कम रहने के बीच बिनौला तेल का दाम 25 रुपये के सुधार के साथ 17,125 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

महिंद्रा लाइफस्टाइलर पिकअप से वैश्विक बाजार में बढ़ाएगी मौजूदगी

कंपनी कई देशों में उतारेगी नया मॉडल, भारत में 2027 में होगा लॉन्च

नई दिल्ली

घरेलू वाहन विनिर्माता महिंद्रा एंड महिंद्रा (एमएंडएम) अपने नए पिकअप वाहन स्कॉर्पियो लाइफस्टाइलर के साथ वैश्विक बाजारों में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराने की तैयारी में है। कंपनी का लक्ष्य दक्षिण अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया, पश्चिम एशिया और लातिनी अमेरिका जैसे प्रमुख बाजारों में इस मॉडल को उतारना है। महिंद्रा के एक कार्यकारी अधिकारी ने बताया कि यह वाहन भारत में अप्रैल 2027 में स्कॉर्पियो लाइफस्टाइलर नाम से पेश किया जाएगा, जबकि अंतरराष्ट्रीय बाजारों में इसे महिंद्रा लाइफस्टाइलर के नाम से जाना जाएगा। उन्होंने जोर दिया कि इस पिकअप को विशेष रूप से वैश्विक जरूरतों को ध्यान में रखकर डिजाइन किया गया है और यह कंपनी की वैश्विक विकास रणनीति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। उन्होंने दक्षिण-पूर्व एशियाई

(आसियान) बाजारों में भी इसकी संभावनाओं का जिक्र किया, जहां कंपनी नए उत्पादों के साथ अपनी पैठ बढ़ाना चाहती है। कंपनी फिलहाल इंडोनेशिया को छोड़कर आसियान क्षेत्र के अन्य बाजारों में मौजूद नहीं है।

टाटा स्टारबक्स अपने स्टोर की संख्या बढ़ाने की तैयारी में

मुंबई ।

भारत में कॉफी चेन स्टारबक्स एक बार फिर आक्रामक विस्तार रणनीति अपनाने जा रही है। टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लि. (टीसीपीएल) के एक अधिकारी ने बताया कि पिछले डेढ़-दो साल में कारोबारी मॉडल को नए सिरे से तैयार करने के बाद कंपनी को कारोबार में स्पष्ट सुधार के संकेत मिले हैं, जिसके चलते अब स्टोर खोलने की रफ्तार बढ़ाई जाएगी। टाटा स्टारबक्स ने लगातार चार तिमाहियों में समान स्टोर बिक्री में वृद्धि दर्ज की है और अब बिक्री में तेजी भी दिख रही है। वर्तमान में भारत में करीब 500 स्टारबक्स कैफे संचालित करने वाली टाटा स्टारबक्स की योजना अब मौजूदा लगभग 80 शहरों में ही स्टोर की संख्या (घनत्व) बढ़ाने पर है, न कि केवल नए शहरों में पहुंचने पर। डिसूजा ने बताया कि कंपनी ने पिछले दो वर्षों में स्टोर के आकार, प्रति स्टोर पूंजीगत खर्च और पेय पदार्थों की कीमतों सहित अपने पूरे कारोबारी मॉडल की समीक्षा की है, ताकि इसे अधिक टिकाऊ बनाया जा सके। जून तिमाही में टाटा स्टारबक्स का राजस्व 11 प्रतिशत बढ़ा और इस दौरान चार नए स्टोर भी खोले गए, जिनमें दो रिजर्व स्टोर शामिल हैं। टीसीपीएल के अधिकारी ने जून में कहा था कि टाटा स्टारबक्स की दीर्घावधि महत्वाकांक्षा चीन के स्तर (लगभग 8,000 स्टोर) तक पहुंचने की है।

एफपीआई ने अगस्त में अब तक शेयर बाजार में डाले 23,544 करोड़

इस वर्ष अब तक विदेशी निवेशक शेयरों में 2,30,000 करोड़ से अधिक की बिकवाली कर चुके

नई दिल्ली।

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने अगस्त में भारतीय शेयर बाजार में अपनी लिवाली तेज कर दी है, इस महीने अब तक 23,544 करोड़ रुपये का बड़ा निवेश किया है।

जुलाई में किए गए 20,200 करोड़ रुपये के निवेश के बाद यह लगातार दूसरे महीने की लिवाली है, जो चार महीनों की भारी बिकवाली के बाद विदेशी निवेशकों के रुख में एक महत्वपूर्ण बदलाव को दर्शाता है। कंपनियों के बेहतर तिमाही नतीजों, रुपये की स्थिरता और बाजार की मजबूत संभावनाओं ने निवेशकों का भरोसा बढ़ाया है। सीडीएसएल के आंकड़ों के अनुसार, एफपीआई ने जून से मार्च तक लगातार चार महीनों में भारी पूंजी निकाली थी। हालांकि, हाल की इस खरीदारी के बावजूद, इस वर्ष अब तक विदेशी निवेशक भारतीय शेयरों में 2,30,000 करोड़ रुपये से अधिक की शुद्ध बिकवाली कर चुके हैं, जो पिछले वर्ष की कुल निकासी से भी अधिक है। बाजार के जानकारों ने बताया कि पहली तिमाही के बेहतर कॉर्पोरेट नतीजे, रुपये की स्थिरता और व्यापक

बाजार की मजबूत वृद्धि संभावनाएं एफपीआई की वापसी के मुख्य कारण हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि विदेशी निवेशक बड़े बैंकिंग और आईटी शेयरों के बजाय, अपेक्षाकृत ऊंचे मूल्यांकन के बावजूद चुनिंदा मझोली कंपनियों के शेयरों में पैसा लगा रहे हैं। आगे चलकर बाजार की दिशा कच्चे तेल की कीमतों और अमेरिका-ईरान के बीच भू-राजनीतिक तनाव जैसे वैश्विक घटनाक्रमों से प्रभावित होगी, जिस पर निवेशकों की पैनी नजर रहेगी।

टैरिफ वॉरः अमेरिका पर कनाडा का पलटवार, पीएम कार्नी बोले हम पर हमला हुआ

ट्रंप प्रशासन की अंतिम पेशकश नामंजूरः एक साल से ज्यादा चली बातचीत टूटी

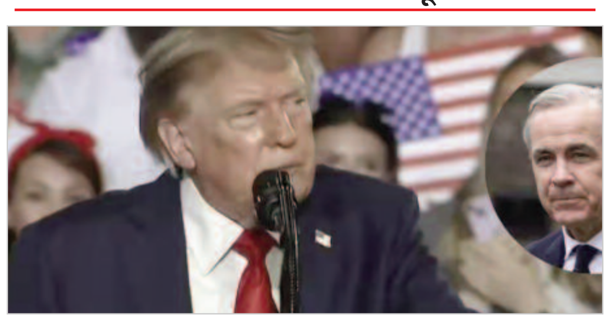

नई दिल्ली ।

अमेरिका और कनाडा के बीच चल रहा व्यापार विवाद अब खुलकर टैरिफ वॉर में बदल गया है। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने अमेरिका के खिलाफ जवाबी शुल्क लगाने का ऐलान किया। उन्होंने कहा कि 8 सितंबर से कनाडा अमेरिकी सामान पर 'डॉलर के बदले डॉलर' के हिसाब से टैरिफ लगाएगा। कार्नी ने टेलीविजन पर कहा कि जब किसी देश पर हमला होता है तो वह युद्ध की स्थिति में होता है और कनाडा पर भी एक तरह से हमला हुआ है। कनाडा के नए जवाबी शुल्क डेयरी उत्पाद, स्टील, घरेलू उपकरण, खेती में इस्तेमाल होने वाले उपकरण, इलेक्ट्रॉनिक्स और पल्प एवं पेपर सहित कई अमेरिकी सामानों पर लागू होंगे। दूसरी तरफ, अमेरिका ने शनिवार की शुरुआत में कनाडा के सामान पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाया था, जिसमें हॉकी स्टिक सहित औद्योगिक सामान शामिल थे। कार्नी ने बताया कि कनाडा अमेरिकी एल्युमिनियम, स्टील और मोटर वाहनों पर मौजूदा जवाबी टैरिफ हटाने को तैयार था। लेकिन ट्रंप प्रशासन की अंतिम पेशकश स्वीकार्य नहीं थी, क्योंकि अमेरिका ने बहुत ज्यादा मांग की और बदले में बहुत कम देने की पेशकश की। कार्नी ने स्पष्ट किया कि कनाडा अपनी संप्रभुता से समझौता नहीं करेगा। एक साल से ज्यादा समय से चली आ रही बातचीत बेनतीजा रही, जिसके बाद कार्नी ने बातचीत रोकने का फैसला किया।

कार्नी ने आरोप लगाया कि बातचीत के आखिरी दौर में अमेरिका ने अपनी शर्तों में बदलाव कर दिया, जिससे कनाडा में बने वाहनों को मिलने वाली टैरिफ रियायतें कम हो जातीं और उसकी संप्रभुता पर भी असर पड़ता। उनके मुताबिक, दोनों देशों के बीच पुराने जैसे रिश्ते अब नहीं रहेंगे।

यूपीआई ग्राहकों की जेब सुरक्षित! एमडीआर का बोझ रोकने की तैयारी

आरबीआई के पुराने नियम का सहारा, डेबिट कार्ड मॉडल पर बनेगी नई नीति, छोटे दुकानदारों के लिए यूपीआई रहेगा मुफ्त

नई दिल्ली

देश में यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) का इस्तेमाल करने वाले करोड़ों लोगों के लिए एक अच्छी खबर है। सरकार और नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपलसीआई) एक ऐसी योजना पर काम कर रहे हैं, जिससे यूपीआई पर लागू होने वाले मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) का बोझ ग्राहकों की जेब पर न पड़े। इसके लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के उस पुराने नियम को आधार बनाया जा सकता है, जो डेबिट कार्ड से भुगतान पर दुकानदारों को ग्राहकों से अतिरिक्त शुल्क लेने से रोकता है। चूंकि यूपीआई पिछले छह सालों से मुफ्त है, इसलिए इस तरह के नियम की आवश्यकता नहीं पड़ी थी। लेकिन अब जब बड़े व्यापारियों पर शुल्क लगाने की चर्चाएं हो रही हैं, तो इस बात का डर है कि व्यापारी इसे ग्राहकों से वसूलना शुरू न कर दें। इसी आशंका को दूर करने के लिए एनपीसीआई अपने यूपीआई सर्कुलर में भी डेबिट कार्ड वाले नियम की तरह एक क्लॉज जोड़ने पर विचार कर रहा है। दिसंबर 2017 में आरबीआई ने डेबिट कार्ड के लेनदेन पर बैंकों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया था कि दुकानदार यह शुल्क ग्राहकों से न वसूलें। यूपीआई पर इस नियम को लागू कराने की अंतिम जिम्मेदारी आरबीआई की ही होगी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और पेमेंट्स काउंसिल ऑफ इंडिया (पीसीआई) पहले ही यह स्पष्ट कर चुके हैं कि यदि यूपीआई पर एमडीआर लागू होता भी है, तो वह सिर्फ व्यापारियों के लिए होगा, आम ग्राहकों के लिए नहीं। इसके अलावा, छोटे दुकानदारों को इस दायरे से बाहर रखा जाएगा और उनके लिए यूपीआई सेवाएं मुफ्त ही रहेंगी।

गैजेट नोटिफिकेशन आने के बाद एनपीसीआई और यूपीआई स्टीयरिंग कमेटी मिलकर एमडीआर का ढांचा तय करेंगी। हालांकि, कागजों पर नियम बनाना आसान है, लेकिन इसे जमीन पर उतारना चुनौती भरा होगा। फिनटेक इंडस्ट्री से जुड़े लोगों का मानना है कि बैंकों के लिए इसे लागू कराना मुश्किल होगा। यदि कोई दुकानदार ग्राहक से जबरन शुल्क वसूलता है, तो बैंक तभी कार्रवाई करेंगे जब ग्राहक शिकायत दर्ज कराएगा।

भारत का दक्षिण अमेरिका पर फोकस, व्यापार विस्तार को वाणिज्य सचिव की हरी झंडी

चिली से वृहद समझौता, अर्जेंटीना व ब्राजील संग मर्कोसुर पीटीए विस्तार एजेंडे में

नई दिल्ली ।

भारत अपनी व्यापार विविधीकरण रणनीति के तहत दक्षिण अमेरिकी देशों के साथ आर्थिक संबंधों को गहरा करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। इसी क्रम में वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल 24 से 28 अगस्त तक चिली, अर्जेंटीना और ब्राजील की यात्रा करेंगे, जहां वे प्रमुख व्यापार समझौतों की समीक्षा और विस्तार पर चर्चा करेंगे। यह दौरा इन तेजी से बढ़ते बाजारों में भारत की पहुंच बढ़ाने की महत्वपूर्ण पहल है। यात्रा के दौरान अग्रवाल चिली के साथ प्रस्तावित वृहद आर्थिक साझेदारी समझौते (सीईपीए) की प्रगति का मूल्यांकन करेंगे, जो अंतिम चरण में है। बाजार पहुंच और महत्वपूर्ण खनिज जैसे मुद्दे लंबित हैं। यह समझौता 2006 के तरजीही व्यापार समझौते का स्थान लेगा और डिजिटल सेवाओं व निवेश को भी शामिल करेगा। 2025-26 में भारत-चिली व्यापार 66.45 प्रतिशत बढ़कर 6.25 अरब डॉलर (रुपए) हो गया, जो सबसे तेज वृद्धि है। अर्जेंटीना और ब्राजील के साथ बैठकों में भारत-मर्कोसुर तरजीही व्यापार समझौते के दायरे को व्यापक बनाने पर विचार किया जाएगा, जिसमें वर्तमान में केवल लगभग 450 शुल्क लाइनें शामिल हैं।

ब्राजील के साथ विश्व व्यापार संगठन में चल रहे चीनी विवाद पर भी चर्चा की उम्मीद है। ये देश चीन पर निर्भरता कम करने के विकल्प तलाश रहे हैं, जिससे भारत के लिए नए व्यापारिक अवसर खुलेंगे। 2025-26 में अर्जेंटीना के साथ भारत का व्यापार 5.96 अरब डॉलर (रुपए) और ब्राजील के साथ 15 अरब डॉलर (रुपए) रहा। यह पहल नए बाजारों की तलाश और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में विविधता लाने की भारत की व्यापक रणनीति का अहम हिस्सा है।

संक्षिप्त समाचार

2000 से ज्यादा ह्यूमनॉइड रोबोट दिखा रहे इंसानों जैसा करतब; हैरान हुए दर्शक

बीजिंग , एजेंसी। बीजिंग में दूसरे वर्ल्ड ह्यूमनॉइड रोबोट गेम्स यानी 'रोबोट ओलंपिक' की शुरुआत हो गई है। पांच दिन चलने वाले इस आयोजन में 16 देशों की 650 से अधिक टीमें हिस्सा ले रही हैं। 2,000 से ज्यादा ह्यूमनॉइड रोबोट फुटबॉल, टेनिस, बॉक्सिंग, बैडमिंटन और एथलेटिक्स जैसे खेलों में अपनी क्षमता दिखा रहे हैं। चीन की राजधानी बीजिंग में शनिवार से दूसरे वर्ल्ड ह्यूमनॉइड रोबोट गेम्स (रोबोट ओलंपिक) की शुरुआत हो गई है। इस पांच दिवसीय आयोजन में 16 देशों के 650 से अधिक टीमों के 2,000 से ज्यादा ह्यूमनॉइड रोबोट हिस्सा ले रहे हैं। ह्यूमनॉइड के इस ओलंपिक में रोबोट्स के बीच दौड़, फुटबॉल, टेबल टेनिस, एथलेटिक्स, किकबॉक्सिंग जैसे विभिन्न खेल मुकाबले व औद्योगिक गतिविधियां हो रही हैं। पहले दिन 4,00 मीटर और 1,500 मीटर जैसी दौड़ पूरी तरह से स्वायत्त श्रेणी में हुईं, जहां रोबोट्स बिना रिमोट कंट्रोल के दौड़े। वी आर चाइना की रिपोर्ट्स के मुताबिक, उद्घाटन के मौके पर रोबोट्स ने किसी आर्मी परेड की तरह बिल्कुल एक कतार और तालमेल में मार्च-पास्ट किया। चीनी ह्यूमनॉइड रोबोट गैलबॉट ने जब लॉन टेनिस के लिए जोरदार डाइव लगाई तो यह नजारा देख दर्शक हैरान रह गए।

मान्सी लाथर ने जीता रजत, तन्वी और कोमल ने कांस्य पदक पर जमाया कब्जा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय महिला पहलवानों ने अंडर-20 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए तीन पदक जीते। मान्सी लाथर ने 68 किग्रा में रजत, जबकि तन्वी मगदूम और कोमल ने 57 व 59 किग्रा वर्ग में कांस्य पदक हासिल किया। भारतीय महिला पहलवानों ने अंडर-20 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए तीन और पदक अपने नाम कर लिए। मान्सी लाथर ने 68 किलोग्राम भारवर्ग में रजत पदक जीता, जबकि तन्वी मगदूम और कोमल ने क्रमशः 57 और 59 किलोग्राम वर्ग में कांस्य पदक हासिल किए।

मंसी लाथर को रजत पदक

68 किलोग्राम भारवर्ग के स्वर्ण पदक मुकाबले में मान्सी लाथर को चीन की चेनलिंग सॉन्ग के खिलाफ बेहद करीबी मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा। मान्सी को इस मुकाबले में 1-2 से शिकस्त मिली। इस तरह उन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा।

तन्वी ने 10-4 से दर्ज की जीत

57 किलोग्राम भारवर्ग के कांस्य पदक मुकाबले में तन्वी मगदूम ने कनाडा की अग्निया क्राकोव्स्का को 10-4 से हराया। इस जीत के साथ तन्वी ने प्रतियोगिता में कांस्य पदक अपने नाम किया।

बायर्न म्यूनिख ने जीता खिताब, फाइनल में बोरुसिया डॉर्टमुंड को 2-1 से हराया

डॉर्टमुंड, एजेंसी। बायर्न म्यूनिख ने बोरुसिया डॉर्टमुंड को 2-1 से हराकर सीजन का पहला जर्मन सुपरकप (फ्रांज बेकनबाउर सुपरकप) जीता। जमाल मुसियाला और सर्ज ग्नाब्री के बाहर होने पर, बायर्न के कोच विंसेंट कोम्पनी ने नए खिलाड़ी डिफेंडर नैथेनियल ब्राउन को नंबर 10 रोल में भेजा। 23 साल के खिलाड़ी ने 28वें मिनट में गोल करके कोच के भरोसे को सही साबित किया। जोशुआ किमिच ने माइकल ओलिस की ओर एक लंबी गेंद भेजी, जिन्होंने एरिया के किनारे पर डॉर्टमुंड के डिफेंस को रोककर ब्राउन को बॉल दी। जर्मनी के इंटरनेशनल खिलाड़ी ने कोई गलती नहीं की, और गोलकीपर ग्रेगर कोबेल को छकाते हुए बायर्न के लिए अपना पहला प्रतियोगी गोल किया। पहले हाफ के स्टॉपेज टाइम में विजिटर्स ने अपनी बढ़त दोगुनी कर ली। जोबे बेलिंगहैम ने अपने ही हाफ में पजेशन खो दिया। ओलिस गेंद लेकर पेनल्टी एरिया में दौड़े और शांति से कोबेल के पार नीचे-बाएं कोने में गोल कर दिया। ब्रेक के बाद डॉर्टमुंड ने कई अटैकिंग सब्स्टीट्यूशन किए और 75वें मिनट में उन्हें इसका इनाम मिला जब सब्स्टीट्यूट फैबियो सिल्वा ने गोल किया। आखिरी स्टेज में दोनों टीमों ने तेजी से काउंटरअटैक किए। मैक्सिमिलियन बेयर के पास बराबरी करने का अच्छा मौका था लेकिन उन्होंने एक शॉट ऊपर मार गोल का मौका गंवा दिया और बायर्न ने जीत पक्की कर ली। इस जीत ने बायर्न को रिकॉर्ड 12वां सुपरकप टाइटल दिलाया। डॉर्टमुंड ने यह कॉम्पिटिशन छह बार जीता है। 2026-27 बुंडेसलीगा सीजन 28 अगस्त से शुरू होगा। डिफेंडिंग चैंपियन बायर्न वीएफबी स्टटगार्ट की मेजबानी करेगा। डॉर्टमुंड अगले दिन हैमबर्गर एसवी के खिलाफ अपने घरेलू मैदान पर अपना लीग कैंपेन शुरू करेगा। मैच के बाद न्यूएर ने कहा, 'अब टीम के साथ इस सीजन का मजा लेने का समय है, और फिर हम देखेंगे। लेकिन हां, यह हो सकता है कि यह आखिरी सीजन हो। न्यूएर के बयान को उनके भविष्य में संभावित बदलाव के संकेत के रूप में देखा जा रहा है।

स्टार्क की आंधी में उड़ा बांग्लादेश

ऑस्ट्रेलिया ने 2 दिन के अंदर जीत लिया मैके टेस्ट, सीरीज 1-1 से बराबर

नईदिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया और बांग्लादेश के बीच टेस्ट सीरीज का दूसरा एवं आखिरी मुकाबला मैके के ग्रेट बैरियर रीफ एरिना में खेला गया. इस मुकाबले में मेजबान ऑस्ट्रेलिया ने बांग्लादेश को पारी और 51 रनों से हरा दिया. इस जीत के साथ ही ऑस्ट्रेलिया ने टेस्ट सीरीज को 1-1 से बराबरी पर खत्म किया. पहला टेस्ट डार्विन में खेला गया था, जहां ऑस्ट्रेलियाई टीम को 9 विकेट से शिकस्त झेलनी पड़ी थी. अब कंगारुओं ने उस हार का बदला दमदार तरीके से लिया है.

मैके टेस्ट मैच का नतीजा दो दिन के अंदर आ गया. दूसरे दिन (23 अगस्त) चायकाल के कुछ देर बाद ही ऑस्ट्रेलियाई टीम ने मैदान मार लिया. मैके टेस्ट मैच में ऑस्ट्रेलियाई टीम की जीत के हीरो तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क रहे. बाएं हाथ के दिग्गज गेंदबाज स्टार्क ने बांग्लादेश की दूसरी पारी में चार विकेट झटके. स्टार्क ने पहली पारी में छह विकेट चटकाए थे. यानी उन्होंने मुकाबले में कुल 10 विकेट अपने नाम किए. स्टार्क को 'प्लेयर ऑफ द मैच' और 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' चुना गया.

मिचेल स्टार्क की तूफानी गेंदबाजी के चलते बांग्लादेश अपनी दूसरी पारी में 95 रनों पर ढेर हो गया. बांग्लादेश के लिए दूसरी पारी में कप्तान नजमुल हुसैन शांतो ने सबसे ज्यादा 31 रन बनाए. वहीं मुश्फिकुर रहीम 29 रन बनाकर नाबाद रहे. बाकी के 9 बल्लेबाज तो दोहरे अंकों तक नहीं पहुंच पाए, जिनमें तीन का खाता तक नहीं खुला. कप्तान पैट कमिंस और नाथन लायन ने तीन-तीन विकेट लेकर स्टार्क का अच्छा साथ निभाया.

शोरिफुल की मेहनत बेकार गई

इससे पहले ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी 210 रनों पर सिमट गई थी. पहली पारी के आधार पर ऑस्ट्रेलिया को 146 रनों की लीड मिली. कैमरन ग्रीन ने 10 चौके की मदद से 105 बॉल पर 67 रन बनाए. वहीं स्टीव स्मिथ (42 रन) और नाथन लायन (नाबाद 32 रन) ने भी उपयोगी पारियां खेलीं. बांग्लादेश के लिए लेफ्ट आर्म पेसर शोरिफुल इस्लाम ने 7 विकेट लिए. जबकि तैजुल इस्लाम, मेहदी हसन मिराज और तस्कीन अहमद को एक-एक विकेट मिले.

पुर्तगाली फुटबॉलर क्यूविन कास्त्रो की मौत:मैदान पर गिरे, अस्पताल में तोड़ा दम

नईदिल्ली, एजेंसी। पुर्तगाल के 25 साल के फुटबॉलर क्यूविन कास्त्रो की मैच के दौरान मैदान पर गिरने के बाद मौत हो गई। वह शनिवार को लिस्बन में प्री-सीजन फ्रेंडली मैच खेल रहे थे। इस घटना के बाद मैच स्थगित कर दिया गया। लिस्बन फुटबॉल एसोसिएशन ने उनके निधन की पुष्टि की। कास्त्रो पुर्तगाल में चौथे डिवीजन की लीग में खेलने वाली टीम रियल स्पोर्ट क्लब का हिस्सा थे। मुकाबला एस्ट्रेला डि अमाडोरा नाम की टीम से हो रहा था।

22वें मिनट में मैदान पर गिरे, अस्पताल ले जाया गया

कास्त्रो मैच के 22वें मिनट में मैदान पर गिर पड़े। उनके गिरने के बाद मेडिकल टीम ने तुरंत इलाज शुरू किया। उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी मौत की पुष्टि हुई। कुछ रिपोर्ट्स के मुताबिक, मैदान पर उन्हें बिजली का झटका देकर होश में लाने की कोशिश भी की गई।

वैभव सूर्यवंशी ने दलीप ट्रॉफी डेब्यू पर किया निराश... 2 चौके जड़े, फिर इस अनजान गेंदबाज ने फंसाया

नई दिल्ली, एजेंसी। 15 साल के वैभव सूर्यवंशी के लिए दलीप ट्रॉफी का डेब्यू उम्मीदों के मुताबिक नहीं रहा. नॉर्थ ईस्ट जोन के खिलाफ क्वार्टर फाइनल में वैभव ईस्ट जोन की ओर से पहली पारी में महज 8 रन बनाकर आउट हो गए. उन्होंने लगातार दो चौके लगाकर इंटेंट दिखाया था, लेकिन इस आक्रामक अंदाज को ज्यादा देर तक बरकरार नहीं रख सके. बेंगलुरु स्थित (भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड) के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस ग्राउंड-2 पर खेले जा रहे मुकाबले में नॉर्थ ईस्ट जोन ने टॉस जीतकर ईस्ट जोन को पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया था. नई गेंद से तेज गेंदबाजों को मदद मिल रही थी और ईस्ट जोन ने शुरुआत में ही विकेट गंवा दिया. वैभव सूर्यवंशी ने अपने दलीप ट्रॉफी करियर की शुरुआत बिल्कुल उसी अंदाज में की, जिसके लिए वह पहचाने जाते हैं. पारी के दूसरे ओवर में बिश्वोरजीत कोंथौजम की तीसरी गेंद को कवर रीजन से उन्होंने बाउंड्री के पार पहुंचाया. अगली गेंद पर भी उन्होंने कवर ड्राइव लगाकर चौका बटोरा. हालांकि गेंदबाज ने जल्द ही उनकी आक्रामकता का जवाब ढूंढ लिया. आखिरी गेंद पर वैभव सूर्यवंशी ने एक और बार कवर ड्राइव खेलने की कोशिश की, लेकिन इस बार टाइमिंग सही नहीं रही. गेंद बल्ले का किनारा लेकर गली में पहुंची, जोसेफ लालथनखुमा ने कैच लपक लिया. इस तरह वैभव की पहली दलीप ट्रॉफी पारी 6 गेंदों में 8 रनों पर समाप्त हुई. बिश्वोरजीत कोंथौजम ने लगातार दो चौके खाने के बावजूद अपना संयम बनाए रखा और ओवर की आखिरी गेंद पर युवा बल्लेबाज को पवेलियन भेजकर हिसाब बराबर कर लिया.

देवदत्त पडिक्कल ने लगातार दूसरे टेस्ट में भी शतक लगाया, नंबर-3 पर खत्म की भारत की टेंशन

कोलंबो (एजेंसी)। श्रीलंका के खिलाफ कोलंबो के सिंहलीज स्पोर्ट्स क्लब में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट में भारत ने 4 विकेट पर 291 रन बनाए हैं। देवदत्त पडिक्कल ने लगातार दूसरे टेस्ट में शतक लगाया है। वह 117 रन बनाकर आउट हो गए। वहीं रवींद्र जडेजा फिफ्टी के करीब थे। पडिक्कल ने पहले टेस्ट की पहली पारी में 167 और दूसरी पारी में 44 रन बनाए थे।

इससे पहले कप्तान शुभमन गिल 50 रन बनाकर आउट हुए। केएल राहुल 18 और यशस्वी जायसवाल 45 रन बनाकर पवेलियन लौटे थे। ऋषभ पंत 3 रन बनाकर रिटायर्ड हर्ट हुए। उन्हें लाहिरू कुमारा की शॉर्ट गेंद बाएं हाथ की कलाई पर लगी थी।

भारत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया है। गॉल में पहला टेस्ट 165 रन से जीतकर भारतीय टीम सीरीज में 1-0 से आगे है।

संयम भरी पारी और कप्तान गिल के साथ अहम साझेदारी

पडिक्कल ने इस पारी में गजब का धैर्य और संयम दिखाया। उन्होंने बिना कोई जोखिम उठाए बेहद आराम से बल्लेबाजी की और 168 गेंदों का सामना करते हुए अपना शतक पूरा किया। अपनी इस शतकीय पारी के दौरान उन्होंने एक भी छक्का नहीं लगाया और 10 चौके जड़े। उन्होंने कप्तान शुभमन गिल के साथ मिलकर एक मजबूत साझेदारी निभाई, जिसकी बदौलत भारतीय टीम मैच में काफी मजबूत और संभली हुई स्थिति में पहुंच गई है। टीम इंडिया ने इस मैच में सिर्फ 66 रन पर अपने दो विकेट खो दिए थे। इसके बाद शुभमन गिल और देवदत्त पडिक्कल ने बीच तीसरे विकेट के लिए 120 रनों की अहम साझेदारी हुई।

पिछले काफी समय से भारतीय टेस्ट टीम नंबर-3 के स्थान पर एक ऐसे भरोसेमंद बल्लेबाज की तलाश में थी, जो तेज और स्पिन गेंदबाजी दोनों का मजबूती से सामना कर सके। पडिक्कल ने लगातार दो शतकों के साथ इस समस्या को लगभग पूरी तरह से सुलझा दिया है। जिस तरह से वे स्पिन और पेस अटैक के खिलाफ आसानी से रन बना रहे हैं, उससे उन्होंने तीसरे नंबर पर अपनी जगह काफी हद तक पक्की कर ली है।पडिक्कल के इस निरंतर शानदार प्रदर्शन ने उन खिलाड़ियों के लिए राह कठिन कर दी है जो लंबे समय से नंबर-3 की रेस में बने हुए थे। इनमें सबसे प्रमुख नाम साई सुदर्शन का है। गौरतलब है कि साई सुदर्शन के चोटिल होने के बाद ही देवदत्त पडिक्कल को भारतीय टेस्ट स्क्वॉड में शामिल होने का मौका मिला था।

आर्चरी प्रीमियर लीग खेलेंगी ओलंपिक मेडलिस्ट केसी कॉफहोल्ड, शामिल होंगे दुनिया के 12 स्टार तीरंदाज

नई दिल्ली, एजेंसी। हैदराबाद पेरिस 2024 ओलंपिक की ब्रॉन्ज मेडलिस्ट केसी कॉफहोल्ड (यूएसए) आर्चरी प्रीमियर लीग (एपीएल) के दूसरे सीजन में डेब्यू करेंगी। यह टूर्नामेंट 8 अक्टूबर से हैदराबाद में शुरू होगा, जिसमें 10 अलग-अलग देशों के 12 विदेशी तीरंदाज हिस्सा लेंगे। आर्चरी एसोसिएशन ऑफ इंडिया की इस लीग का दूसरा सीजन तेलंगाना सरकार के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। इसमें छह क्षेत्रीय फ्रेंचाइजी में बंटे 48 तीरंदाज हिस्सा लेंगे।

मौजूदा वर्ल्ड गेम्स इंडिविजुअल चैंपियन माइक श्लोसेर (वर्ल्ड नंबर 2) और एंड्रिया बेसेरा (वर्ल्ड नंबर 1) पहले सीजन के बाद फिर से वापसी करेंगे। सीजन 1 के स्टार और 2025 वर्ल्ड चैंपियनशिप के सिल्वर मेडलिस्ट मैथियास फुलरटन भी वापसी करेंगे। इनके साथ मेक्सिको के 22 वर्षीय मटियास ग्रांडे (वर्ल्ड नंबर 3) और स्पेन की एलिया कैनेलेस भी 11 दिन तक चलने वाले इस टूर्नामेंट में हिस्सा लेंगे। 20 वर्षीय ओलंपिक मेडलिस्ट केसी कॉफहोल्ड उन खास खिलाड़ियों की लिस्ट में शामिल होंगी, जिनमें तुर्की के मेटे गाजोज और मेक्सिको की एलेजांद्रा वैलेंसिया जैसे ओलंपिक मेडलिस्ट शामिल हैं; ये दोनों खिलाड़ी लीग के पहले सीजन में भी खेले थे। कंपाउंड आर्चरी में वर्ल्ड नंबर 3 खिलाड़ी, कोलंबिया की एलेजांद्रा उस्कियानो, और ब्राजील के मार्कस डी'अल्मेडा - जो वर्तमान में दुनिया के नंबर 1 खिलाड़ी हैं और 2014 यूथ ओलंपिक खेलों में ब्रॉन्ज मेडलिस्ट रहे हैं - उन अन्य अंतरराष्ट्रीय तीरंदाजों में शामिल हैं जो हैदराबाद में एपीएल में डेब्यू करने जा रहे हैं।

अर्जुन तेंदुलकर के करियर का बड़ा फैसला इस टीम के साथ ही जारी रखेंगे घरेलू क्रिकेट

सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन तेंदुलकर के क्रिकेट करियर को लेकर अक्सर सवाल उठते रहे हैं। घरेलू क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन करने के बावजूद उनके इंटरनेशनल डेब्यू का इंतजार अब भी जारी है। 26 वर्षीय बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्जुन ने अपने घरेलू क्रिकेट करियर की शुरुआत मुंबई से की थी, लेकिन 2022-23 सीजन से पहले उन्होंने गोवा का रुख कर लिया। तब से वह गोवा की टीम का अहम हिस्सा बने हुए हैं। हाल ही में गोवा के ओमान दौरे पर अर्जुन के नहीं जाने के बाद उनके भविष्य को लेकर चर्चाएं तेज हो गई थीं। हालांकि, अब अर्जुन ने गोवा के साथ अपने सफर को जारी रखने का फैसला किया है।

अर्जुन तेंदुलकर ने गोवा के लिए लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है। वह टीम के नियमित सदस्य रहे हैं और फर्स्ट क्लास क्रिकेट में 50 से ज्यादा विकेट अपने नाम कर चुके हैं। इतना ही नहीं, उन्होंने अपनी बल्लेबाजी पर भी काफी काम किया है। रणजी ट्रॉफी में राजस्थान के खिलाफ अर्जुन ने शानदार शतक भी लगाया था। इस प्रदर्शन के बाद अर्जुन की पहचान सिर्फ सचिन तेंदुलकर के बेटे के रूप में नहीं, बल्कि एक ऑलराउंडर क्रिकेटर के तौर पर भी मजबूत हुई है। गोवा की टीम ने उन्हें लगातार खेलने और गेंदबाजी के साथ साथ बल्लेबाजी में अपनी क्षमता दिखाने का मौका दिया है। ऐसे में गोवा के साथ बने रहना उनके करियर के लिए अहम फैसला माना जा रहा है।

अर्जुन तेंदुलकर को IPL 2026 में लखनऊ सुपर जायंट्स की टीम का हिस्सा बनने का मौका मिला। हालांकि, पूरे सीजन उन्हें प्लेइंग इलेवन में जगह बनाने के लिए लंबा इंतजार करना पड़ा। आखिरकार सीजन के आखिरी मुकाबले में उन्हें पंजाब किंग्स के खिलाफ मैदान पर उतरने का मौका मिला। इस मुकाबले में अर्जुन ने अपनी गेंदबाजी से प्रभावित किया। उन्होंने चार ओवर में 36 रन देकर एक विकेट हासिल किया। उनकी गेंदबाजी में खास तौर पर यॉर्कर देखने को मिलीं।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ) — महत्त्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। शुभांक-3-8-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो) — स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। शुभांक-5-6-7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा) — संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। शुभांक-6-7-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो) — व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। सच्चाई का सहारा लें कार्यसिद्धि होगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। समय आपके पक्ष का बना रहेगा। शुभांक-3-7-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे) — कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-2-6-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो) — मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शुभांक-3-7-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते) — जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। बचते-बचते कलह विवाद का डर रहेगा। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। शुभांक-4-8-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू) — मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। बचते-बचते कलह विवाद का डर रहेगा। एकाकी वृत्ति त्यागें। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। शुभांक-3-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे) — व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। माता पक्ष से विशेष लाभ होगा। शुभांक-4-6-7

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी) — शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार मिलेंगे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। शुभांक-3-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा) — किसी से कहा सुनी न हो यही ध्यान रहे। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती हैं। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। शुभांक-4-6-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची) — संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। सब्र का फल मीठा होता है अत: धैर्य रखें व अच्छे समय इन्तजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। मनोबल ऊंचा रखें काम में लगे रहें लाभ होगा। विपरीत परीस्थितीयों में भी हानि नहीं होगी। शुभांक-5-7-8

काकुरो पहेली - 3987

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

काकुरो - 3986 का हल

हंसी के फूव्वारें

दो दोस्त आपस में बातें कर रहे थे.

एक ने कहा-'जब मैं जंगल से होकर जा रहा था, एकाएक मुझे डाकुओं ने घेर लिया. उन्होंने मेरा सब रुपया-पैसा छीन लिया.'

'मगर तुम्हारे पास तो रिवाल्वर थी?' दोस्त ने चकित होते हुए पूछा.

'था तो!'

'फिर ?'

'उस पर डाकुओं की नजर नहीं पड़ी.' दोस्त ने भोलेपन से कहा.

□ □ □

दो अफीमची बातें कर रहे थे.

एक बोला-'मेरे पिता का मकान इतना ऊंचा था कि एक बार एक बच्चा छत पर से गिरा तो जमीन तक आते-आते वह आदमी बन गया.'

दूसरा अफीमची उससे भी दो कदम आगे था. वह बोला-'मगर मेरे पिता का मकान तुम्हारे पिता के मकान से भी ऊंचा था. उसकी छत से एक बार एक बन्दर गिरा तो नीचे आते-आते वह आदमी बन गया.'

□ □ □

मालिक-'सारे मजदूर दो-दो बोरियाँ उठा कर ला रहें हैं, पर तुम एक-एक बोरी ही क्यों ला रहे हो ?'

मजदूर-'साहब वो सब आलसी हैं इसलिए दूसरा चक्कर लगाने से डरते हैं.'

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 3987

बायें से दायें:-

१. जैकी श्रॉफ, सलमान, रंभा, अश्विनी भावे की फिल्म-३
३. 'छम छम बरसा' गीत वाली फिल्म-३
६. 'जलता है जिया मेरा भीगी भीगी' गीत वाली फिल्म-२
७. राकेश रोशन, सिम्मी की फिल्म-२
८. अमिताभ, शर्मिला, हेमा, परवीन की फिल्म-४
१०. 'मरना तेरी गली में जीना तेरी' गीत वाली फिल्म-३
१२. फरदीन, करीना की 'रंग दीन्ही रंग' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'कहना है तुम' गीत वाली आमिर, मनीषा की फिल्म-२
१४. 'सिर्फ संडे को करती हूँ मैं तो प्यार' गीत वाली फिल्म-२
१५. 'चाँदनी रात है' गीत वाली सलमान, नगमा की फिल्म-२
१७. 'जिंदगी ये जिंदगी दो घड़ी की जिंदगी' गीत वाली फिल्म-३
१९. नागार्जुन, उर्मिला की फिल्म-२
२०. जैकी श्रॉफ, जूही, एकता की एक सस्पेंस फिल्म-३
२३. मिलिंद, विक्रम सलूज की फिल्म-३
२५. विनोद मेहरा, अनिल कपूर, स्मिता, रति की फिल्म-२,१,२
२६. 'याइला रे लड़की मस्त' गीत वाली फिल्म-२
२७. धर्मेन्द्र, शर्मिला की 'बहारों की बारात आ' गीत वाली फिल्म-३
२८. 'तुझे देखके दिल' गीत वाली फिल्म-३
३१. सनी, जॉन, सुनील शेट्टी की फिल्म-३
३२. 'जिस का मुझे था' गीत वाली अमिताभ, जीनत की फिल्म-२
३३. अक्षय, सैफ, रवीना टंडन, सोनाली बेंद्रे की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'रंग भरे मौसम से' गीत वाली फिल्म-३
२. अमिताभ, संजीव, ऋषि, हेमा, शर्मिला की फिल्म-३
४. 'मैं तेरी मुहब्बत में' गीत वाली फिल्म-३
५. बिजॉय आनंद, कृतिका पाने, सोनू वालिया की फिल्म-२
६. 'दिल्ली की सर्दी' गीत वाली फिल्म-३
९. राजबब्बर, अनिता की फिल्म-४
११. 'किसी के दिल में' गीत वाली फिल्म-३
१२. नवीन निश्चल, सायरा की 'इधर गया था' गीत वाली फिल्म-४
१६. 'तेरे बिना तेरे' गीत वाली फरदीन, करीना की फिल्म-२
१७. संजय, उर्मिला की 'ओ भंवरे देखो हम' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'खाई है रे हमने कसम संग रहने की' गीत वाली फिल्म-३
२१. जैकी, नीलम की 'चुराया तूने दिल' गीत वाली फिल्म-४
२२. 'अपनी चाहतों पे काबू' गीत वाली जॉन, उदिता की फिल्म-२
२३. इरफान खान, की 'मैंने दिल से कहा' गीत वाली फिल्म-२
२४. 'हम तीनों की वो यारी' गीत वाली फिल्म-३
२५. राजेंद्रकुमार, राखी की फिल्म-२,२
२६. 'पहली बार जो' गीत वाली फरदीन, उर्मिला की फिल्म-३
२९. 'सुन जरा सोनिये' गीत वाली फिल्म-२
३०. रणधीरकपूर, बबीता की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3986

चा	ल	बा	ज	■	चा	ला	क	■	जा
ह	■	रि	■	आ	ह	■	र्ज	■	ल
त	ला	श	■	र	त	न	■	प्या	सा
■	वा	■	रा	जू	■	ज	ख्म	■	ज
रा	■	तु	म	■	जो	र	■	ना	■
म	स्ती	■	क	ह	र	■	अ	स्ति	त्व
अ	■	जीं	स	■	दा	वा	■	क	■
व	क्त	■	म	द	र	■	दा	■	अं
ता	■	हे	■	र्द	■	फि	दा	■	जा
र	ह	मा	न	■	रो	जा	■	धू	म

सूडोकु -3987

5		9		8	3	2		
	2		4					8
3	8		5	2	6	1		
	7						9	5
9		3	6		8	7		4
2	6						1	
		5	2	7	1		8	6
6					4		7	
		8	9	6		4		2

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3986 का हल

8	2	5	3	6	7	9	1	4
4	6	1	8	9	2	3	7	5
3	7	9	1	5	4	6	8	2
1	3	7	4	2	9	5	6	8
6	5	2	7	1	8	4	9	3
9	8	4	6	3	5	1	2	7
2	4	6	9	8	3	7	5	1
5	1	3	2	7	6	8	4	9
7	9	8	5	4	1	2	3	6

शब्द पहेली - 3987

बाएँ से दाएँ

1.बेजोड़-4
4.परिचय,निशान-4
7.कला-3
9.सज्जनता,चरित्र, आदर्श-3
10.प्रथा,रिवाज-3
11.उपस्थिति-3
12.सेन्धमार-5
15.शयनागार,बेडरूम, आरामगाह-3,2
18.तड़के,सुबह सवेरे-5
20.चुगली करना-2,3
22.मैला,गंदा-3
23.रसद,आहर पदार्थ-3
25.प्रणाम,नमस्कार-3
26.तोलने का यंत्र, तकड़ी-3
27.स्थायी,प्राचीन-4
28.हुकूमत,राजगद्दी-4

ऊपर से नीचे

2.मुलाकात,मिलाप-3
3.खून से लथपथ-5
4.लालन-पालन-5
5.सेवक,नौकर,दास-3
6.धोखेबाज-4
8.समान,एक जैसा-4
13.पंकज,जलज-3
14.आघात,चोट-3
16.भरोसा,विश्वास-3
17.कुली,पालकी वाहक-3
18.जुर्म,गुनाह-4
19.स्वदेश वासी-5
20.शतपदी, कनखजूरा-5
21.अहमक, मूर्ख-4
24.स्नान करना-3
25.सम्मान, पगड़ी-3

शब्द पहेली -3986 का हल

■	अ	व	का	श	■	प्र	ति	घा	त	■
खु	■	■	■	रा	व	ण	■	■	■	मु
शा	■	ना	या	ब	■	य	ती	म	■	क
म	■	ह	■	खा	र	क	■	ज	■	र
द	या	क	र	ना	■	था	ह	मा	प	ना
■	प	■	फ्ता	■	■	■	सी	■	ठा	■
अ	न	व	र	त	■	म	न	भ	र	ना
नु	■	रा	■	म	ध्य	म	■	र	■	मा
रो	■	ह	र्षि	त	■	ता	ली	म	■	कू
ध	■	■	■	मा	त	म	■	■	■	ल
■	आ	ज	मा	ना	■	य	ज	मा	न	■

चॉकलेट खाएं, मगर...

सॉलिड कोको चॉकलेट में ट्रीप्टोफेन रसायन होता है जो हमारे शरीर में सेरोटिन बनाने का काम करता है। दरअसल यह एक न्यूरोकेमिकल है, जो खुशी की अनुभूति को बढ़ाता है। रोमांटिक मूड को बनाए रखने के लिए चॉकलेट को कमरे के तापमान पर ही खाया जाना चाहिए। चॉकलेट खाएं पर यह भी ध्यान रखें कि अति हर चीज की बुरी कि अति हर चीज की बुरी होती है...

चॉकलेट का नाम सुनते ही मुंह में पानी आ जाता है। किसी भी उम्र या हैसियत के लोग हों, चॉकलेट के स्वाद से अनजान नहीं हैं। बच्चे अभिभावकों से जिद करके चॉकलेट पाते हैं तो बड़े बच्चों से छिप कर चॉकलेट खाते हैं। इस की वजह है चॉकलेट का बेमिसाल स्वाद और इसके सेवन से होने वाले नुकसान का बेमेल संगम।

पर चॉकलेट खाने के सिर्फ नुकसान ही नहीं हैं, कई फायदे भी होते हैं। चॉकलेट लवर्स के लिए यह एक खुशखबरी होगी। इससे रूबरू कराने के प्रयास में पेश है एक कोशिश।

चॉकलेट का बोटेनिकल नाम 'थेयोब्रोमा काकाओ' है। चॉकलेट का आविष्कार 18वीं सदी में हुआ। इसे कोको बींस से तैयार किया जाता है। कोको बींस में कई तरह के फ्लेवेनोल और पोलीफेनोल होते हैं, जो हाई ब्लडप्रेशर विनाशक और ह्वदय के लिए लाभप्रद माने जाते हैं। पोलीफेनोल के एंटीआक्सीडेंट्स हमारे शरीर में एजिंग की प्रक्रिया को धीमा करते हैं। कोको डार्क चॉकलेट में ज्यादा मात्रा में होते हैं यानी जितना ज्यादा डार्क चॉकलेट उतने ज्यादा जवान और स्वस्थ रहने के आसार।

मिल्क चॉकलेट और वाइट चॉकलेट की गुणवत्ता भी कम नहीं है। मिल्क चॉकलेट में विटामिन बी-1, बी-2, ई और मैग्नीशियम, फास्फोरस, जिंक व कॉपर पाया जाता है। मिल्क चॉकलेट की एक रेगुलर साइज बार लेने से शरीर की रोज की 12 प्रतिशत कैल्सियम की जरूरत को पूरा किया जा सकता है। साथ ही हर रोज के आयरन की कुल आवश्यकता में से 12 प्रतिशत की पूर्ति की जा सकती है। नौटिंगम यूनिवर्सिटी के एक अध्ययन में यह बताया गया है कि चॉकलेट खाने से दिमाग तेज होता है। अधिक मात्रा में कोको वाले चॉकलेट खाने या चॉकलेट ड्रिंक पीने से रक्त का संचार दिमाग के खास जरूरी हिस्से में बढ़ जाता है, जिससे व्यक्ति के सतर्कता के गुण में इजाफा होता है।

चॉकलेट में करीब 300 प्राकृतिक कंपाउंड होता है, जो दिमागी प्रक्रिया को सुचारू रूप से चलने में मदद करता है और मस्तिष्क पर कम दबाव महसूस होता है। इसलिए तनावग्रस्त होने पर चॉकलेट खाने से राहत महसूस होती है। यह मानव व्यवहार को भी प्रभावित करता है।

चॉकलेट में ट्रीप्टोफेन नामक एक रसायन होता है, जो मनुष्य के शरीर में सेरोटिन बनाने का काम करता है। सेरोटिन एक न्यूरोकेमिकल है जो खुशी के एहसास, रोमांटिक मूड और कामोत्तेजना को बढ़ाता है। इन फायदों के लिए चॉकलेट को कमरे के तापमान पर रख कर ही खाएं साथ ही यह ध्यान रहे कि ये सारे गुण चबाने वाले, क्रीमी परत इत्यादि चॉकलेट में नहीं पाए जाते हैं। ये सिर्फ सौलिड कोको चॉकलेट में होते हैं।

अलग-अलग स्वाद की खासीयत वाले विभिन्न ब्रांड्स के चॉकलेट बाजार में उपलब्ध हैं। इन में कैडबरी, अमूल, नेस्ले इत्यादि के चॉकलेट हैं। चॉकलेट से कई तरह के लजीज व्यंजन और ड्रिंक भी बनाए जा सकते हैं जैसे चॉकलेट शेक, पेस्ट्री, केक, पैनकेक इत्यादि। चॉकलेट के इतने सारे फायदे जान कर कोई भी व्यक्ति सोच सकता है कि चॉकलेट खूब खाने चाहिए। पर जरा ठहरिए, किसी भी चीज की अति हानिकारक होती है। चॉकलेट का अत्यधिक सेवन शरीर में फैट, शुगर, कैलोरी बढ़ाता है और मोटापा और अन्य परेशानियों को भी बढ़ावा देता है। इसलिए चॉकलेट खाएं शौक से पर जरा संभल कर।

धूप बढ़ाए आंख की रोशनी

ऑस्ट्रेलिया के वैज्ञानिकों की मानें तो रोजाना धूप में कुछ देर बैठने से बच्चों को 'मायोपिया' नाम की बीमारी से बचाया जा सकता है। इस बीमारी से पीड़ित बच्चों की दूर की नजर कमजोर होती है। सर्च काउंसिल ऑफ ऑस्ट्रेलिया के ताजा अध्ययन ने सूरज की रोशनी का एक और फायदा साबित किया है। इस हालिया अध्ययन से पता चला है कि जो बच्चे 'मायोपिया' नाम की बीमारी से पीड़ित होते हैं, उनके लिए रोजाना करीब दो घंटे धूप में बैठना फायदेमंद होता है। अध्ययन के लिए मायोपिया से पीड़ित 60 बच्चों को दो ग्रुप में बांटकर नियमित रूप से रोजाना अलग-अलग समयावधि में धूप में बैठने को कहा गया। करीब दो महीने बाद जब उनकी दृष्टिक्षमता की जांच की गई तो उन बच्चों की स्थिति बेहतर पाई गई, जो ज्यादा लंबे समय तक धूप में बैठे। इस अध्ययन दल के प्रमुख इयान मोर्गन ने बताया मायोपिया से पीड़ित बच्चों के लिए ये इलाज बहुत प्राकृतिक और अच्छा है।

RATE TARIFF
राष्ट्रीय शिखर — खबरों की स्वतंत्रता — राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
RASHTRIYA SHIKHAR
NATIONAL HINDI DAILY

DISPLAY B&W — Rs. 750/- (Per Sq. cm)
DISPLAY COLOR — Rs. 750/- + 50% Extra (Per Sq. cm)
CLASSIFIED DISPLAY — Rs. 75/- (Per Sq. cm)
Note : Court Notice Rs. 2000/- (4x10) Rs. 50/- Per Sq. Cm. Extra for additional space.
CLASSIFIED Run On words — Rs. 15/- (Per Word)
Note : For Classified run on words-Minimum-40 words Maximum 60 Words

Covering Area Delhi NCR & Western U.P.

Special Page / Position Premium

Front Page (Semi)	50%	Island Position	50%	Strip Advt.	15%
Front Page (Solus)	75%	Right Hand Page	10%	Political Advt.	50%
Back Page	25%	Top of AD Column	15%	Pull Outs	50%
Page Three	20%	Any Other Spl. Position	10%	Discount as per deal	

Mechanical Data : 8 Cols. Per Page, Col. Width 33cm., Col. Length 50cm.

Ghaziabad Office : 64, Navyug Market, 1st Floor, Ghaziabad (UP)
Corporate Office : G-237, HIG, Pratap Vihar, Ghaziabad (U.P.)-201001
Mob.: 9310230557, 9625163807, E-mail : rashtriyashikhar@gmail.com, Website : www.rashtriyashikhar.com
Follow us : @ RashtriyaShikhar/

साउथ एक्ट्रेस अनुपमा बोलीं-

पहले 11 बच्चे चाहती थी

अभी एक भी नहीं चाहिए

अनुपमा परमेश्वरन की फिल्में 'दमदार खिलाड़ी' (हेलो गुरु प्रेमा कोसमे) और 'नंबर 1 दिलवाला' (वुन्नाधी ओकाटे जिंदगी) हिंदी दर्शकों के बीच काफी मशहूर हैं। अनुपमा परमेश्वरन की फिल्में 'दमदार खिलाड़ी' (हेलो गुरु प्रेमा कोसमे) और 'नंबर 1 दिलवाला' (वुन्नाधी ओकाटे जिंदगी) हिंदी दर्शकों के बीच काफी मशहूर हैं।

साउथ एक्ट्रेस अनुपमा परमेश्वरन ने हाल ही में अपने अतीत के एक नार्सिसिस्टिक दुर्व्यवहार (आत्ममुग्धता से भरे शोषण) वाले रिश्ते के बारे में बताया। धन्या वर्मा के यूट्यूब चैनल पर बातचीत में अनुपमा ने कहा कि उनके एक्स-पार्टनर ने कथित तौर पर उन्हें एक्ट्रेस होने, कॉन्फिडेंट होने और यहां तक कि पीरियड्स होने जैसी बातों पर भी शर्मिंदा महसूस कराया। रिश्ते के असर के बारे में बताते हुए अनुपमा ने कहा कि पहले वह 11 बच्चे चाहती थीं, लेकिन अब बच्चे नहीं चाहतीं। उन्होंने बताया कि पूर्व पार्टनर हर बहस को उनके पीरियड्स से जोड़ देता था, फिर चाहे वह पीरियड्स के किसी भी दिन हुई हो। उन्होंने कहा, 'पीरियड्स का पहला दिन हो, पांचवां दिन, दसवां दिन, पंद्रहवां दिन, बीसवां दिन या पच्चीसवां दिन, साइकिल का कोई भी दिन हो।

आप इस व्यक्ति की किसी गलती पर उससे सवाल करेंगे, तो वह कहेगा- ओह, तुम पीएमएस (प्रीमेंस्ट्रुअल सिंड्रोम) कर रही हो, तुम्हारे पीरियड्स आने वाले हैं। इसलिए मुझे बहुत शर्म आती थी।' अनुपमा ने आगे कहा, रिश्ते में लगातार इमोशनल उतार-चढ़ाव के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, 'बहुत से लोग नार्सिसिस्टिक एब्यूज के बारे में नहीं जानते हैं। एक दिन, वह रेमो होगा। मुझ पर प्यार और देखभाल की बारिश होगी और मैं शायद दुनिया का सबसे लकी इंसान महसूस करूंगी। उन्होंने कहा, 'लेकिन अगले दिन वह अन्नियन होगा। यह उसका सबसे क्रूर रूप होगा और उसे आसपास क्या हो रहा है, इसकी बिल्कुल परवाह नहीं होगी। अनुपमा ने आगे कहा था, 'अगले दिन यही व्यक्ति अंबी बन जाएगा। वह अपनी गलतियों के लिए मुझसे माफी मांगेगा और बच्चे की तरह रोएगा। वह वादा करेगा कि गलतियां दोबारा नहीं करेगा, लेकिन फिर प्यार का वही चक्र जारी रहेगा।

मुझे महिला होने पर बहुत बुरा लगता था।

'मैं 11 बच्चे पैदा करने का सपना देखने वाली इंसान थी। इस समय मुझे बच्चे भी नहीं चाहिए। मुझे महिला होने पर बहुत बुरा लगता था। अपनी उपलब्धियों को लेकर भी मुझे बहुत बुरा लगता था। अनुपमा पहले भी अपने पूर्व पार्टनर के साथ रिश्ते के अनुभव के बारे में बात कर चुकी हैं। एक पुराने सोशल मीडिया पोस्ट में उन्होंने इस रिश्ते को 'नार्सिसिस्टिक एब्यूज' बताया था। उन्होंने आरोप लगाया था कि उनके पार्टनर ने धीरे-धीरे उनकी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ के अलग-अलग पहलुओं को कंट्रोल करना शुरू कर दिया था।

जानवरों को टारगेट करना बंद करो

को-एग्जिस्ट करना सीखो : दिव्या दत्ता

अभिनेत्री दिव्या दत्ता जानवरों के प्रति खास जुड़ाव रखती हैं और अक्सर उनके प्रति प्यार और सुरक्षा को लेकर अपनी राय रखती रहती हैं। अभिनेत्री ने एक खास पोस्ट की, जिसके जरिए उन्होंने स्ट्रीट डॉग्स की सेफ्टी को लेकर खास अपील की। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं, जिसमें उनके मेकअप रूप पर एक स्ट्रीट डॉग बैठा है।

अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं, जिसमें उनके मेकअप रूप पर एक स्ट्रीट डॉग बैठा है। अभिनेत्री ने अपनी पोस्ट के जरिए बताया कि एक डॉग उनके मेकअप रूप के बाहर असहाय हालत में बैठा था, जिसके बाद उन्होंने उसे अपने मेकअप रूप में बुला लिया। अभिनेत्री दिव्या दत्ता ने लिखा, 'डॉग सेट पर इधर-उधर खाना ढूंढ़ रही थी, लोग उसे नजरअंदाज कर रहे थे या फिर डांटकर भगा रहे थे। उसी समय मैं अपना मेकअप टचअप करवाने आई थी। डॉग दरवाजे से झांक रही थी, जैसे पूछ रही हो, 'क्या मैं अंदर आ सकती हूं?' और बस मुझे इतना कहा कि आजा और वह चुपचाप अंदर आ गई थोड़ी डरी हुई। मैने पूछा कि कुछ खाएंगी? बाद में उसने पूंछ हिलाई और मेरे पास आकर बैठ गई।' अभिनेत्री ने बताया कि बाद में उनका असिस्टेंट उसके लिए खाना और दूध लेकर आया था। उन्होंने लिखा, 'वह बहुत भूखी थी, मेरे असिस्टेंट ने उसे जो दिया था। उसने तुरंत ही सब कुछ खत्म कर दिया और ज्यादा नहीं मांगा। बस वहीं बैठी रही। शायद कमरे में सेफ महसूस कर थी। उसे देख सभी के चेहरे में स्माइल आ गई थी। अभिनेत्री ने सभी सवाल करते हुए लिखा कि हम उन्हें भगाते, मारते और दूर क्यों करते हैं, जो हम पर डिपेंड हैं? जिनका हमारे साथ रहने का उतना ही हक है? पहले मुझे स्ट्रीट डॉग से बहुत डर लगता था। उन्होंने लिखा, 'मैं अब जब भी देखती हूं कि इन जानवरों को लगातार टारगेट किया जाता है, तो मैं खुद आगे बढ़कर उनकी मदद करती हूं। उन्हें ज्यादा कुछ नहीं चाहिए, बस थोड़ा खाना और प्यार की चाहत है। हम कौन होते हैं ये तय करने वाले कि हमारे साथ कौन रहेगा और कौन नहीं, ये ऊपर वाले का काम है। उन्होंने आगे लिखा, 'हमारा काम बस ऊपर वाले की कायनात में सबके साथ मिल-जुल कर रहना है। अभी भी मेरे चेहरे पर हल्की सी स्माइल है। मैं उम्मीद करती हूं कि आज कोई और भी उससे दोस्ती करेगा। बाय छोटी... तुमको हमेशा सेफ जगह मिले।

सास-बहू के रिश्ते पर बोलीं मीनाक्षी शेषाद्रि

'मैं पर्सनली चाहती हूं कि शादी के बाद मां और बेटी जैसा रिश्ता हो'

बॉलीवुड फिल्मों में सास और बहू का रिश्ता लंबे समय से एक खास तरह से दिखाया जाता रहा है। कभी दोनों के बीच छोटी-छोटी बातों पर तकरार दिखाई जाती है, तो कभी सास को सख्त और बहू को परेशान रहने वाली महिला के रूप में पेश किया जाता है। 90 के दशक की कई फिल्मों में यह रिश्ता कहानी का बड़ा हिस्सा हुआ करता था।

अब दिग्गज अभिनेत्री मीनाक्षी शेषाद्रि ने भी फिल्मों में दिखाए जाने वाले इस रिश्ते पर अपनी बात रखी है। उन्होंने अपनी फिल्म 'घर हो तो ऐसा' को याद करते हुए कहा कि पर्दे पर सास-बहू के रिश्ते को अक्सर नकारात्मक तरीके से दिखाया गया है, जबकि असल जिंदगी में यह रिश्ता प्यार और समझ से भरा होना चाहिए। मीनाक्षी शेषाद्रि ने अपनी 1990 में रिलीज हुई फिल्म 'घर हो तो ऐसा' के मशहूर गाने 'जनवरी फरवरी' का एक वीडियो इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया। वीडियो में वह काफी स्टाइलिश अंदाज में नजर आईं। उन्होंने गाने पर अपने डांस और एक्सप्रेशन से पुरानी यादें ताजा कर दीं।

इस वीडियो के साथ मीनाक्षी ने फिल्म और उसमें दिखाए गए सास-बहू के रिश्ते के बारे में बात की। उन्होंने लिखा, ''फिल्म 'घर हो तो ऐसा' में मैंने ऐसी बहू का किरदार निभाया था, जो अपनी सास के गलत व्यवहार के सामने चुप नहीं रहती। फिल्म में मेरी सास का किरदार दिग्गज अभिनेत्री बिंदू ने निभाया था। मेरे किरदार ने सास को कुछ कड़े सबक सिखाए थे।'' उन्होंने आगे लिखा, ''फिल्म में सास-बहू के बीच होने वाले टकराव को बढ़ा-चढ़ाकर दिखाने के साथ-साथ इसमें कॉमेडी और ड्रामा भी जोड़ा गया था। कहानी में कराटे के सीन भी देखने को मिले थे। फिल्म ने घरेलू रिश्तों से जुड़े एक गंभीर मुद्दे को मनोरंजन के साथ दर्शकों के सामने रखा था। फिल्म में बहू, सास के गलत व्यवहार का सामना करता है और अपने लिए आवाज उठाती है।''

कुब्रा ने शुरू की फर्जी 2 की शूटिंग

फिर नज़र आएंगी सायरा के किरदार में

मुंबई अभिनेत्री कुब्रा सैत ने अपनी बहुप्रतीक्षित वेब सीरीज़ 'फर्जी 2' की शूटिंग शुरू कर दी है। पहले सीज़न में अपने दमदार अभिनय से दर्शकों का दिल जीतने वाली कुब्रा अब एक बार फिर सायरा के किरदार में वापसी कर रही हैं। इसके मद्देनज़र कुब्रा ने हाल ही में अपने सोशल मीडिया पर अपनी वैनिटी वैन के बाहर खिंचवाई गईं कई तस्वीरें साझा की हैं, जिन पर 'सायरा' और 'फ़र्ज़ी 2' लिखा हुआ नजर आ रहा है। तस्वीरों के साथ उन्होंने मज़ाकिया अंदाज़ में लिखा है, 'क्या ये झूठी खबर है ?' लेकिन फिर खुद ही इस खबर की पुष्टि करते हुए लिखा है, 'हाँ यार! 'आख़िरकार बेहद उत्साहित हूँ... तो चलिए, 'फ़र्ज़ी 2' की शुरुआत करते हैं!' कुब्रा ने इस दिलचस्प पोस्ट के साथ कैप्शन में यह भी लिखा है, 'चलिए, अब इस ढेर सारी खुशी की शुरुआत करते हैं!' फिलहाल इस पोस्ट के ज़रिये शो को लेकर कुब्रा की ख़ुशी और उत्साह, साफ नज़र आ रहा है। वैसे कुब्रा इससे पहले भी बता चुकी हैं कि जब उन्हें 'फर्जी' ऑफर हुई थी, तब उन्होंने दोनों सीज़न के लिए एक साथ कमिटमेंट किया था। अब उनकी यह पोस्ट उस लंबे इंतज़ार के खत्म होने और दूसरे सीज़न की शुरुआत का संकेत है। राज और डीके द्वारा निर्मित 'फर्जी' में कुब्रा सैत के साथ शाहिद कपूर, विजय सेतुपति, राशि खन्ना, भुवन अरोड़ा, के के मेनन और ज़ाकिर हुसैन अहम भूमिकाओं में नजर आनेवाले हैं। पहले सीज़न में कुब्रा ने सायरा का किरदार निभाया था, जो के के मेनन के किरदार मंसूर दलाल से जुड़ी हुई थी। हालांकि दूसरे सीज़न में उनके किरदार की कहानी किस दिशा में आगे बढ़ेगी, इसे लेकर अभी कोई जानकारी सामने नहीं आई है। वर्क फ्रंट की बात करें तो कुब्रा सैत पिछले साल फिल्म 'सन ऑफ सरदार 2' के बाद इस साल निर्माता-निर्देशक प्रकाश झा की वेब सीरीज़ 'संकल्प' में नजर आई थीं, जहां उनके अभिनय को दर्शकों और समीक्षकों, ने काफी सराहा था। गौरतलब है कि अभिनय के अलावा लेखन, होस्टिंग और हाल ही में स्टैंड-अप कॉमेडी में भी अपनी पहचान बना चुकी कुब्रा सैत, टैलेंट का पावरहाउस बन चुकी हैं। यही वजह है कि 'फर्जी 2' के साथ उनकी वापसी का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

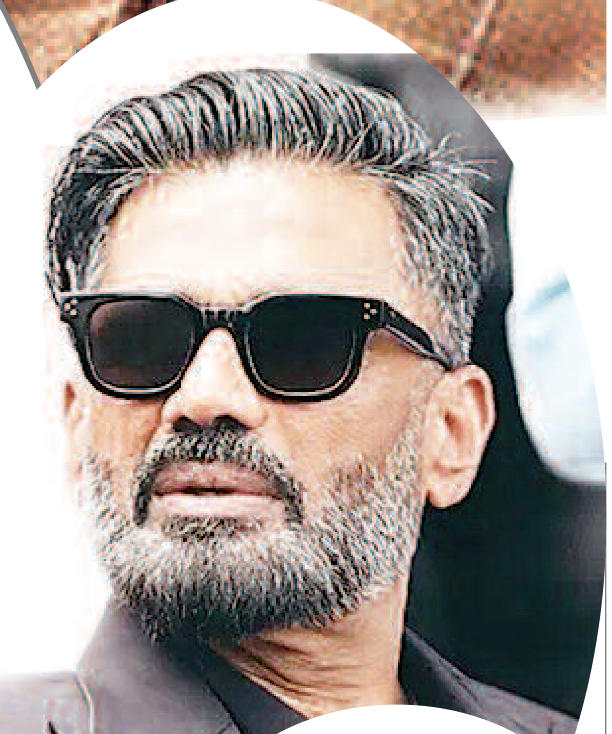

लंबे समय से अपनी इस एक आदत से जूझ रहे हैं Suniel Shetty

अभिनेता सुनील शेट्टी ने अपने इंट्रोवर्ट स्वभाव के बारे में बात की है, जिसे वह अपनी कमी मानते हैं और अभिनय की दुनिया में इसे मुश्किल बताते हैं। हर इंसान का अलग-अलग व्यक्तित्व होता है। कुछ लोग बहुत ज्यादा बात करना पसंद करते हैं तो कुछ इंट्रोवर्ट होते हैं जिन्हें ज्यादा लोगों से बात करना पसंद नहीं होता। अभिनेता सुनील शेट्टी का कहना है कि वह भी इंट्रोवर्ट स्वभाव के हैं। हालांकि, वह इसे अपनी कमी मानते हैं। अभिनय की दुनिया में इंट्रोवर्ट होना काफी मुश्किल बात मानी जाती हैं, क्योंकि यहां कलाकार को कई कलाकारों के साथ काम करना पड़ता है।

एंकरिंग के नाम पर हो जाते हैं नर्वस

सुनील कहते हैं,'मैं कभी लोगों से बहुत ज्यादा खुलकर बात नहीं कर पाया। जब भी मुझे कहीं एंकरिंग के लिए कहा जाता था तो मैं नर्वस हो जाता था। यह सच है कि फिल्मों में काम करते हुए इंट्रोवर्ट होने से काम मुश्किल हो जाता है। इसलिए अगर कोई मुझसे कहता कि तुम्हें नाटक करना चाहिए तो मुझे हमेशा लगता था कि मैं अपनी पंक्तियां भूल जाऊंगा। यह अजीब है, लेकिन मैं ऐसा ही हूं। यही मेरा स्वभाव है, यह एक ऐसी कमी है जिससे मैं बाहर नहीं निकल पाया।'

कोई दूसरी शादी नहीं हो रही

गोविंदा के मैनेजर ने सुनीता के दावों को किया खारिज

गोविंदा और सुनीता की शादीशुदा जिंदगी उतार-चढ़ाव से गुजर रही है। बीते दिनों सुनीता ने दावा किया था कि गोविंदा रूमर्ड गर्लफ्रेंड के साथ दूसरी शादी करने की प्लानिंग में हैं। इन दावों पर चीची के मैनेजर का रिएक्शन सामने आया है। अभिनेता गोविंदा और सुनीता आहूजा अपनी शादीशुदा जिंदगी को लेकर सुर्खियों में हैं। कुछ वक्त पहले भी दोनों के अलगाव की खबरें सामने आई थीं। सुनीता ने तलाक का केस फाइल किया था। वहीं, दो दिन पहले उन्होंने तलाक का केस वापस ले लिया। इस बीच उन्होंने ऐसा दावा किया कि गोविंदा दूसरी शादी की तैयारी में थे। सुनीता के इन दावों को गोविंदा के मैनेजर ने खारिज किया है। गोविंदा और सुनीता आहूजा की निजी जिंदगी के विवाद ने एक नया मोड़ ले लिया है। बीते दिन सुनीता ने राखी सावंत से बात करते हुए इस बात का खुलासा किया कि गोविंदा दूसरी शादी की तैयार कर रहे थे। सुनीता ने यह बात उस वक्त कही, जब राखी पैपराजी के सामने ही फोन स्पीकर पर रखकर उनसे बातें कर रही थीं।

संक्षिप्त समाचार

5 साल की हिंद रजब जिस कार में थी, उस पर सैनिकों ने 355 गोलियां बरसाई थीं

यरुशलम/काहिरा, एजेंसी। इस्राइली सेना ने 934 दिन बाद पहली बार स्वीकारा है कि जनवरी 2024 में गाजा में पांच साल की फलस्तीनी बच्ची हिंद रजब और उसके परिवार को ले जा रही कार पर उसके सैनिकों ने ही गोलियां चलाई थीं। सैनिकों ने हिंद और उसके परिवार की कार पर 355 गोलियां चलाईं थीं। यह घटना दुनियाभर में गहरा आक्रोश पैदा कर चुकी है और अब सेना ने इस मामले में आपराधिक जांच के आदेश दे दिए हैं। 29 जनवरी 2024 को गाजा शहर के तेल अल-हावा इलाके में हिंद रजब अपने छह परिजनों के साथ एक कार में यात्रा कर रही थी, तभी इस्राइली सेना ने कार पर गोलीबारी कर दी। हिंद और उसकी चचेरी बहन लायन को छोड़कर बाकी सभी की मौके पर ही मौत हो गई। लायन ने फलस्तीन रेड क्रिसेंट सोसाइटी की आपात सेवा को फोन किया और गोलियों व चीख-पुकार के बीच हालात बताती रही, तभी कॉल कट गई। इसके बाद हिंद ने खुद एक कॉल का जवाब दिया और अरबी भाषा में ऑपरेटर से कहा, टैंक मेरे बगल में है...डर लग रहा है, प्लीज आ जाओ। फिर गोलियों की आवाज गूंजी और कॉल अचानक कट गई। एजेंसी फलस्तीन रेड क्रिसेंट सोसाइटी ने बच्चों को बचाने के लिए एक एंबुलेंस भी भेजी। इसकी जानकारी पहले ही इस्राइली सेना को दे दी गई। इसके बावजूद, इस्राइली सेना ने एंबुलेंस पहुंचने के बाद उस पर भी एक गोला दागा, जिसमें दो पैरामेडिक्स की मौके पर ही मौत हो गई।

ट्रंप के खास एड मार्टिन की जस्टिस डिपार्टमेंट से विदाई- राष्ट्रपति ने दी नई जिम्मेदारी; क्या होगी नई भूमिका

वाशिंगटन, एजेंसी। एड मार्टिन ट्रंप प्रशासन में कई विवादित भूमिकाएं निभाने के बाद जस्टिस डिपार्टमेंट से विदा हो रहे हैं। ट्रंप के अनुसार, अब मार्टिन 2026 के मिड-टर्म और 2028 के राष्ट्रपति चुनावों से जुड़ी कानूनी लड़ाइयों पर ध्यान देंगे। उनकी विदाई ऐसे समय हुई है जब ट्रंप प्रशासन चुनावी प्रक्रिया, गैर-नागरिकों के मतदान और संघीय सरकार की चुनावों में भूमिका को लेकर सक्रिय है। मार्टिन का ट्रंप के चुनावी आंदोलन और 6 जनवरी की घटनाओं से जुड़ा पुराना संबंध भी उन्हें इस राजनीतिक लड़ाई का महत्वपूर्ण चेहरा बनाता है। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में बताया कि मार्टिन जस्टिस डिपार्टमेंट में 'पार्डन अटॉर्नी' यानी राष्ट्रपति की माफी से जुड़े मामलों के वकील का पद छोड़ रहे हैं। अब वह इस साल होने वाले मिड-टर्म चुनाव और 2028 के राष्ट्रपति चुनाव से जुड़ी 'कानूनी लड़ाइयों' पर ध्यान केंद्रित करेंगे। ट्रंप ने लिखा, मुझे पता है कि वह बहुत अच्छा काम करेंगे। वह यह सुनिश्चित करेंगे कि चुनाव स्वतंत्र, निष्पक्ष और ईमानदार हों तथा हमारे संवैधानिक अधिकारों को मजबूती से आगे बढ़ाएंगे। पिछले साल डिस्ट्रिक्ट ऑफ कोलंबिया के लिए अंतरिम अमेरिकी अटॉर्नी नियुक्त किए जाने के बाद से ही मार्टिन ट्रंप प्रशासन में विवादों के केंद्र में रहे। इस पद पर रहते हुए उन्होंने ट्रंप की ओर से 6 जनवरी की घटनाओं से जुड़े आरोपियों को बड़े पैमाने पर माफी दिए जाने के बाद उन मामलों को समाप्त करने की प्रक्रिया की निगरानी की थी।

ट्रंप को भी हद दिखाने वाली मेलोनी, तीन फीसदी वोट से सत्ता तक पहुंचीं; अब बना रहीं नया रिकॉर्ड

रोम, एजेंसी। इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी इन दिनों अपने राजनीतिक सफर की वजह से चर्चा में हैं। वह न सिर्फ अपनी सरकार को लगातार मजबूत बनाए रखने में सफल रही हैं, बल्कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जैसे ताकतवर नेता को भी कई मौकों पर दो टूक जवाब दे चुकी हैं। मेलोनी 4 सितंबर को इटली गणराज्य यानी 1946 के बाद सबसे लंबे समय तक लगातार प्रधानमंत्री रहने का रिकॉर्ड बनाने जा रही हैं। उनका यह सफर इसलिए भी खास है, क्योंकि जिस पार्टी को उन्होंने खड़ा किया था, वह कभी सिर्फ 3 फीसदी वोट पर अटकी रहती थी। मेलोनी और ट्रंप के बीच कई मौकों पर मतभेद सामने आए हैं। ट्रंप ने एक बार आरोप लगाया था कि जी-7 शिखर सम्मेलन में मेलोनी उनके साथ तस्वीर खिंचवाने के लिए गिड़गिड़ाई थीं। इस पर मेलोनी ने जवाब दिया कि इटली कभी किसी के आगे भीख नहीं मांगता। जब ट्रंप ने वेटिकन के पोप पर निशाना साधा, तब भी मेलोनी ने साफ कहा कि इटली में कई मुद्दों पर बहस हो सकती है, लेकिन पोप का अपमान स्वीकार नहीं किया जाएगा। कभी ट्रंप के शपथ ग्रहण में शामिल होने वाली इकलौती यूरोपीय राष्ट्राध्यक्ष रहीं मेलोनी अब वाशिंगटन से बातचीत को लेकर अलग रुख अपना रही हैं। तीन फीसदी वोट वाली पार्टी सत्ता तक कैसे पहुंची मेलोनी का राजनीतिक सफर बेहद कम उम्र में शुरू हुआ।

नवाज शरीफ की 2019 वाली स्क्रिप्ट दोहरा रहे इमरान, क्या सरकार के साथ इलाज के नाम पर हो चुकी है डील

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान की राजनीति में जेल, अदालत और सत्ता का रिश्ता हमेशा बेहद उलझा हुआ रहा। अब पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के स्वास्थ्य को लेकर पैदा हुआ नया विवाद इसी पुराने राजनीतिक पैटर्न की याद दिला रहा है। 18 अगस्त 2026 को पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट ने जेल में बंद इमरान खान को अस्पताल ले जाने का आदेश दिया। इसके दो दिन बाद सरकार ने संकेत दिया कि अगर जरूरत पड़ी तो उन्हें इलाज के लिए विदेश भी भेजा जा सकता है, लेकिन इसके लिए कानूनी प्रक्रिया का पालन करना होगा। यही वजह है कि 2019 का नवाज शरीफ प्रकरण फिर चर्चा में आ गया। उस समय भी मामला जेल में बंद एक पूर्व प्रधानमंत्री की बिगड़ती सेहत से शुरू हुआ था। मेडिकल आधार पर राहत मिलने के बाद नवाज शरीफ को इलाज के लिए लंदन जाने की अनुमति मिली थी। उनकी मौजूदा चिकित्सा स्थिति तथा कानूनी स्थिति अलग है। इसलिए सवाल डील का कम और पाकिस्तान की उस राजनीतिक परंपरा का ज्यादा है। इसमें जेल में बंद बड़े नेताओं को स्वास्थ्य के आधार पर राहत मिलने के बाद सियासी समीकरण बदलते रहे हैं। चलिए पहले इतिहास में चलते हैं और जानते हैं कि नवाज शरीफ के साथ क्या हुआ था।

2019 में नवाज शरीफ के साथ क्या हुआ था : नवाज शरीफ उस समय भ्रष्टाचार के एक मामले में जेल की सजा काट रहे थे। उनकी तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया और मेडिकल आधार पर राहत का रास्ता खुला। फरवरी 2019 में इस्लामाबाद हाईकोर्ट ने मेडिकल आधार पर उनकी जमानत याचिका खारिज की थी, लेकिन बाद के महीनों में उनकी स्वास्थ्य स्थिति को लेकर मामला फिर गंभीर हुआ। अक्तूबर-नवंबर 2019 में उन्हें मेडिकल आधार पर जमानत मिली और इलाज के लिए विदेश जाने का रास्ता तैयार हुआ। नवंबर 2019 में पाकिस्तान सरकार ने नवाज शरीफ को इलाज के लिए चार सप्ताह के लिए विदेश जाने की एक बार की अनुमति दी थी। सरकार ने इसके लिए एक क्षतिपूर्ति बांड की शर्त भी रखी थी। बाद में लाहौर हाईकोर्ट के आदेश के बाद विदेश जाने की प्रक्रिया आगे बढ़ी और नवाज शरीफ लंदन चले गए। उनके साथ उस समय उनके भाई शहबाज शरीफ भी थे। यानी 2019 का घटनाक्रम सीधे तौर पर जेल से शुरू होकर मेडिकल जांच, अदालत की राहत और फिर विदेश में इलाज तक पहुंचा था। आज इमरान खान के मामले में भी जेल से अस्पताल और फिर संभावित विदेश इलाज की बात सामने आई है। यही समानता दोनों मामलों को एक साथ देखने की वजह बन रही है।

क्या सरकार सच में इमरान को विदेश भेज सकती है : यही इस पूरे मामले का सबसे अहम सवाल है। 20 अगस्त को पाकिस्तान सरकार ने संकेत दिया कि अगर इमरान खान के इलाज के लिए जरूरत पड़ी तो उन्हें विदेश भेजने की संभावना पर विचार किया जा सकता है। हालांकि सरकार ने साफ किया कि इसके लिए कानूनी प्रक्रिया का पालन करना होगा। यानी अभी ऐसा कोई फैसला नहीं हुआ है कि इमरान खान को लंदन या किसी दूसरे देश भेजा जा रहा है। सरकार की बात इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि जेल में बंद किसी बड़े राजनीतिक नेता को विदेश इलाज के लिए भेजना केवल मेडिकल फैसला नहीं रहता। इसमें अदालत, जेल प्रशासन, सरकार और सुरक्षा एजेंसियों की भूमिका भी जुड़ जाती है। नवाज शरीफ के मामले में भी विदेश जाने के लिए अदालत और सरकार के स्तर पर कई कानूनी कदम उठे थे। उनके लिए पहले मेडिकल आधार पर राहत मिली और फिर विदेश जाने की अनुमति की प्रक्रिया पूरी हुई थी। इसलिए इमरान के मामले में अभी सबसे सही बात यही है कि विदेश इलाज का विकल्प खुला बताया गया है, लेकिन उसे अंतिम फैसला नहीं माना जा सकता। अगर आगे अदालत या सरकार की ओर से औपचारिक अनुमति मिलती है, तभी इसे नवाज शरीफ वाले घटनाक्रम की अगली कड़ी माना जा सकेगा।

क्या इमरान और नवाज के मामलों में सचमुच समानता है : दोनों मामलों में पहली बड़ी समानता यह है कि दोनों पूर्व प्रधानमंत्री जेल में थे और स्वास्थ्य को लेकर गंभीर सवाल उठे। दोनों मामलों में मेडिकल जांच और अदालत की भूमिका सामने आई। दोनों मामलों में विदेश में इलाज की संभावना भी चर्चा में आई। लेकिन दोनों की कानूनी स्थिति बिल्कुल समान नहीं है। नवाज शरीफ को 2019 में विदेश जाने की अनुमति एक तय प्रक्रिया के तहत मिली थी, जबकि इमरान खान के मामले में अभी सरकार ने केवल जरूरत पड़ने पर विदेश इलाज की संभावना जताई है। दूसरी बड़ी बात यह है कि इमरान के खिलाफ इस समय भी कई कानूनी मामले और अपीलें चल रही हैं। एक मामले में वह 14 साल की सजा काट रहे हैं, जबकि कई अन्य मामलों में सजा निलंबित या फैसले पलटे जा चुके हैं। ऐसे में विदेश जाना केवल स्वास्थ्य का मामला नहीं होगा। यह कानूनी अनुमति और उनकी हिरासत की स्थिति से भी जुड़ा होगा। यही कारण है कि इमरान खान के समर्थक इसे राहत की शुरुआत के रूप में देख सकते हैं।

होर्मुज को लेकर यूएस कर रहा क्या तैयारी: इधर ट्रंप ने दी ईरान को धमकी, उधर रूबियो ने की ओमान को साधने की कोशिश

वॉशिंगटन, एजेंसी। पश्चिम एशिया में अमेरिका और ईरान के बीच होर्मुज जलडमरूमध्य पर नियंत्रण बनाने को लेकर तनाव चरम पर है। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार (स्थानीय समय) को कहा कि ईरान समझौता करना चाहता है, लेकिन उनके अनुसार वह सही डील के लिए अभी तैयार नहीं है। उन्होंने दोनों देशों के बीच बढ़ते तनाव के बीच क्षेत्र के महत्वपूर्ण इलाकों पर अमेरिका के नियंत्रण का दावा भी दोहराया। ट्रंप ने कहा कि ईरान के खिलाफ आर्थिक कदमों का यह मतलब नहीं है कि अमेरिका के पास सैन्य विकल्प सीमित हो गए हैं। ट्रंप ने कहा, नहीं, बिल्कुल नहीं। इसका सिर्फ मतलब है कि हम देख रहे हैं कि क्या होता है। उनके पास पैसा नहीं है, उनके पास नौसेना नहीं है, उनके पास वायुसेना नहीं है, वे अपने सैनिकों को वेतन नहीं दे रहे हैं, वे अपनी पुलिस को वेतन नहीं दे रहे हैं, वहां 350 प्रतिशत महंगाई है।

ट्रंप ने दोहराया होर्मुज पर नियंत्रण का दावा : अमेरिकी राष्ट्रपति ने आगे कहा, हम बस यह देखेंगे कि क्या होता है और जैसा कि आप जानते हैं, सीमा पर हमारा पूरा नियंत्रण है। हमारे पास पूरी तरह नियंत्रण है। अगर आप नाकाबंदी को देखें, तो हमारे पास होर्मुज जलडमरूमध्य से जुड़े पूरे क्षेत्र पर पूरा नियंत्रण है। ट्रंप ने कहा कि ईरान समझौते में रुचि रखता है, लेकिन उसने अभी तक उन शर्तों को स्वीकार नहीं किया है, जिन्हें वॉशिंगटन चाहता है।

उन्होंने कहा, तो वे समझौता करना चाहते हैं, लेकिन मेरी राय में वे सही डील करने के लिए तैयार नहीं हैं। ट्रंप का यह बयान वॉशिंगटन और तेहरान के बीच जारी तनाव के बीच आया है। ट्रंप ने हाल ही में ईरान के खिलाफ अब तक का सबसे बड़ा आर्थिक अभियान शुरू करने की घोषणा की थी। उन्होंने ईरान को वित्तीय, कारोबारी या सरकारी समर्थन देने वाले देशों को बहुत गंभीर आर्थिक परिणाम भुगतने की चेतावनी दी थी। इस बीच अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने वॉशिंगटन में अमेरिका में ओमान के राजदूत तलाल अल रहबी से मुलाकात की। दोनों ने आपसी हित के मुद्दों पर चर्चा की और दोनों देशों के बीच मजबूत सहयोग को दोहराया। ओमान के दूतावास ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, महामहिम राजदूत तलाल अल रहबी ने वाशिंगटन डीसी में इंस्टीट्यूट ऑफ पीस में अमेरिकी विदेश विभाग द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम से इतर अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो से मुलाकात की।

कनाडा पर फूटेगा ट्रंप का टैरिफ बम: यूएस के साथ व्यापार वार्ता नाकामयाब, कनाडाई उत्पादों पर लगेगा 50 प्रतिशत शुल्क

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका शनिवार तड़के कनाडा के करीब 20 अरब डॉलर मूल्य के उत्पादों पर 50 प्रतिशत शुल्क लगाने वाला है। आखिरी समय में हुई बातचीत के बावजूद दोनों देशों के बीच व्यापार समझौते को लेकर सहमति नहीं बन सकी। इससे पहले से तनावपूर्ण संबंधों में और खटास बढ़ गई है। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जैमीसन ग्रीर ने शनिवार आधी रात से कुछ देर पहले पत्रकारों के साथ एक कॉल में पढ़े गए बयान में कहा, कनाडा ने इस सप्ताह की शुरुआत में तय शर्तों के तहत व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने से इनकार कर दिया। अमेरिका ने कनाडा को हमारे बाजार में किसी भी बड़े निर्यातक के मुकाबले सबसे बेहतर शर्तें देने की पेशकश की थी। इसके बावजूद कनाडा की नई मांगों और कुछ अन्य प्रतिबद्धताओं से पीछे हटने के कारण पिछले कुछ दिनों में बनाई गई संतुलित व्यवस्था बिगड़ गई।

व्यापार समझौते को लेकर क्या बोले मार्क कार्नी : कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने जवाब दिया, अमेरिका की प्रस्तावित शर्तों में आखिरी समय में किए गए बदलाव अनुचित और आर्थिक रूप से नुकसानदेह थे। उन्होंने किसी भी समझौते की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े कर दिए। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से लगाए जाने वाले आयात शुल्क से कनाडा से अमेरिका भेजे जाने वाले कुल उत्पादों में से करीब पांच प्रतिशत प्रभावित होंगे। इनमें हॉकी स्टिक से लेकर जीभ की जांच में इस्तेमाल होने वाली लकड़ी की छोटी छड़ियां तक शामिल हैं।

तीन दिन की समय सीमा बढ़ी, फिर भी नहीं बनी बात हालांकि, इसका राजनीतिक असर आर्थिक नुकसान से भी बड़ा होने की संभावना है। पिछले साल दोनों देशों के बीच करीब 880 अरब डॉलर मूल्य की वस्तुओं और सेवाओं का कारोबार हुआ था। इन शुल्कों को शुरुआत में बुधवार रात 12 बजकर 1 मिनट से लागू किया जाना था। लेकिन ट्रंप ने बातचीत जारी रखने के लिए समय सीमा तीन दिन बढ़ा दी थी। इसके बावजूद दोनों देश तय समय तक किसी समझौते पर नहीं पहुंच सके।

कनाडा के गुरुद्वारे में चाकूबाजी- सुबह की अरदास के दौरान मचा हंगामा; दो लोग घायल, पीएम कार्नी ने जताई संवेदनाएं

टोरंटो, एजेंसी। कनाडा के अल्बर्टा प्रांत के एडमंटन स्थित नानकसर गुरसिख गुरुद्वारा में शादी समारोह से पहले सुबह की प्रार्थना के दौरान एक व्यक्ति ने कथित तौर पर हंगामा किया। उसे काबू करने की कोशिश के दौरान हुई झड़प में दो पुरुषों पर चाकू से हमला हुआ। पुलिस ने एक व्यक्ति को मौके से गिरफ्तार किया है और दोनों घायलों की चोटें गंभीर नहीं हैं। हमले की वजह और यह हेट क्राइम था या नहीं, इसकी जांच जारी है। घटना के बावजूद गुरुद्वारे में शादी समारोह तय समय पर आयोजित किया गया। सुबह 5 बजे के बाद गुरुद्वारे में मचा हड़कंप यह घटना एडमंटन के उत्तर-पूर्वी बाहरी इलाके में स्थित नानकसर गुरसिख गुरुद्वारा मंदिर में सुबह 5 बजे के कुछ समय बाद हुई। एडमंटन पुलिस सर्विस ने बताया कि 14 स्ट्रीट और हॉर्सहिल रोड के पास हुई घटना की सूचना

मिलने पर अधिकारियों ने मौके से एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया। आपातकालीन सेवाओं ने दो घायलों का इलाज किया।

हमले के पीछे की वजह अभी साफ नहीं : पुलिस ने अभी तक हमले के पीछे की वजह का खुलासा नहीं किया है। यह भी स्पष्ट नहीं किया गया है कि मामले की जांच संभावित घृणा-प्रेरित अपराध यानी हेट क्राइम के तौर पर की जा रही है या नहीं।

शादी से पहले प्रार्थना में घुसा आरोपी : गुरुद्वारा प्रतिनिधि हरमीत सहगल ने बताया कि एक व्यक्ति गुरुद्वारे के अंदर आया और बाद में होने वाली शादी से पहले चल रही सुबह की प्रार्थना में बाधा डालने लगा। ग्लोबल न्यूज के मुताबिक, सहगल ने कहा, ÷वह अंदर आया और हंगामा करने लगा। हमारी सुबह की प्रार्थना बाधित हो गई। जो लोग प्रार्थना कर रहे थे, उन्होंने इस व्यक्ति को देखा। ऐसा लग रहा था कि वह यहां आने वाला कोई सामान्य श्रद्धालु नहीं था।

समझाने की कोशिश नाकाम, हाथापाई के बाद चाकूबाजी सहगल के मुताबिक, प्रार्थना करा रहे लोगों ने पहले उस व्यक्ति से बात कर उसे समझाने की कोशिश की, लेकिन उसने सहयोग नहीं किया। उन्होंने कहा, %वह व्यक्ति किसी की बात नहीं सुन रहा था। इसलिए उन्होंने उसे काबू करने की कोशिश की। उसने भी इसका विरोध किया।

झड़प में दो लोगों को चाकू मारा गया : इसी टकराव के दौरान दो लोगों पर चाकू से हमला किया गया। सहगल ने बताया कि हमले के बाद दोनों घायल होश में थे। उन्होंने कहा, आखिरी बार जब मैंने सुना, तब दोनों बात कर रहे थे। पुलिस के मुताबिक, दोनों घायलों की हालत गंभीर नहीं है और उनकी चोटें जानलेवा नहीं बताई गई हैं। सुबह हुई इस हिंसक घटना के बावजूद गुरुद्वारे में शादी समारोह को रद्द नहीं किया गया। समारोह सुबह करीब 10ः30 बजे निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आयोजित किया गया। सहगल ने कहा कि राहत की बात यह रही कि गुरुद्वारे की संपत्ति को कोई खास नुकसान नहीं पहुंचा और विशेष रूप से सिख धर्मग्रंथ भी सुरक्षित रहे, जिन्हें समुदाय में बेहद पवित्र माना जाता है।

दिन-रात काम फिर भी नहीं पल रहा परिवार, क्या चीन के गिग वर्कर्स का सपना टूट रहा सरकार की नजरें टेढ़ी

यान जुआंग, एजेंसी। चीन में आर्थिक दबाव और कठिन कामकाजी हालात अब केवल आंकड़ों या रोजगार के सवाल तक सीमित नहीं रह गए हैं। इनका असर वहां के श्रमिकों की लिखी कविताओं और किताबों में भी दिखाई देने लगा है। फूड डिलीवरी बॉय, कूरियर कर्मचारी और फैक्ट्री मजदूर अपनी रोजमर्रा की परेशानियों, कम आमदनी और परिवार से दूरी को साहित्य के जरिए सामने ला रहे हैं। यह श्रम साहित्य चीन के मध्य वर्ग और युवाओं के बीच भी जगह बना रहा है। इसकी वजह यह है कि बहुत से लोगों को इन रचनाओं में अपनी जिंदगी की झलक दिखाई देती है। क्यों साहित्य में उतर रही है मजदूरों की मुश्किल जिंदगी फूड डिलीवरी

ड्राइवर रहे वांग जिबिंग की कविताएं चीन के श्रमिक जीवन की इसी तस्वीर को सामने रखती हैं। उनकी एक कविता में ऐसे डिलीवरी कर्मचारी की जिंदगी दिखाई गई है, जो दूसरे शहर में रहकर दिन-रात काम करता है। उसके लिए हर मिनट का मतलब एक और ऑर्डर पूरा करना है, लेकिन इतनी मेहनत के बाद भी परिवार की आर्थिक जरूरतें पूरी नहीं हो पातीं। घर से दूर रहने के कारण वह अपने बच्चे से भी दूर होता जाता है। यह कहानी अकेले एक व्यक्ति की नहीं मानी जा रही, बल्कि चीन में काम कर रहे कई प्रवासी मजदूरों और गिग वर्कर्स की स्थिति को दिखाती है। ऐसे श्रमिक साहित्य में आर्थिक दबाव, थकान, अपमान और बेहतर जीवन की अधूरी उम्मीद जैसे विषय लगातार सामने आ रहे हैं। क्या गिग वर्कर्स और फैक्ट्री मजदूरों की आवाज अब दबाना मुश्किल हो रहा है चीन में कई मजदूर, डिलीवरी कर्मचारी और फैक्ट्री वर्कर अपनी वास्तविक जिंदगी को कहानियों और कविताओं में बदल रहे हैं। युवाओं में बेरोजगारी की ऊंची दर और बेहतर जीवन की उम्मीदों के कमजोर पड़ने से इस साहित्य की मांग बढ़ रही है। इन रचनाओं में वे कठिनाइयां सामने आती हैं, जिन्हें सरकारी नियंत्रण वाले मीडिया में बहुत कम जगह मिलती है। श्रमिक साहित्य के बढ़ते प्रभाव से चीन के अधिकारी भी इसके प्रति सतर्क बताए जा रहे हैं। इसकी खास वजह यह है कि ये रचनाएं किसी राजनीतिक भाषण की तरह नहीं, बल्कि सीधे उस व्यक्ति की जिंदगी से निकलती हैं जो रोज काम करता है, कमाता है और अपने परिवार को चलाने की कोशिश करता है। प्रवासी श्रमिक हू अनयान ने कूरियर कर्मचारी समेत 19 अलग-अलग तरह के काम किए हैं। उन्होंने लॉजिस्टिक्स कंपनी में छंटनी करने वाले कर्मचारी, सुरक्षा गार्ड और सुविधा स्टोर कर्मचारी जैसे काम भी किए।

भारत-नेपाल सीमा पर कैसे बना जालसाजी का नेटवर्क 500 यात्रा दस्तावेज गायब होने से खुला राज

काठमांडो, एजेंसी। नेपाल में 15 साल पहले विदेश मंत्रालय के स्टोर से गायब हुए 500 खाली यात्रा दस्तावेजों की दोबारा जांच ने भारत और नेपाल से जुड़े दस्तावेज जालसाजी के एक कथित नेटवर्क पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। जांच में आशंका जताई गई है कि इस नेटवर्क के जरिए विदेशी नागरिकों और शरणार्थियों के लिए जाली नेपाली नागरिकता प्रमाणपत्र तैयार किए जाते थे। इसके बाद इन्हीं प्रमाणपत्रों के आधार पर नेपाली पासपोर्ट और यात्रा दस्तावेज हासिल किए जाते थे। भारत-नेपाल की खुली सीमा और दोनों देशों के बीच वीजा-मुक्त आवाजाही को देखते हुए इस मामले का सुरक्षा पहलू भी महत्वपूर्ण हो गया है।

500 दस्तावेज गायब होने का मामला फिर क्यों खुला : नेपाल विदेश मंत्रालय से वर्ष 2009 में ए-026001 से ए-026500 श्रृंखला के 500 खाली यात्रा दस्तावेज गायब हुए थे। इनमें से अब तक केवल तीन दस्तावेज बरामद किए जा सके हैं। बाकी 497 दस्तावेजों का कोई पता नहीं चला है। मामले की दोबारा जांच नेपाल पुलिस के केंद्रीय जांच ब्यूरो यानी सीआईबी को सौंपी गई है। जांच के दौरान मंत्रालय के पूर्व अधिकारी बचराम केसी को गिरफ्तार किया गया है। उनके बयान को जांच में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। वरिष्ठ राजनयिकों के बयान भी दर्ज किए गए हैं। इतने वर्षों बाद दोबारा शुरू हुई जांच का मुख्य सवाल यही है कि इतने संवेदनशील दस्तावेज आखिर किसके हाथ लगे और उनका इस्तेमाल कहां किया गया।

जाली नागरिकता से असली पासपोर्ट तक कैसे पहुंचते थे : जांच में सामने आए आरोपों के अनुसार कथित सिंडिकेट भारत-नेपाल सीमा से लगे जिलों में सक्रिय था। नेटवर्क के सदस्य विदेशी नागरिकों या अवैध रूप से रह रहे लोगों के लिए जाली नेपाली नागरिकता प्रमाणपत्र तैयार करवाते थे। इसके बाद इसी पहचान के आधार पर नेपाली पासपोर्ट और दूसरे यात्रा दस्तावेज हासिल करने का रास्ता तैयार किया जाता था।

इस पूरी प्रक्रिया में दोनों देशों में मौजूद दलालों के समन्वित नेटवर्क की बात सामने आई है। गिरफ्तार पूर्व अधिकारी केसी के बयान के मुताबिक भारत और नेपाल में दलालों का एक संगठित तंत्र काम कर रहा था। हालांकि, इस नेटवर्क से जुड़े सभी आरोपों और इसकी पूरी संरचना की जांच अभी जारी है। जांच में कथित नेटवर्क के विदेशी नागरिकों से प्रति व्यक्ति करीब 5,000 अमेरिकी डॉलर वसूलने की बात सामने आई है। भारतीय मुद्रा में यह रकम करीब चार से सवा चार लाख रुपये के आसपास बैठती है। रिपोर्ट के अनुसार इस नेटवर्क में मुख्य रूप से अफगान और तिब्बती शरणार्थियों के शामिल होने की आशंका जताई गई है। साथ ही अफगानिस्तान से आए लोगों के इस जालसाजी नेटवर्क के जरिए आवाजाही करने की आशंका से भी इनकार नहीं किया गया है। जांच एजेंसी अब यह पता लगाने में जुटी है कि गायब हुए यात्रा दस्तावेजों में से कितने का इस्तेमाल किया गया और किन लोगों को इन दस्तावेजों के जरिए नेपाल की पहचान या यात्रा संबंधी कागजात हासिल हुए। भारत और नेपाल के बीच खुली सीमा होने के कारण इस मामले का असर केवल नेपाल तक सीमित नहीं माना जा रहा है।

अमेरिका में भारतीय खाना ट्रेंड में, पाकिस्तान में चाट और ढाका में साड़ी की मांग क्यों बढ़ी

न्यूयॉर्क/लाहौर/ढाका, एजेंसी। भारतीय खानपान और पहनावे का आकर्षण अब भारत की सीमाओं से बाहर भी साफ दिखाई दे रहा है। पाकिस्तान में दिल्ली की चाट, अमृतसरी कुलचे और मुगलई व्यंजन पसंद किए जा रहे हैं, जबकि ढाका की शादियों में बनारसी, कांजीवरम और चंदेरी साड़ियों की मांग बनी हुई है। अमेरिका में क्षेत्रीय भारतीय भोजन प्रमुख खानपान रुझानों में शामिल हुआ है। ऐसे में सवाल है कि क्या सांस्कृतिक पसंद राजनीतिक सीमाओं से ज्यादा मजबूत साबित हो रही है भारतीय संस्कृति का असर खानपान और पहनावे के जरिए दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में दिखाई दे रहा है। अमेरिका से लेकर पाकिस्तान और बांग्लादेश तक भारतीय व्यंजन और पारंपरिक परिधान लोगों की पसंद बन रहे हैं। पाकिस्तान के लाहौर और कराची में दिल्ली की चाट, अमृतसरी कुलचे, मुगलई व्यंजन और कोलकाता काठी रोल आकर्षण का केंद्र हैं। दूसरी तरफ ढाका में बनारसी, कांजीवरम और चंदेरी साड़ियां खासतौर पर शादियों में पसंद की जा रही हैं। यह स्थिति इसलिए दिलचस्प है क्योंकि राजनीतिक स्तर पर मतभेदों के बावजूद लोगों की सांस्कृतिक पसंद अलग दिशा में चलती दिखाई दे रही है।

अमेरिका में क्षेत्रीय भारतीय खाने की मांग क्यों बढ़ी : अमेरिका में भारतीय भोजन की तस्वीर पिछले कुछ समय में बदली है। भारतीय खाना पहले अक्सर सामान्य करी तक सीमित समझा जाता था, लेकिन अब अमेरिकी उपभोक्ताओं की दिलचस्पी भारत के अलग-अलग क्षेत्रों के व्यंजनों में बढ़ रही है। 2026 के खानपान रुझानों में क्षेत्रीय भारतीय व्यंजनों को शीर्ष पांच में जगह मिली है। अमेरिकी शहरों में भारतीय रेस्तराओं की खोज और बुकिंग में भी तेजी देखी गई है। अब ग्राहक केवल सामान्य भारतीय करी नहीं खोज रहे, बल्कि अलग-अलग इलाकों के खास स्वाद आजमाना चाहते हैं। केरल के नारियल, करी पत्ते, हींग और समुद्री भोजन जैसे स्वाद भी लोगों की पसंद में उभर रहे हैं। इससे भारतीय भोजन की

पहचान क्षेत्रीय विविधता के साथ और व्यापक होती दिखाई देती है।

लाहौर और कराची में दिल्ली के स्वाद की मांग क्यों बढ़ी : पाकिस्तान में भारतीय खानपान की लोकप्रियता खासतौर पर लाहौर और कराची में दिखाई दे रही है। दिल्ली की चाट, अमृतसरी कुलचे, मुगलई व्यंजन और कोलकाता काठी रोल वहां लोगों को आकर्षित कर रहे हैं। लाहौर का गवालमंडी और कराची के फूड स्ट्रीट्स भारतीय स्वाद के लिए खास चर्चा में हैं। सोशल मीडिया ने भी इस रुचि को बढ़ाने में भूमिका निभाई है। यूट्यूबर और व्लॉगर दिल्ली, अमृतसर, लखनऊ और दक्षिण भारत के व्यंजनों को अपने वीडियो के जरिए दर्शकों तक पहुंचा रहे हैं। भारतीय शहरों के नाम से जुड़े व्यंजन भी लोगों के बीच खास आकर्षण पैदा कर रहे हैं। इस तरह खानपान ने राजनीतिक सीमाओं से अलग अपनी जगह बनाई है।

ढाका की शादियों में भारतीय साड़ियों का रुतबा क्यों बढ़ा : बांग्लादेश की राजधानी ढाका में भारतीय साड़ियों का आकर्षण खास तौर पर शादी-ब्याह के मौकों पर नजर आता है। बनारसी, कांजीवरम और चंदेरी साड़ियों को वहां केवल पारंपरिक पहनावे के तौर पर नहीं देखा जा रहा, बल्कि इन्हें शादियों में स्टेटस और खास पसंद से भी जोड़ा जा रहा है। भारतीय खानपान की मांग भी वहां बनी हुई है। गुलशन और धानमंडी जैसे इलाकों में कोलकाता काठी रोल और पाव भाजी लोगों के पसंदीदा स्वादों में शामिल हैं। यानी भारत से जुड़े भोजन और पहनावे दोनों ने ढाका में अपनी अलग पहचान बनाई है। यह सांस्कृतिक जुड़ाव इस बात का उदाहरण है कि लोगों की पसंद कई बार देशों के राजनीतिक संबंधों से अलग अपना रास्ता तय करती है। भारतीय भोजन और परिधान की यह लोकप्रियता केवल बाजार की कहानी नहीं है। इसके पीछे संस्कृति, स्वाद और लोगों की व्यक्तिगत पसंद भी काम कर रही है। अमेरिका में भारतीय क्षेत्रीय व्यंजन नए फूड ट्रेंड का हिस्सा बन रहे हैं। पाकिस्तान में दिल्ली और अमृतसर के स्वाद लोगों को आकर्षित कर रहे हैं, जबकि ढाका की शादियों में भारतीय साड़ियों की मांग बनी हुई है। सोशल मीडिया ने इस प्रक्रिया को और तेज कर दिया है। लोग यूट्यूब और दूसरी ऑनलाइन सामग्री के जरिए दूसरे देशों के भोजन, कपड़े और परंपराओं से परिचित हो रहे हैं। इस पूरी तस्वीर से यह सवाल उठता है कि क्या सांस्कृतिक जुड़ाव राजनीतिक दूरी के बावजूद लोगों को करीब ला सकता है। दिल्ली की चाट से लेकर बनारसी साड़ी तक भारतीय संस्कृति का यह विस्तार कम से कम इतना जरूर दिखाता है कि स्वाद और फैशन की अपनी एक ऐसी दुनिया है।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)